फरीदाबाद हरियाणा का नंबर 1 समाचार पत्र

भेदी नज़र

संस्थापक : स्वाधीनता सेनानी सुखवासी लाल शर्मा (ब्रह्मलीन)

ई- पेपर पढ़ने के लिए लॉगऑन करें- www.bhedinazar.com

फरीदाबाद, सोमवार 13 जुलाई 2026

दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब, राजस्थान, बिहार, झारखंड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश का प्रमुख हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

1- न्यूज एडीटर
2- एकाउन्टेंट
3- मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (फार एडवर्टाइजमेंट)
4- चपरासी

सम्पर्क करें- 9811157562

समय: 3:00 से 5:00 PM

वर्ष : 16 अंक : 193 | Email : bhedinazardaily@gmail.com | RNI NO. HAR/HIN/2011/43680 | Postal REG. No. HR (FBD) -260/2023/25 | पृष्ठ : 12 मूल्य : 1 रुपये

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के हवाई हमले के बाद भड़का ईरान

● गालिबाफ बोले-एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका

तेहरान (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच हवाई हमले बढ़ गए हैं। टकराव की रफ्तार में इजाफा पूरी दुनिया के लिए चिंता की वजह बना हुआ है। इस बीच ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद

बाघेर गालिबाफ ने स्पष्ट किया कि अब एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका है। अपने कड़क और तीखे तेवरों के लिए पहचाने जाने वाले गालिबाफ ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर लिखा, हमने पहले ही कहा था- वादा निभाओ, नहीं तो कीमत चुकाओ। अब हकीकत सामने है। उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ अमेरिका-ईरान समझौता मसौदे के अनुच्छेद-5 की तस्वीर भी साझा की।

संसद सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

● विपक्ष के साथ आने वाले बिलों को लेकर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले ठीक एक दिन पहले सरकार 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक करने जा रही है। बैठक में इस सत्र के दौरान होने वाली महत्वपूर्ण चर्चा की योजना को लेकर बातचीत की जा सकती है। सर्वदलीय बैठक में सरकार विपक्ष को यह भी बताएगी कि इस सत्र में कौन से बिल पेश किए जा सकते हैं। संसद सत्र के एक दिन पहले यानी 19 जुलाई को होने वाली सर्वदलीय बैठक का समय सुबह 11 बजे निर्धारित किया गया है।

जूते में छिपाकर हुआ था महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक

● 8 हजार रुपए और एक प्लॉट में बिके थे प्रिंटिंग प्रेस के कर्मचारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में 28 जून 2026 को आयोजित होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 पेपर लीक के चलते एक दिन पहले यानी 27 जून को रद्द कर दी गई थी। अब इस

परीक्षा को दोबारा आयोजित कराया जाएगा जिसकी नई तारीख का ऐलान होना बाकी है, लेकिन पेपर लीक की जांच के बीच कुछ नए खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र टीईटी का पेपर आगरा के उस प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ था जहां इस पेपर की छपाई होनी थी। बता दें कि यह परीक्षा 28 जून को 1028 सेंटर्स पर आयोजित होनी थी 6 लाख से अधिक उम्मीदवार इस परीक्षा में शामिल होने थे।

अगले साल से पटरी पर दौड़ेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन

● केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कर दी बड़ी घोषणा ● नए रूट्स का भी ऐलान, हैदराबाद को मिलेंगे नए कॉरिडोर

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन जल्द ही पटरी पर दौड़ेगी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को घोषणा की कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन अगले साल शुरू किया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगले साल, हम मुंबई-अहमदाबाद रूट पर सूरत और बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन शुरू करेंगे। इसके बाद, एक-एक करके, हम वापी से सूरत, फिर वापी से अहमदाबाद, फिर अहमदाबाद से ठाणे और फिर अहमदाबाद से मुंबई तक का काम पूरा करेंगे। रेल मंत्रालय ने वैष्णव के बयान का एक वीडियो पोस्ट किया और उसके साथ मंत्री का एक कोट भी लिखा। इसमें लिखा था, भारत की पहली बुलेट ट्रेन अपने अगले चरण में प्रवेश कर रही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पुणे और हैदराबाद के बीच का पहला प्रोजेक्ट यात्रा के समय को घटाकर दो घंटे कर देगा, हैदराबाद से मुंबई की यात्रा का समय 2 घंटे 50 मिनट हो जाएगा, हैदराबाद से अमरावती का सफर 1 घंटे 10 मिनट का हो जाएगा, हैदराबाद से चेन्नई का सफर 3 घंटे का होगा, और हैदराबाद से बेंगलुरु का सफर 2 घंटे 35 मिनट का हो जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि तीन बड़े बुलेट ट्रेन कॉरिडोर शुरू होने से हैदराबाद एक हाई-स्पीड हब बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आवंटित 5,400 करोड़ का भारी-भरकम रेलवे बजट तेलंगाना में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है।

पहाड़ों में 'आफत' बनी बारिश

पहलगाम में बादल फटा, सड़क बही, खेत बर्बाद

उत्तराखंड के हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड

श्रीनगर (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गईं। उधर, देश के लगभग 70 फीसदी हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रविवार सुबह अभियान तेज हुआ

देर रात हुई करीब दो घंटे की मूसलाधार बारिश के बाद गस्ती बैंड के पास वैकल्पिक मार्ग पर भी कई स्थानों से भारी मात्रा में मलबा सड़क पर आ गया। लोक निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग की टीमों ने जेसीबी मशीनों के जरिए मार्ग खोलने का प्रयास किया, लेकिन लगातार हो रहे भूस्खलन के कारण रात में राहत कार्य भी चुनौतीपूर्ण बना रहा। रविवार सुबह मौसम साफ होने पर मलबा हटाने का अभियान तेज किया गया।

मानसून को सक्रिय रखने वाला सिस्टम कमजोर पड़ा

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 70 फीसदी हिस्से से मानसून के बादल गायब होने के पीछे सबसे बड़ी वजह मानसून को सक्रिय रखने वाले सिस्टम का कमजोर पड़ना है। 9 जुलाई के बाद बंगाल की खाड़ी में कोई नया मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम नहीं बना, जिससे मानसूनी हवाओं को पर्याप्त नमी नहीं मिल सकी। इसके साथ ही मानसून ट्रफ भी अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर खिसक गई है। इसकी वजह से मध्य, पश्चिम और दक्षिण भारत के बड़े हिस्से में बादल और बारिश की गतिविधियां काफी कम हो गई हैं। फिलहाल बारिश मुख्य रूप से उत्तर भारत, पूर्वी राज्यों और पूर्वोत्तर तक सीमित है। आईएमडी का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक देश के अधिकांश हिस्सों में मानसून के फिर से पूरी तरह सक्रिय होने की संभावना कम है।

पीएम के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में लगे खालिस्तानी नारे

आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी किया, खालड़ा का भी जिक्र

जालंधर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर खालिस्तान जिंदाबाद और मोदी मुर्दाबाद जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं। एसजेएफ के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में

आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। हालांकि, अपना अखबार पन्नू के वीडियो की पुष्टि नहीं करता। जसवंत सिंह खालड़ा पर ही दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज बनी थी, जिसे रिलीज होने के दूसरे दिन ही हटा दिया गया था और अब पूरी तरह से बैन कर दिया गया है। इधर, वीडियो सामने आने के बाद खुफिया एजेंसियां स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही हैं।

खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि 90 के दशक में शहीद खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था। ये लोग सिख युवा, बुजुर्ग, महिलाएं थे और इनको अज्ञात कहकर मार दिया गया था। जसवंत सिंह खालड़ा ने उनकी बात की थी। वह दौर था सिख नरसंहार का। पन्नू ने कहा ने प्रधानमंत्री मोदी को हिंदुस्तान का आतंकवादी कहा। उसने कहा कि पंजाब में अब आर्थिक नरसंहार किया जा रहा है। तब लाशें अज्ञात थीं। आज सिख की लाश आपके घर में ही है। उसको पहले ड्रग के साथ मारा जा रहा है, फिर पंजाब के किसानों को मजबूर किया जा रहा है कि वे खुदकुशी करें।

भारत-म्यांमार सीमा व्यापार 6 साल बाद फिर होगा शुरू

लिपुलेख दर्रे से ट्रेड को लेकर चीन की तैयारी हुई तेज

डिब्रूगढ़/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और म्यांमार के बीच रिश्तों को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पैंगसाऊ दर्रे पर भारत और म्यांमार के बीच सीमा व्यापार फिर शुरू होने की तैयारी है। करीब छह साल से अधिक समय से ये बंद चल रहा था। हालांकि, अब दोनों पक्षों के व्यापारिक संगठनों की बैठक के बाद 20 जुलाई को फिर से शुरू होने जा रहा है। फ्री मूवमेंट रिजीम के तहत सीमा-पार व्यापार से स्थानीय को फायदा होगा।

कोविड के दौरान बंद हुआ ट्रेड लिंक

कोविड-19 महामारी के कारण 3 फरवरी, 2020 को बंद किए गए इस ट्रेड लिंक को खोलने का निर्णय लिया गया। ये फैसला स्थानीय व्यापार प्रतिनिधियों और म्यांमार में उनके समकक्षों के बीच 9 जुलाई को अरुणाचल के चांगलांग जिले में व्यापार फिर से शुरू करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए हुई बैठक के बाद लिया गया।

जिम बेल्ट पर मिले ट्विशा शर्मा के स्किन टिश्यू

दिल्ली एम्स ने 11 पेज की फॉरेंसिक रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल की एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत मामले में दिल्ली एम्स के मेडिकल बोर्ड ने अपनी अंतिम फॉरेंसिक रिपोर्ट सीबीआई को सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में कथित तौर पर फांसी में इस्तेमाल हुई जिम बेल्ट पर स्किन टिश्यू मिलने और बेल्ट के निशानों का गर्दन पर मिले लिगेचर मार्क से मेल खाने की बात सामने आई है। हालांकि, रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली एम्स के पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने 11 पेज की अंतिम रिपोर्ट 10 जुलाई को सीलबंद लिफाफे में सीबीआई को सौंप दी। रिपोर्ट की अनुपालन प्रति मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को भी भेजी गई है। मेडिकल बोर्ड ने 24 मई को दूसरा पोस्टमॉर्टम करने के साथ घटना स्थल का

निरीक्षण भी किया था। बताया जा रहा है कि हिस्टोपैथोलॉजिकल और अन्य लैब जांच में जिम बेल्ट पर मिले स्किन टिश्यू की पुष्टि हुई है। साथ ही बेल्ट पर मौजूद निशानों और ट्विशा की गर्दन पर मिले लिगेचर मार्क के बीच वैज्ञानिक समानता पाई गई है।

हाईकोर्ट के आदेश पर हुआ था दूसरा पोस्टमॉर्टम

12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ससुराल में ट्विशा शर्मा संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया था, जबकि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया। शुरुआती जांच और पहले पोस्टमॉर्टम पर सवाल उठने के बाद परिजन ने हाईकोर्ट का रुख किया, जिसके बाद दिल्ली एम्स से दूसरा पोस्टमॉर्टम कराने और बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के आदेश दिए गए।

रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं, सीबीआई करेगी जांच में इस्तेमाल

दिल्ली एम्स के फॉरेंसिक मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर गुप्ता ने रिपोर्ट की सामग्री पर टिप्पणी करने से इनकार किया।

बंगाल में 20 साल बाद टाटा की वापसी संभव

● सीएम शुभेंदु अधिकारी खुद मामले को देख रहे ● ममता बनर्जी के आंदोलन से बंद हुआ था प्लांट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के सिंगूर में करीब दो दशक पहले टाटा की नैनो परियोजना को लेकर शुरू हुआ विवाद एक बार फिर सुर्खियों में है। राज्य में भाजपा सरकार बनने के बाद टाटा समूह की सिंगूर में वापसी को लेकर चर्चा तेज हो रही है। राज्य के उद्योग मंत्री तापस रॉय ने कहा कि टाटा के साथ शुरुआती स्तर पर बातचीत चल रही है। अगर टाटा ग्रुप लौटने को तैयार होता है तो सरकार वहां किसी दूसरी कंपनी को नहीं लाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी खुद मामले की निगरानी कर रहे हैं। हालांकि, जिन किसानों ने 2006 में नैनो के लिए अपनी जमीन दी थी, उनके लिए यह अधूरा सपना है। टाटा के सिंगूर छोड़ने के बाद हजारों परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजरते रहे। करीब 3,600 ऐसे परिवारों को आज भी सरकार हर महीने दो हजार रुपये और 16 किलो चावल देती है, लेकिन कई परिवार अब भी उस सदमे से उबर नहीं पाए हैं।

टाटा को जमीन देने के लिए तैयार हैं लोग-75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया।

टाटा को जमीन देने के लिए तैयार हैं लोग

75 साल की अंगूर दास बताती हैं कि उनके पति ने छह बीघा जमीन परियोजना के लिए दी थी। टाटा के जाने के बाद वे गहरे सदमे में चले गए और वर्ष 2019 में उनका निधन हो गया। अंगूर दास कहती हैं कि यदि टाटा दोबारा लौटती है तो वे अपनी बची हुई जमीन भी देने को तैयार हैं। जब सिंगूर आंदोलन चल रहा था तब अनिद्य दास महज 12 साल के थे। आज 32 साल के अनिद्य को रोजगार के लिए कोलकाता जाना पड़ता है। उनका कहना है कि यदि फैक्ट्री लग गई होती तो उन्हें रोज शहर जाकर नौकरी नहीं करनी पड़ती।

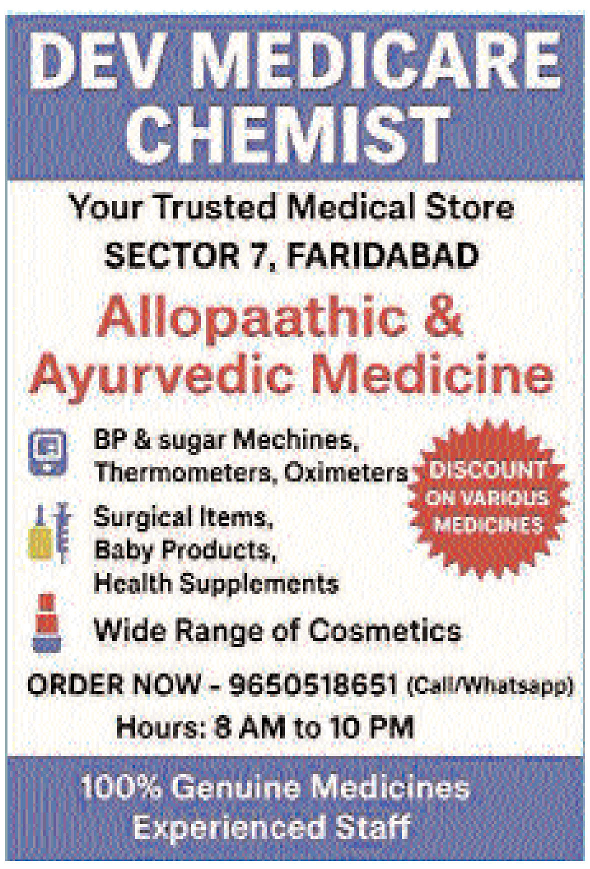

एच एस मलिक ने पौधारोपण कर मनाया जन्मदिन

किसान भवन में हुआ जन्म दिवस कार्यक्रम का आयोजन

फरीदाबाद (बिजेंद्र फौजदार) जाट समाज फरीदाबाद के महासचिव एच एस मलिक का 74वां जन्म दिवस सेक्टर 16 स्थित किसान भवन में मनाया। इस अवसर एच एस मलिक ने किसान भवन में पौधारोपण किया और प्रकृति की प्रति प्रेम करने का संदेश दिया। सादगी पूर्ण मनाए गए जन्म दिवस कार्यक्रम में जाट समाज के प्रधान व पूर्व आईएएस अधिकारी जेपीएस सांगवान जाट समाज के सलाहकार पूर्व आईपीएस अधिकारी महेंद्र सिंह श्योराण, जाट समाज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर एस दहिया, शिवराम तेवतिया, एच एस ढिल्लो , टी एस दलाल, अजीत मालिक ,कमल चौधरी ,सुरेंद्र सिंह, जितेंद्र चौधरी, दरियाव सिंह श्योराण, जिले सिंह दहिया, सूरजमल,अजय नरवत ,बलजीत नरवत , ,सरोज सिंह, सुनीता मलिक, रेखा चौधरी एडवोकेट ,मुनेश नरवाल, राहुल सेठी एडवोकेट, सरदार गुरमीत सिंह देओल,अमरीश सिवाच, वाई एस फोर, अनिल दलाल, महेंद्र सिंह पहल, बिजेंद्र फौजदार , राम रतन नरवत व दिनेश चौधरी सहित अन्य सदस्यों ने एच एस मलिक को फूलों के गुलदस्ते देकर और शाल ओढ़ाकर जन्मदिन की बधाइयां दी । जन्मदिवस कार्यक्रम में राहुल सेठी एडवोकेट ने हैप्पी बर्थडे टू यू और तुम जियो हजारों साल सहित कई मनमोहक गीत गाकर सबका मन मोह लिया और कार्यक्रम में शमा बांध दिया इसी प्रकार वाई एस फोर ने भी अपनी कविताएं और शायरी सुना कर एच एस मलिक को बधाइयां दी और कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। एच एस मलिक ने उपस्थित सभी लोगों द्वारा दिए गए आशीर्वाद और शुभकामनाओं का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा समाज के हित के लिए कार्य किया है शहर के अनेक संगठनों से जुड़े होने के कारण समाज सेवा करने का ज्यादा मौका मिला है जाट समाज के प्रधान जयपाल सिंह सांगवान, महेंद्र सिंह श्योराण और आर एस दहिया सहित सभी ने एच एस मालिक द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की।

वीडियो एडिट कर वायरल का भय दिखाकर की गई थी 96,000 रुपये की ठगी,पुलिस प्रवक्ता

2 खाताधारक सहित 3 गिरफ्तार

फरीदाबार्द। भेदी नजर,वंदना, वीडियो एडिट कर वायरल करने का भय दिखाकर 96,000 रुपये की ठगी के एक मामले में कार्रवाई करते हुए साइबर थाना एन आई टी की टीम ने 3 आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान धर्मराज(31), रवि(28) व विक्रम(26) वासी जयपुर राजस्थान के रुप में हुई है। जिनको माननीय न्यायलय में पेश कर जेल भेजा गया है जांच में सामने आया कि आरोपी रवि मामले में पहली लेयर का खाताधारक है, जिसके खाता में ठगी के 96,000 रुपये आये थे, वहीं आरोपी धर्मराज दूसरी लेयर का खाताधारक है, जिसके खाता में ठगी के 45,000 रुपये आये थे। विक्रम ने धर्मराज से खाता लेकर आगे ठगो को दिया था। धर्मराज व विक्रम दोनों एक ही गांव के रहने वाले है और मजदुरी करते है पुलिस प्रवक्ता अनुसार एन आई टी वासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि 25 मई की रात को समय करीब 2 बजे उसके व्हॉट्सएप एक अंजान नंबर से वीडियों कॉल आई, जिसको उसने उठा लिया, जिसमें शिकायतकर्ता का फेस केपचर हो गया, जिसके बाद कथित व्यक्ति ने एक वीडियों में शिकायतकर्ता का चेहरा लगाकर वीडियो को एडिट कर दिया तथा उसे वायरल करने का डर दिखाकर अलग-अलग ट्रांजेक्सन के जरिए 96,000 रुपये ठग लिये, जिसकी शिकायत पर साइबर थाना NIT में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया था।

फरीदाबाद पुलिस ने 43 साइबर ठग किए गिरफ्तार 15,30,000/-बरामदःसीपी सतेंद्र कुमार गुप्ता

साइबर ठगी पर 1930 पर करें कॉल

फरीदाबाद। भेदी नजर,सुनील कुमार जांगड़ा, पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन व हिमाद्री कौशिक पुलिस उपायुक्त मुख्यालय के नेतृत्व में फरीदाबाद पुलिस की साइबर थानों की टीम साइबर ठगों प्रभावी कार्रवाही कर रही है। जिसके चलते 04 से 10 जुलाई के बीच फरीदाबाद पुलिस के तीनों साइबर थानों की टीम ने 43 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है, इस दौरान टीमों ने ?15,30,000/- बरामद किये हैं। पुलिस प्रवक्ता अनुसार साइबर थानों की टीमों ने 10 मामलों में 43 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें

साइबर थाना एनआईटी का 1, सेंट्रल के 6 व बल्लबगढ के 3 मामले शामिल है। इस दौरान टीमों ने ?15,30,000/- बरामद किये हैं। इसी प्रकार 320 शिकायतों का निस्तारण कर ?3,56,458/- खातों में फ्रिज कराये हैं। यह कार्रवाई 4 से 10 जुलाई के बीच एक सप्ताह के दौरान की गई है ।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में अनंग पाल, जालम, बालकिशन,रविंद्र कुमार, पवन कुमार, गगन अरोरा, विशाल शर्मा, परवीन परमार, मुकेश शर्मा, साहिल अली, सकलीन ग़ाज़ी, प्रकाश, सुखदेव, राकेश कुमार, संदीप कुमार, हर्ष गोतिया, दीपक, समयक, मनुज, दीपक, अश्मित, मित अग्रवाल, योगेश रावत, रविंद्र सिंह, साजिद अली, गौतम ठुकराल, सूर्यप्रताप सिंह, जीवन कुमार, राहुल, शुभम तोमर, रवि कुमार, महेश सैन, गोपालजी, गोटी हितेश भाई, अनीता कुशवाह, शोभित गौड़, वीरेंद्र सिंह, नसीम, सुनील, अतुल, यितेन्द्रा, दिलखुश मीणा व राजेश बैंसला नाम शामिल है उन्होंने और अधिक जानकारी देते हुए बताया कि आमजन लालचवश अधिक धनराशि प्राप्त करने की चाहत में ठगों के चंगुल में फंस जाता है और बिना सूझबूझ के अपनी पूंजी को निवेश कर ठगी का शिकार हो जाता है। अल्प जानकारी या अज्ञानता भी साइबर ठगी का शिकार बना देती है। फरीदाबाद पुलिस की आमजन से अपील है कि किसी भीअनजान लिंक पर क्लिक न करें, पूर्ण जानकारी के बाद ही आधिकारिक साइट पर निवेश करें, किसी को भी अपनी निजी जानकारी शेयर ना करें और ना ही ओटीपी किसी को बताएं, बैंक कभी भी आपकी गोपनीय जानकारी नहीं लेता है। डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई भी प्रावधान कानून में नहीं है।

साइबर ठगी के मामले में तुरंत 1930 पर कॉल कर शिकायत दर्ज करें तथा ऑनलाइन वेबसाइट www.cyber-crime.gov.in पर भी शिकायत भेजें। जागरूक बने, जागरूकता ही ठगों पर एक मजबूत प्रहार है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 : एचएसवीपी संपदा अधिकारी नवीन कुमार ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

मुजेड़ी, चंदावली, मछ्गर सहित विभिन्न बूथों पर पहुंचकर परखा डिजिटलीकरण कार्य, बीएलओ को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

फरीदाबाद। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत एचएसवीपी संपदा अधिकारी एवं निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) नवीन कुमार ने रविवार को मुजेड़ी, चंदावली, मछ्गर सहित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाता सूची पुनरीक्षण एवं गणना प्रपत्रों के डिजिटलीकरण कार्य की प्रगति का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने बूथ स्तर पर चल रही गतिविधियों का अवलोकन करते हुए बीएलओ से घर-घर संपर्क अभियान, एन्यूमरेशन फॉर्म के वितरण एवं संग्रहण तथा डिजिटलीकरण की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान नवीन कुमार ने प्रत्येक मतदान केंद्र पर बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी घरों तक पहुंच बनाई जा रही है तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम पुनरीक्षण प्रक्रिया से वंचित न रहे। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवार से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित करते हुए गणना प्रपत्र भरवाना, आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन करना तथा प्राप्त सभी एन्यूमरेशन फॉर्म का समयबद्ध डिजिटलीकरण कर पोर्टल पर अपलोड करना सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए प्रत्येक चरण का सावधानीपूर्वक और निर्धारित समय-सीमा में निष्पादन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि जिले की मतदाता सूची पूर्णतः अद्यतन, त्रुटिरहित एवं प्रमाणिक बन सके। निरीक्षण के दौरान नवीन कुमार ने क्षेत्र के नागरिकों से भी संवाद किया तथा उनसे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिन मतदाताओं ने अभी तक अपना एन्यूमरेशन फॉर्म जमा नहीं कराया है, वे अंतिम तिथि की प्रतीक्षा किए बिना शीघ्र अपने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास फॉर्म जमा कराएं। अंतिम दिनों में पोर्टल पर कार्यभार बढ़ने, दस्तावेजों में त्रुटि अथवा अन्य तकनीकी कारणों से अनावश्यक विलंब हो सकता है। समय रहते फॉर्म जमा करने से आवश्यक सुधार भी आसानी से किए जा सकेंगे और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम अद्यतन मतदाता सूची में सही रूप में दर्ज किया जाना सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है। इसमें प्रत्येक पात्र मतदाता की सहभागिता आवश्यक है। नागरिकों के सहयोग से ही जिले की मतदाता सूची अधिक सटीक, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाई जा सकती है।

श्री जगन्नाथ महाप्रभु जी की पावन रथ यात्रा भव्य और शानदार होगी- नित्यानंद राऊत

फरीदाबाद। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री जगन्नाथ सांस्कृतिक केन्द्र सेक्टर-15ए द्वारा निकाली जाने वाली श्री जगन्नाथ महाप्रभु जी की पावन रथ यात्रा की तैयारियां जोर शोर से चल रही है। मंदिर के प्रधान नित्यांनंद राऊत, महासचिव अनिल साहु की टीम इस आयोजन को यादगार और सफल बनाने के लिए दिन रात एक किए हुए है। प्रधान नित्यानंद राऊत ने बताया कि वीरवार 16 जुलाई को शाम 4 बजे सुन्दर और खुशबुदार फूलों से सजी रथ यात्रा मंदिर प्रांगण से पूरे रीति रिवाजों से प्रस्थान करेगी और सेक्टर-17 लेबर चौक के पास जाएगी,जहां वे अपनी मासी के घर पूरे 9 दिन रूकेगें। उसके पश्चात 24 जुलाई को वे वापिस रथ पर मंदिर पहुंचेगी। उन्होनें बताया कि पूरे रास्ते रथ यात्रा की सुरक्षा चांक चोबंद रहेगी और सीसीटी से भी पूरी निगरानी रखी जाएगी। उन्होनें बताया कि श्री जगन्नाथ महाप्रभु जी की पावन रथ यात्रा भव्य और शानदार होगी और इस रथ यात्रा में केन्द्रीय मंत्री,विधायक,प्रशासनिक अधिकारी,उद्योगपति पार्षद और शहर के गणमान्य लोग व भक्त शामिल होकर प्रभु जगन्नाथ के रथ को खीचंकर उनसे आर्शीवाद लेगें।

कैच द रेन अभियान से जुड़कर वर्षा जल संचयन को जन-आंदोलन बनाएं : उपायुक्त

हर बूंद बचाना आज की सबसे बड़ी जरूरत

पलवल। उपायुक्त डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने वर्षा जल संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा संचालित कैच द रेन अभियान के तहत नागरिकों से बारिश की प्रत्येक बूंद को सहेजने का आह्वान किया है। कैच द रेन अभियान के तहत लोगों से अपील की गई है कि वे अपने घरों, आवासीय सोसायटियों, सरकारी एवं निजी संस्थानों तथा कार्यस्थलों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली अपनाएं। साथ ही, उपयुक्त स्थानों पर रिचार्ज पिट एवं ट्रेंच बनाकर वर्षा जल को भूमि में समाहित करने की व्यवस्था करें, जिससे भूजल स्तर में सुधार हो सके। इसके अलावा पारंपरिक जल स्रोतों जैसे बावड़ियों, कुओं और तालाबों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन करने पर भी विशेष बल दिया है। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने मानसून के दौरान अधिकतम जल संचयन सुनिश्चित करने के लिए जलाशयों एवं तालाबों से गाद निकालकर उनकी भंडारण क्षमता बढ़ाने तथा जलग्रहण क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधारोपण कर हरित आवरण विकसित करने की भी अपील की है। उन्होंने जिलावासियों से वर्षा जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा है कि कैच द रेन अभियान के तहत बारिश के पानी की एक-एक बूंद को हमें मिलकर बचाना है। मेरा विशेष आग्रह है कि वर्षा की हर बूंद का संरक्षण करें और जल सुरक्षा को मजबूत बनाएं। उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि यदि प्रत्येक नागरिक वर्षा जल संचयन को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाए, तो भूजल संकट से काफी हद तक राहत मिल सकती है। यह अभियान न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा देगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित जल भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योगों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी कर जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया

14 जुलाई की अंतिम तिथि का इंतजार न करें, समय रहते जमा कराएं एसआईआर एन्यूमरेशन फॉर्म : उपायुक्त आयुष सिन्हा

पात्र मतदाताओं से एसआईआर-2026 अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील

फरीदाबार्द। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने जिले के सभी पात्र मतदाताओं से अपील की है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर)-2026 अभियान के अंतर्गत अपना एन्यूमरेशन फॉर्म 14 जुलाई की अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना शीघ्र भरकर संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा कराएं। उन्होंने कहा कि समय रहते फॉर्म जमा करने से दस्तावेजों की जांच, आवश्यक सुधार एवं डिजिटलीकरण की प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सकेगी तथा अंतिम समय में तकनीकी अथवा अन्य व्यावहारिक कठिनाइयों से बचा जा सकेगा।

उपायुक्त आयुष सिन्हा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान पर संचालित किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारियों के माध्यम से घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं से संपर्क स्थापित किया जा रहा है तथा एन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराने, उन्हें भरवाने और आवश्यक दस्तावेजों के संबंध में मार्गदर्शन देने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक पात्र मतदाता का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अनेक बार अंतिम तिथि के दौरान पोर्टल पर कार्यभार बढ़ने, दस्तावेजों में त्रुटियां मिलने अथवा आवश्यक प्रमाण-पत्रों की कमी जैसी परिस्थितियों के कारण अनावश्यक विलंब की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यदि मतदाता समय रहते अपना एन्यूमरेशन फॉर्म जमा कर देंगे तो संबंधित बीएलओ एवं निर्वाचन अधिकारी दस्तावेजों का सत्यापन कर किसी भी प्रकार की कमी या तकनीकी त्रुटि को समय रहते दूर कर सकेंगे।

इससे फॉर्म के डिजिटलीकरण एवं अपलोड की प्रक्रिया भी निर्धारित समय सीमा के भीतर सुचारू रूप से पूरी की जा सकेगी। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी बूथ लेवल अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि वे प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करें, घर-घर संपर्क अभियान में और तेजी लाएं, नागरिकों को एन्यूमरेशन फॉर्म भरने में सहयोग प्रदान करें तथा प्राप्त सभी गणना प्रपत्रों का समयबद्ध डिजिटलीकरण कर पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं शुद्धता के साथ पालन किया जाए ताकि जिले का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। आयुष सिन्हा ने जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से भी आग्रह किया कि वे अपने बूथ लेवल अभिकर्ताओं (बीएलए-1 एवं बीएलए-2) के माध्यम से मतदाता सूची का सूक्ष्म परीक्षण करें तथा पात्र मतदाताओं के नाम शामिल कराने, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं से संबंधित जानकारी समय पर उपलब्ध कराने में निर्वाचन प्रशासन का सहयोग करें। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आयुष सिन्हा ने जिले के सभी नागरिकों से पुनः अपील करते हुए कहा कि 14 जुलाई की अंतिम तिथि का इंतजार न करें।

अपना एसआईआर एन्यूमरेशन फॉर्म आज ही संबंधित बीएलओ के पास जमा करें, ताकि यदि किसी प्रकार की तकनीकी खामी, दस्तावेज संबंधी कमी अथवा अन्य त्रुटि हो तो उसे समय रहते दूर किया जा सके। समय पर फॉर्म जमा करना प्रत्येक पात्र मतदाता की जिम्मेदारी है और इससे जिले की मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा।

सोतई में प्रस्तावित गार्बेज कलेक्शन एवं रीसाइक्लिंग सेंटर आबादी से दूर बनाने के लिए अन्य विकल्प निकाला जाएगा: केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर

सोतई के ग्रामीणों ने केंद्रीय राज्य मंत्री से की मुलाकात, गांव में गार्बेज सेंटर नहीं बनाने की उठाई मांग

फरीदाबाद। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर से रविवार को उनके कार्यालय में गांव सोतई के ग्रामीणों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर गांव में नगर निगम द्वारा प्रस्तावित गार्बेज कलेक्शन एवं रीसाइक्लिंग सेंटर के संबंध में अपनी आपत्तियां और चिंताएं उनके समक्ष रखीं। ग्रामीणों ने केंद्रीय राज्य मंत्री को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि सोतई में प्रस्तावित गार्बेज कलेक्शन एवं रीसाइक्लिंग सेंटर के प्रस्ताव को निरस्त किया जाए तथा गांव की आबादी के निकट इस प्रकार की परियोजना स्थापित न की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि सोतई तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है और भविष्य में यह दिल्ली-एनसीआर का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बनने जा रहा है। ऐसे में गांव के आसपास गार्बेज कलेक्शन एवं रीसाइक्लिंग सेंटर बनने से क्षेत्र की स्वच्छता, पर्यावरण, विकास और आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने कहा कि वे स्वच्छता और कचरा प्रबंधन व्यवस्था के विरोधी नहीं हैं, बल्कि चाहते हैं कि ऐसी परियोजनाएं आबादी से पर्याप्त दूरी पर स्थापित की जाएं ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। ग्रामीणों की बात ध्यानपूर्वक सुनने के बाद केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि सोतई आने वाले समय में दिल्ली-एनसीआर का एक प्रमुख गेटवे बनने जा रहा है। इस क्षेत्र का सुनियोजित विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शहर की सुंदरता, पर्यावरण और लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए गार्बेज कलेक्शन एवं रीसाइक्लिंग सेंटर जैसी परियोजनाओं के लिए उपयुक्त स्थान का चयन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोतई में प्रस्तावित गार्बेज कलेक्शन एवं रीसाइक्लिंग सेंटर के साथ-साथ फिरोजपुर तथा सेक्टर-56 में संचालित ऐसे केंद्रों को भी आबादी वाले क्षेत्रों से कम से कम पांच किलोमीटर दूर स्थापित किया जाना चाहिए। इसके अलावा इन केंद्रों पर आधुनिक तकनीक के माध्यम से कचरे का नियमित और वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण एवं रीसाइक्लिंग सुनिश्चित की जाए, ताकि कहीं भी कचरे के ढेर जमा न हों और शहर की स्वच्छता एवं सुंदरता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आधुनिक कचरा प्रबंधन आवश्यक है, लेकिन इसके साथ-साथ स्थानीय लोगों की भावनाओं, पर्यावरणीय संतुलन और शहरी विकास की आवश्यकताओं का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्य ऐसे हों जिनसे जनता को सुविधा मिले, न कि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़े। राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने आश्वासन दिया कि उन्होंने सोतई के ग्रामीणों की इस मांग का गंभीरता से संज्ञान लिया है। इस विषय पर संबंधित विभागों एवं जिम्मेदार अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर व्यावहारिक एवं जनहित में समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की भावनाओं का पूरा सम्मान किया जाएगा और ऐसा समाधान तलाशा जाएगा जिससे पर्यावरण संरक्षण, प्रभावी कचरा प्रबंधन तथा आमजन के हित– तीनों का संतुलन बना रहे।

केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने पिंगोड़ गांव में 2 करोड़ 63 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

ग्रामीणों की अधिकांश मांगों को मौके पर दी मंजूरी, सांसद निधि से 10 लाख रुपये देने की घोषणा की

पलवल। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने रविवार को होडल विधानसभा क्षेत्र के गांव पिंगोड़ में लगभग 2 करोड़ 63 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इनमें एचआरडीएफ योजना के तहत लगभग 25 लाख रुपए की लागत से सामुदायिक भवन, लगभग 62 लाख रुपए की लागत से गांव की फिरनी का निर्माण, लगभग 15 लाख रुपए की लागत से बनने वाले रविदास भवन सहित विभिन्न समाजों की चौपालों एवं अन्य जनसुविधाओं से जुड़े विकास कार्य शामिल हैं।

● **सबका साथ-सबका विकास की भावना का प्रतीक है पिंगोड़** - केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि पिंगोड़ गांव सामाजिक समरसता और भाईचारे की मिसाल है, जहां सभी धर्मों एवं समाजों के लोग एक साथ रहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मंत्र की वास्तविक झलक इस गांव में दिखाई देती है। गांव के प्रत्येक समाज के लिए चौपाल, सामुदायिक भवन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास कार्य इसी भावना के साथ कराए जा रहे हैं ताकि कोई भी वर्ग विकास से वंचित न रहे।

● **मोदी सरकार ने गरीब, किसान और आमजन के हितों को दी सर्वोच्च प्राथमिकता** –कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश में अभूतपूर्व विकास कार्य हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के साथ-साथ होडल विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए भी विशेष बजट उपलब्ध कराया है, जिसके कारण गांव-गांव में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाएं संचालित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की सभी योजनाओं का केंद्र बिंदु गरीब, किसान और जरूरतमंद वर्ग है। सरकार द्वारा गरीबों को मुफ्त राशन, आयुष्मान भारत योजना के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा, सस्ती दवाइयां तथा किसानों को सम्मान निधि, फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य एवं प्राकृतिक आपदा की स्थिति में उचित मुआवजा जैसी अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। यही कारण है कि जनता का विश्वास लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के प्रति बढ़ रहा है।

● **ग्रामीणों की अधिकांश मांगों को दी स्वीकृति** –कार्यक्रम में पहुंचने पर केंद्रीय राज्य मंत्री, होडल के विधायक हरेंद्र सिंह तथा अन्य अतिथियों का ग्रामीणों ने फूलमालाएं पहनाकर एवं पगड़ी बांधकर पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत किया। ग्राम पंचायत द्वारा गांव के विकास से संबंधित विभिन्न मांगें केंद्रीय राज्य मंत्री के समक्ष रखी गई। जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि गांव की ओर से जो भी विकास संबंधी मांगें रखी गई हैं, उनमें से अधिकांश मांगों को उन्होंने तत्काल मंजूरी प्रदान कर दी है। उन्होंने कहा कि आईटीआई की स्थापना संबंधी मांग वर्तमान परिस्थितियों में संभव नहीं है, लेकिन शेष सभी विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि सांसद निधि से 10 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि भी गांव के विकास कार्यों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी, जिसका उपयोग ग्राम पंचायत अपनी आवश्यकता के अनुसार कर सकेगी।

● **पिछले डेढ़ वर्ष में पिंगोड़ में हुए करोड़ों रुपये के विकास कार्य : विधायक हरेंद्र सिंह** –कार्यक्रम को संबोधित करते हुए होडल के विधायक हरेंद्र सिंह ने केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर का स्वागत करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से होडल विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। उन्होंने कहा कि कृष्णपाल गुर्जर गरीबों के हितैषी एवं किसानों के सच्चे हमदर्द हैं और सभी वर्गों को साथ लेकर विकास कार्य कर रहे हैं।विधायक ने बताया कि पिछले लगभग 17-18 महीनों के दौरान पिंगोड़ गांव में विभिन्न समाजों की चौपालों, अंबेडकर भवन, रविदास भवन, फिरनी निर्माण, सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य सुविधाओं, टीन शेड तथा अन्य जनसुविधाओं सहित करोड़ों रुपये के विकास कार्य स्वीकृत एवं संचालित किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

18 गलियां जलमग्न, 300 से ज्यादा घरों में घुसा पानी; किराड़ी के सूरत विहार में बाढ़ जैसे हालात

नईदिल्ली, एजेंसी। किराड़ी की शर्मा कालोनी के बाद अब सूरत विहार कालोनी में जलभराव

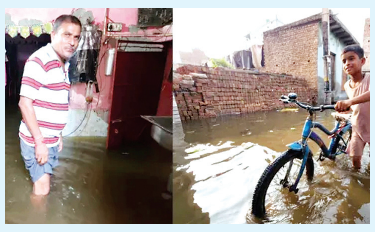

ने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। कालोनी की 23 गलियों में से 18 गलियां जलमग्न हैं, इन गलियों में लगभग 700 मकानों में से 300 से अधिक घरों में एक से तीन फीट तक पानी भरा हुआ है। घर में पानी घुसने के कारण 30-40 परिवार पलायन कर अन्य क्षेत्रों में चले गए। मंगलवार को हुई वर्षा के बाद सूरत विहार पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है। कालोनी की मुख्य सड़कों से लेकर गलियों व घरों तक पानी ही पानी दिखाई दे रहा है। पांच दिनों से कालोनीवासियों का रहना मुश्किल हो चुका है। जलभराव के कारण कालोनी में प्रवेश व निकास के सभी रास्ते बंद हो चुके हैं। स्कूल न जा पाने के कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। जो लोग घरों से निकल रहे है, उन्हें दो से ढाई फीट पानी की बीच से होकर गुजरना पड़ रहा है। कालोनी में जलनिकासी की व्यवस्था पूरी तरह से ठप पड़ी हुई है। जिसके कारण कालोनी में पानी का स्तर कम नहीं हो रहा। लंबे समय से जलभराव के कारण बदबू व मच्छरों की भरमार के कारण बीमारी की खतरा भी बढ़ गई है।

कालोनी नीचे होने के कारण ठप पड़ी जलनिकासी

मुबारकपुर रोड के निर्माण के बाद कालोनी का लेवल लगभग एक फीट से अधिक नीचे होने के कारण जलनिकासी ठप पड़ चुकी है। दूसरी ओर कालोनी के साथ खाली मैदान घरों का पानी निकल जाया करता था। लेकिन डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) के खाली जमीन पर लैंडफिल साइट के कचरे से भराव के दिया गया। ऐसे में कालोनी का पानी निकलने का कोई रास्ता नहीं है। कालोनी की अधिकतर गलियों में पानी भरा है और 50 प्रतिशत घरों में पानी भर गया है। जलनिकासी का कोई साधन नहीं है। गंदे पानी की वजह चर्मरोग फैल रहा है।

एसआईआर अभियान में बीएलओ की बढ़ीं मुश्किलें, लोगों का असहयोग और बारिश पड़ रही भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) अभियान के तहत मतदाता सूची के सत्यापन में लगे बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) इन दिनों कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

घर-घर जाकर मतदाताओं तक गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फार्म) पहुंचाने, दस्तावेजों का सत्यापन करने और फिर उनका डिजिटलीकरण करने के दौरान उन्हें लोगों के असहयोग, बदले हुए पते, जलभराव और समय सीमा के दबाव जैसी परेशानियों से जूझना पड़ रहा है।

सुरक्षित जगह न मिलने से खो रहे फॉर्म

एक बीएलओ ने नाम न उजागर करने पर बताया कि वह पहले थैले में फार्म लेकर प्रत्येक घर तक फार्म पहुंचा रहे है और दोबारा जाकर भरे हुए फार्म भी वापस ले रहे है। क्योंकि उन्हें फार्म रखने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं दी गई है। इस कारण कुछ फार्म खो भी गए है।

ऐसे में उन्हें आनलाइन फार्म भरने की सलाह दे रहे है। दूसरा अधिकतर लोग फार्म गलत भर रहे है और बहस भी कर रहे है। इस समय सभी बीएलओ के लिए सभी दस्तावेजों का डिजिटल माध्यम से अपलोड करना और लोगों को समझाने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहे है। हालांकि, उन्हें यह अतिरिक्त काम नियमित जिम्मेदारियों के साथ करना पड़ रहा है।

वहीं, ओखला में तैनात एक अन्य बीएलओ ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि कई बार लोग फार्म तो ले लेते हैं, लेकिन रसीद पर हस्ताक्षर करने से मना कर देते हैं। समझाने पर भी कुछ लोग असहयोग कर रहे हैं, जिससे अभियान में कठिनाई आ रही है।

मयूर विहार के एक बीएलओ के अनुसार दिन में अधिकांश लोग घर पर नहीं मिलते। ऐसे में एक ही पते पर दो-तीन बार जाना पड़ता है। कई बार लोग सहयोग करने के बजाय नाराजगी जताते हैं, लेकिन हर पात्र मतदाता तक पहुंचना उनकी जिम्मेदारी है। बीएलओ का कहना है कि अनधिकृत कालोनियों और सरकारी आवासों में सबसे अधिक दिक्कत होती है।

हर साल 27 शोधार्थियों का होगा चयन

दिल्ली के इतिहास और विरासत पर शोध के लिए शुरू हुई दो नई फेलोशिप

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के इतिहास और विरासत के वैज्ञानिक अध्ययन, दस्तावेजीकरण और डिजिटलीकरण करने के उद्देश्य से रेखा गुप्ता सरकार 'अभिलेखागार अनुसंधान फेलोशिप' और 'पुरातत्व अनुसंधान फेलोशिप' शुरू कर रही है।

इससे राजधानी के इतिहास को शोध आधारित और प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इन दोनों फेलोशिप को दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है।

हर साल नियुक्त होंगे 15 फेलो: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अभिलेखागार अनुसंधान फेलोशिप का उद्देश्य अभिलेखों पर उच्च स्तरीय शोध को बढ़ावा देना, अभिलेख प्रबंधन को मजबूत बनाना, ऐतिहासिक रिकार्ड के डिजिटलीकरण को प्रोत्साहित करना और ऐतिहासिक महत्व के दस्तावेजों तक लोगों की पहुंच को और आसान बनाना है।

इसके अंतर्गत रिकार्ड प्रबंधन, अभिलेखीय सामग्री के संरक्षण व परिरक्षण, रिकार्ड के डिजिटलीकरण, सूचना व डेटा के प्रसार, माइक्रो-फिल्मिंग एवं रिप्रोग्राफी, शोध एवं प्रकाशन तथा उर्दू और फारसी जैसी भाषाओं से जुड़े विषयों पर कार्य किया जाएगा।

प्रत्येक वर्ष कुल 15 फेलो नियुक्त किए जाएंगे। जूनियर फेलो को प्रतिमाह 25 हजार और सीनियर को

50 हजार रुपये तक फेलोशिप दी जाएगी। इसकी अवधि एक वर्ष की होगी।

पुरातत्व अनुसंधान फेलोशिप का उद्देश्य दिल्ली के समृद्ध पुरातात्विक स्थलों और स्मारकों का अध्ययन, संरक्षण और संवर्धन करना है।

इस योजना के माध्यम से दिल्ली के कम चर्चित ऐतिहासिक स्मारकों के इतिहास, पुरातत्व, वास्तुकला और संरक्षण से जुड़े शोध को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे विरासत संरक्षण के साथ-साथ पर्यटन को भी नई गति मिलेगी।

सिर्फ कोर्स नहीं, सुविधाओं को देखकर चुनें कॉलेज

दिव्यांग छात्रों के लिए खास व्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में दाखिला लेने वाले दिव्यांग (पीडब्ल्यूबीडी) विद्यार्थियों के लिए अब केवल मनपसंद कोर्स या सीट ही नहीं, बल्कि कालेज की सुविधाएं भी भविष्य तय करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

नई शिक्षा नीति के तहत समावेशी शिक्षा पर बढ़ते जोर के बीच विश्वविद्यालय ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए आरक्षण, फीस में छूट, हास्टल सहायता और आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षण संसाधनों की व्यापक व्यवस्था की है।

ऐसे में प्रवेश से पहले कालेज की एक्सेसिबिलिटी और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी लेना विद्यार्थियों के लिए उतना ही जरूरी है, जितना सही कोर्स चुनना।

डीयू की प्रवेश डीन प्रो. हनीत गांधी का कहना है कि छात्रों को केवल कटआफ या कालेज की रैंकिंग देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। उन्हें यह भी देखना चाहिए कि कालेज में रैंप, लिफ्ट, दिव्यांग-अनुकूल शौचालय, रिसोर्स सेंटर, पुस्तकालय, सहायक तकनीक और अकादमिक सहायता जैसी सुविधाएं किस स्तर की हैं।

विश्वविद्यालय का समान अवसर सेल दिव्यांग विद्यार्थियों को डिजिटल स्टडी मैटेरियल, नोट्स, रीडर, स्क्राइब, काउंसलिंग, छात्रवृत्ति संबंधी मार्गदर्शन और परीक्षा में अतिरिक्त समय जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराता है। जरूरत के अनुसार व्यक्तिगत शैक्षणिक सहयोग और सहायक उपकरण भी उपलब्ध कराए जाते हैं। दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधाओं के मामले में लेडी श्रीराम कालेज (एलएसआर) सबसे आगे माना जाता है। यहां स्थित स्वावलंबन रिसोर्स सेंटर में ब्रेल डिस्प्ले, स्क्रीन रीडर साफ्टवेयर, ई-टेक्स्ट, आडियो बुक्स और अन्य आधुनिक सहायक उपकरण उपलब्ध हैं। दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को इन उपकरणों के उपयोग का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। किरोड़ीमल

कालेज ने प्रोजेक्ट समावेश शुरू किया है। इसके तहत स्वयंसेवी छात्र दिव्यांग विद्यार्थियों को कक्षाओं तक पहुंचने, नोट्स उपलब्ध कराने, पुस्तकालय के उपयोग और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों में सहयोग करते हैं। कालेज समय-समय पर समावेशी शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

इसके अलावा मिरांडा हाउस, हिंदू कालेज, हंसराज कालेज, श्री वेंकटेश्वर कालेज, रामजस कालेज, दौलत राम कालेज, शहीद भगत सिंह कालेज और देशबंधु कालेज में रैंप, लिफ्ट, दिव्यांग-अनुकूल शौचालय, व्हीलचेयर, टैक्टाइल पाथ, रेलिंग और आरक्षित पार्किंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अधिकांश कालेजों के पुस्तकालयों में ई-कंटेंट और डिजिटल संसाधन भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। डीयू में यूजी और पीजी के प्रत्येक पाठ्यक्रम में 5 प्रतिशत सीटें पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी के लिए आरक्षित हैं। आधार पर तय होती है। उदाहरण के तौर पर 40 सीटों वाले कोर्स में करीब 2, 60 सीटों में 3, 80 सीटों में 4 और 100 सीटों वाले कोर्स में लगभग 5 सीटें पीडब्ल्यूबीडी विद्यार्थियों के लिए आरक्षित होती हैं। विश्वविद्यालय आर्थिक रूप से भी दिव्यांग छात्रों को बड़ी राहत देता है। उन्हें कुल फीस में 75 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। कई पाठ्यक्रमों में ट्यूशन फीस, परीक्षा शुल्क और अन्य विश्वविद्यालय शुल्क माफ कर दिए जाते हैं। सामान्य तौर पर छात्रों को केवल प्रवेश शुल्क, डीयूएसयू शुल्क और पहचान पत्र शुल्क का भुगतान करना होता है।

एक जुलाई से शुरू हो चुके हैं आवेदन

बैंकिंग में एआई और क्वांटम टेक्नोलॉजी को बढ़ावा, आईआईटी दिल्ली-नेटवेस्ट ने शुरू किया प्रोग्राम

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाले वर्षों में बैंकिंग की तस्वीर केवल मोबाइल ऐप, एटीएम या आनलाइन लेनदेन से नहीं बदलेगी, बल्कि इसकी नई दिशा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), क्वांटम कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा और स्टार्टअप आधारित नवाचार तय करेंगे।

इसी सोच को साकार करने के लिए नेटकवेस्ट ग्रुप और आइआइटी दिल्ली के फाउंडेशन फार इनोवेशन एंड टेक्नोलाजी ट्रांसफर (फिट) ने नेटकवेस्ट फिनटेक फ्रंटियर प्रोग्राम (एनएफएफपी) की शुरुआत की है।

इस पहल का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में हो रहे शोध को सीधे बैंकिंग उद्योग की जरूरतों से जोड़ते हुए प्रयोगशाला से बाजार तक पहुंचाना है।

भारत और ब्रिटेन के बीच मजबूत होगा तकनीकी सहयोग- शनिवार को आइआइटी दिल्ली में अनावरण किए गए इस कार्यक्रम के तहत संस्थान के शोधकर्ता, फैकल्टी और स्टार्टअप्स नेटकवेस्ट ग्रुप की वास्तविक बैंकिंग चुनौतियों पर काम करेंगे। एआइ, डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा, डिजिटल ट्रस्ट और क्वांटम तकनीक जैसे क्षेत्रों में ऐसे समाधान विकसित किए जाएंगे, जिन्हें सीधे बैंकिंग सेवाओं में लागू किया जा सके। कार्यक्रम भारत और ब्रिटेन के बीच तकनीकी सहयोग को भी नई मजबूती देगा। कार्यक्रम दो प्रमुख ट्रैक में संचालित होगा। रिसर्च ट्रांसलेशन ट्रैक के तहत आइआइटी दिल्ली के शोध समूह बैंकिंग क्षेत्र की वास्तविक समस्याओं और डेटा पर शोध करेंगे। वहीं स्टार्टअप इनोवेशन ट्रैक के माध्यम से टेक्नोलाजी रेडीनेस लेवल (टीआरएल) 8 वाले स्टार्टअप्स को अपने उत्पादों का परीक्षण, पायलट प्रोजेक्ट और व्यावसायिक विस्तार का अवसर मिलेगा। सफल नवाचारों को पेटेंट के

साथ ब्रिटेन के बैंकिंग बाजार तक पहुंचाने में भी सहयोग दिया जाएगा। नेटकवेस्ट ग्रुप की कंट्री हेड (भारत) और सीओओ रुचिका पनेसर ने कहा कि भविष्य की बैंकिंग मजबूत इनोवेशन इकोसिस्टम पर आधारित होगी, जहां उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षण संस्थान मिलकर वास्तविक समस्याओं के समाधान तैयार करेंगे। वहीं आइआइटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने कहा कि यह साझेदारी संस्थान की शोध क्षमता को वैश्विक बैंकिंग उद्योग की जरूरतों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। इससे भारतीय स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी तकनीक प्रदर्शित करने और वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम के पहले बैच के लिए आवेदन एक जुलाई से शुरू हो चुके हैं। रंगन बनर्जी का कहना है कि यह पहल न केवल बैंकिंग क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को नई गति देगी, बल्कि भारत को वैश्विक फिनटेक अनुसंधान और समाधान विकसित करने के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

यमुना सफाई में जनता की होगी भागीदारी, दिल्ली में डीडीए शुरू करेगा 'यमुना संवाद'

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना की सफाई में आम नागरिकों को भागीदार बनाने पर बल दिया जा रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली विकास प्राधिकरण यमुना संवाद कार्यक्रम के माध्यम से दिल्लीवासियों और विशेषज्ञों का सुझाव लेगा। इसकी तैयारी शुरू हो गई है। यमुना संवाद शुरू करने से पहले कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस वर्ष सितंबर और अगले वर्ष जनवरी में यमुना संवाद के अंतर्गत महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे, जिसमें व्यापक विचार-विमर्श कर रोडमैप को अंतिम रूप दिया जाएगा। वहीं, इसकी तैयारी के लिए कार्यशाला आयोजित की जा रही है। पहली कार्यशाला में सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधि, पर्यावरण विशेषज्ञ, विज्ञानिक, शहरी नियोजक, लैंडस्केप आर्किटेक्ट, तकनीकी संस्थानों और अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने बाढ़ के मैदान के अनुकूल योजना और घाटों के विकास पर चर्चा की। इस तरह के आधारभूत ढांचा के निर्माण पर बल दिया गया जो प्राकृतिक बाढ़ चक्र से तालमेल बिठा सकें। साथ ही पर्यावरण के अनुकूल घाट निर्माण पर बल दिया। जल्द ही प्रकृति-आधारित

समाधान, जल गुणवत्ता और जल निकासी, वित्तपोषण माडल और शासन जैसे विषयों पर दो और हितधारक कार्यशालाएं आयोजित होंगी। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू यमुना बाढ़ क्षेत्रों का दौरा करने के बाद डीडीए अधिकारियों के साथ बैठक कर दिल्ली के निवासियों को विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के साथ नदी के कायाकल्प में सक्रिय रूप से भागीदार बनाने का निर्देश दिया था। उपराज्यपाल का कहना है कि नदी के बाढ़ क्षेत्र आम लोगों के लिए सुलभ हैं। उनकी मदद से ही इसका जीर्णोद्धार एवं प्रभावी रखरखाव हो सकता है। इसके बाद डीडीए ने यमुना संवाद की रूपरेखा तैयार की है ताकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों और संस्थानों को एक साथ लाकर नदी जीर्णोद्धार और इसके तट के विकास में वैश्विक और देश की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जा सके।

दिल्ली में फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी से 16.50 लाख की लूट, पिस्तौल दिखाकर छीना नकदी से भरा बैग

लूट के विरोध पर तानी पिस्तौल, सीसीटीवी फुटेज हो रही प्रसारित

नईदिल्ली, एजेंसी। गांधी नगर थानाक्षेत्र की राजगढ़ कालोनी में शुक्रवार शाम स्कूटी सवार दो बदमाशों ने पिस्तौल के बल पर फाइनेंस कंपनी कर्मचारी से 16.50 लाख रुपये की लूट को अंजाम दे दिया। बदमाश कंपनी आफिस के गेट पर ही नकदी से भरा बैग छीनकर फरार हो गए।

सूचना मिलने पर गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। वारदात की सीसीटीवी फुटेज प्रसारित हो रही है जिसमें बदमाश स्कूटी से आते और पिस्तौल तानकर लूट करते दिखाई दे रहे हैं।

संदीप दुआ राजगढ़ में एसडी एंटरप्राइजेज के नाम से फाइनेंस कंपनी चलाते हैं। उनका कर्मचारी आशीष सरीन विभिन्न स्थानों से कलेक्शन कर शुक्रवार शाम को कंपनी आफिस पहुंचा था।

वह बाइक से उतरा ही था कि पीछे से एक स्कूटी पर दो बदमाश आए और उसका बैग लूटने का प्रयास करने लगे। उसने विरोध किया तो हेलमेट लगाए लुटेरे ने

पिस्तौल आशीष पर तान दी। घबराकर आशीष ने बैग छोड़ दिया।

इसके बाद बदमाश स्कूटी पर बैठकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास मौजूद लोगों से पूछताछ की और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज अपने कब्जे में लेकर आरोपितों की पहचान का प्रयास शुरू कर दिया है। डीसीपी शाहदरा आरपी मीणा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर लुटेरों की तलाश की जा रही है। वारदात में किसी जानकार का हाथ हो सकता है। इसके अलावा बदमाशों ने आशीष की रेकी की थी या नहीं यह भी देखा जा रहा है। जल्द ही आरोपितों को पकड़ लिया जाएगा। घटना की सीसीटीवी फुटेज भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि शाम चार बजकर नौ मिनट पर जैसे ही आशीष अपने आफिस पहुंचे पीछे से लाल स्कूटी पर आए बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर लूट को अंजाम दिया।

न्यायालय श्रीमान मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जनपद-एटा

एम0ए0सी0 नं0-316 सन 2018

श्री राजेश कुमार उम्र लगभग 57 साल पुत्र श्री मेवाराम निवासी खैरपुरा, परगना आजमनगर, तहसील अलीगंज, जिला एटा ।

बनाम

1. उत्तर प्रदेश राज्य सडक़ परिवहन निगम टेड़ी कोठी लखनऊ द्वारा डिपो इंचार्ज उ0प्र0 राज्य सडक़ परिवहन निगम एटा ।
2. पुष्पेन्द्र सिंह उम्र लगभग 42 साल पुत्र श्री दयाराम निवासी मुरहर्रा शमशाबाद जिला फर्रुखाबाद ड्राइवर रोडवेज ।
3. मेसर्स गर्ग रोड लाइन्स गुड कैरियर 6/2016, म0नं0 3208/46 ग्राम एवं पोस्ट झरसा, जनपद गुड़ग्राम गांव हरियाणा-122001 मालिक ट्रक (प्रकाशन के माध्यम से तामील होनी है)

हरगाह/वादीगण ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 20.07.2026 वक्त 10 बजे असलातन या मार्फत वकील के जो हालात मुकदमा से वाकिफ किया गया हो जो ऐसे सवालों का जवाब दे सके कुल मुकदमा का जवाब दे सके या उसके साथ कोई शख्स हो तो ऐसे सवालों का जवाब दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा को करे और आपको लाजिम है कि जुमला दस्तावेज का आप उसी रोज पेश करें जिन पर कि जवाबदेही के दस्तावेज पेश करना चाहते हो आपको इत्तला दी जाती है कि अगर व रोज मशकूर न हो तो आपकी गैर हाजिरी में और फैसला होगा।

व शख्स मेरे और मुहर अदालत से आज व तारीख 15 माह 06 सन 2026 ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से
यशोधरेन्द्र चन्द्र जैन
मुंसरिम/रीडर
न्यायालय एम. ए. सी. टी, एटा ।

न्यायालय श्रीमान मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जनपद-एटा

एम0ए0सी0टी0 नं0-315 सन 2018

1. श्रीमती रेखा देवी उम्र लगभग 45 साल पत्नी स्व0 श्री बृजेश कुमार शाक्य
2. कुमारी सान्या उम्र लगभग 15 साल
3. कुमारी रौनक उम्र लगभग 13 साल नाबालिग पुत्रियाँ व संरक्षिका माता हकीकी रेखा देवी
4. मास्टर हनी सिंह उम्र लगभग 11 साल नाबालिग पुत्र
5. श्री मेवाराम उम्र लगभग 82 साल पुत्र श्री कोमिल सिंह (पिता)
6. श्रीमती चम्पा देवी उम्र लगभग 77 साल पत्नी श्री मेवाराम (माता) समस्त निवासीगण ग्राम खैरपुरा, परगना आजमनगर, तहसील अलीगंज, जिला एटा ।

बनाम

1. उत्तर प्रदेश राज्य सडक़ परिवहन निगम टेड़ी कोठी लखनऊ द्वारा डिपो इंचार्ज उ0प्र0 राज्य सडक़ परिवहन निगम एटा ।
2. पुष्पेन्द्र सिंह उम्र लगभग 42 साल पुत्र श्री दयाराम निवासी मुरहर्रा शमशाबाद जिला फर्रुखाबाद ड्राइवर रोडवेज।
3. मेसर्स गर्ग रोड लाइन्स गुड कैरियर 6/2016, मकान नं0 3208/46 ग्राम एवं पोस्ट झरसा, जनपद गुड़ग्राम हरियाणा-122001 मालिक ट्रक (प्रकाशन के माध्यम से तामील होनी है)

हरगाह/वादीगण ने आपके नाम एक नालिश बाबत के दायर की है । लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है कि आप तारीख 20.07.2026 वक्त 10 बजे अदालतन या मार्फत वकील के जो हालत मुकदमा से वाकई वाकिफ किया गया हो जो ऐसे सवालों का जवाब दे सके कुल मुकदमा का जवाब दे सके या उसके साथ कोई शख्स हो तो ऐसे सवालों का जवाब दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा को करे और आपको नोटिस है कि जुमला दस्तावेजों का आप उसी रोज पेश करें जिन पर कि जवाबदेही के दस्तावेज पेश करना चाहते हों । आपको इत्तला दी जाती है कि अगर ये रोज मशकूर न हों तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में और फैसला होगा ।

व सख्स मेरे और मुहर अदालत से आज व तारीख 15 माह 06 सन 2026 ई0 को जारी किया गया ।

आज्ञा से
यशोधरेन्द्र चन्द्र जैन
मुंसरिम/रीडर
न्यायालय एम. ए. सी. टी, एटा ।

संपादकीय

पहली ही बारिश में थम गई दिल्ली, आखिर हर साल क्यों दोहराती है वही कहानी?

सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है।दिल्ली की एक प्रमुख सड़क पर भारी बारिश के बाद घुटनों तक जलभराव है। सड़क पर कारें, बसें, ऑटो-रिक्शा और मोटरसाइकिलें ट्रैफिक में फंसी हैं, जबकि एक व्यक्ति छाता लेकर पानी के बीच से गुजर रहा है। पृष्ठभूमि में आधुनिक इमारतें, ओवरपास, घने काले बादल और बारिश के बीच चमकती इमरजेंसी लाइटें दिखाई दे रही हैं। दिल्ली में मूसलाधार बारिश के बाद जलभराव से प्रमुख सड़कें डूबीं। राजधानी की मानसूनी चुनौतियों को दर्शाते हुए घुटनों तक पानी में फंसे वाहन और आवागमन के लिए जूझते लोग। राष्ट्रीय राजधानी होने के नाते अमूमन यह माना जाता है कि दिल्ली में समूची व्यवस्था अन्य शहरों के मुकाबले ज्यादा बेहतर होगी। सरकार और स्थानीय प्रशासन के दावों में भी यही झलकता है, लेकिन चिंता की बात यह है कि जब हकीकत सामने आती है, तब भी उसमें सुधार सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहता है।इसका एक प्रमुख उदाहरण है बारिश के दिनों में दिल्ली की रफ्तार थम जाना। हर साल राजधानी के बाशिंदों को जलभराव और यातायात अवरुद्ध हो जाने की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। दिल्ली में समग्र विकास के आश्वासनों के साथ सत्ता परिवर्तन जरूर हुआ है, लेकिन समस्याओं का संजाल अभी भी कमोबेश वैसा ही बना हुआ है।यही वजह है कि बीते गुरुवार को मानसून की पहली तेज बारिश में ही कई जगह सड़कें तालाब बन गईं, यातायात ठप हो गया और लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ी। सवाल है कि बरसात से पहले संबंधित महकमों की ओर से जिन पूर्व तैयारियों का भरोसा दिलाया जाता है, वे समय आने पर कहां गायब हो जाती हैं!कहने को राष्ट्रीय राजधानी में हर साल मानसून के आगमन से काफी पहले समस्याओं से निपटने की औपचारिक तैयारी शुरू हो जाती है। इसके तहत मुख्य रूप से छोटे-बड़े नालों और सड़क किनारे जलनिकासी के लिए बनी नालियों की सफाई करनी होती है। मगर इन तैयारियों का अधिकांश कार्य कागजों तक ही सीमित रहता है। जाहिर है कि सरकार का जोर व्यवस्था को सुधारने पर कम और दावों पर ज्यादा रहता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सियासत भी खूब होती है।इस बार भी सत्ता पक्ष की ओर से दावा किया जा रहा है कि पिछली सरकार के कार्यकाल के मुकाबले जलभराव का संकट काफी कम हुआ है। वहीं, विपक्ष का कहना है कि दो-तीन चिह्नित स्थलों को छोड़कर बाकी जगह का हाल जस का तस बना हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार तुलनात्मक सुधार का हवाला देकर अपनी पीठ थपथपाने के बजाय समस्या की गंभीरता पर ध्यान केंद्रित करे और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए, ताकि लोगों को बारिश में किसी तरह की परेशानी न झेलनी पड़े।

क्षेत्रीय सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि महुआ के पुराने पेड़ तो अब भी दिख जाते हैं, लेकिन नए पौधे लगभग नदारद हैं। अनेक क्षेत्रों में मौजूद ये परिप[वृक्ष अपनी प्राकृतिक आयु के अंतिम चरणों में पहुंच चुके हैं, जबकि उनका प्राकृतिक पुनरुत्पादन सीमित रह गया है। कई बीजारोपण सफल नहीं हो पाते और लंबी शुष्क अवधियों, भूमि-विघटन, अत्यधिक चराई तथा मिट्टी के सख्त होने के कारण पौधे मुरझा जाते हैं। यहां तक कि फूल बीनने के दौरान साफ-सफाई के लिए लगाई गई मौसमी आग भी, यदि नियंत्रित न हो, तो बीजों के फैलाव और नए पौधों के स्थापित होने में बाधा बनती है। परिणामस्वरूप, पुराने महुआ वृक्ष तो अब भी घने छत्रों के साथ खड़े दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी जगह लेने वाली नई पीढ़ी पर्याप्त संख्या में विकसित नहीं हो पा रही। महुआ एक कठोर प्रजाति का वृक्ष है, जो गर्मी और सूखे का सामना कर सकती है, लेकिन अब वर्षा में जो बदलाव आ रहे हैं, वे इस पर भारी पड़ रहे हैं। ग्रामीणों का अनुभव है कि महुआ के फूलों का मौसम अब पहले जैसा अनुमानित नहीं रहा।

जंगलों से गुम होती महुआ की विरासत, बदलती खेती और सड़क चौड़ीकरण ने बढ़ाई चिंता

(आदित्य कुमार यादव)

गर्मी की शुरुआत में जब खेतों में काम कम हो जाता है, तब महुआ के फूल आजीविका का सहारा बनते हैं। सुबह-सुबह कई महिलाएं और बुजुर्ग टोकरियां लेकर इन फूलों को बीनने निकलते हैं। मध्य भारत के जंगलों में पिछले कई वर्षों के अनुभव बताते हैं कि महुआ के वृक्ष धीरे-धीरे बदल रहे हैं, लेकिन यह बदलाव अक्सर आँकड़ों और दस्तावेजों से ओझल रह जाता है। वन से जुड़े विशेषज्ञ गाजीपुर, बलिया और जौनपुर जैसे जिलों में इसे बारीकी से महसूस करते रहे हैं। गांवों की अर्थव्यवस्था में महुआ सिर्फ एक वृक्ष नहीं, बल्कि एक जीवनरेखा है, खासकर उन परिवारों के लिए जो जंगलों पर निर्भर हैं।

गर्मी की शुरुआत में जब खेतों में काम कम हो जाता है, तब महुआ के फूल आजीविका का सहारा बनते हैं। सुबह-सुबह कई महिलाएं और बुजुर्ग टोकरियां लेकर इन फूलों को बीनने निकलते हैं। इसके बीजों से निकलने वाला तेल रसोई और औषधि का हिस्सा होता है, जबकि महुआ के पेड़ की घनी छांव पशुओं के लिए आराम की जगह बनाती है, लेकिन अब यह मौसमी दृश्य धीरे-धीरे कम होता दिख रहा है।

महुआ केवल एक वन वृक्ष नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और शुष्क वन पारिस्थितिकी का आधार है। इसके फूल भोजन, पेय और पशु चारे के रूप में उपयोग होते हैं, जबकि बीजों से निकला तेल खाद्य, औषधीय और घरेलू उपयोग में आता है। इसकी पत्तियां पारंपरिक पत्तल-दोने बनाने में काम आती हैं और घनी पत्तियां गर्मी में पशुओं तथा वन्यजीवों को छाया प्रदान करती हैं। कृषि के सुस्त मौसम में इसके फूल मधुमक्खियों जैसे परागणकों के लिए भी भोजन के महत्त्वपूर्ण स्रोत होते हैं।

महुआ की अहमियत केवल इसके प्रत्यक्ष उपयोगों तक सीमित नहीं है। यह शुष्क वनों की पारिस्थितिकी, स्थानीय जैव विविधता और वन-आधारित आजीविका का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है। अनेक आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के लिए यह केवल आय का स्रोत नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपराओं, स्थानीय ज्ञान और खाद्य सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ वृक्ष है। इसलिए महुआ का संरक्षण केवल एक प्रजाति को बचाने का प्रयास नहीं, बल्कि उससे जुड़े पूरे सामाजिक और पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने का सवाल है।

क्षेत्रीय सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि महुआ के पुराने पेड़ तो अब भी दिख जाते हैं, लेकिन नए पौधे लगभग नदारद हैं। अनेक क्षेत्रों में मौजूद ये परिपक्व वृक्ष अपनी प्राकृतिक आयु के अंतिम चरणों में पहुंच चुके हैं, जबकि उनका प्राकृतिक पुनरुत्पादन सीमित रह गया है। कई बीजारोपण सफल नहीं हो पाते और लंबी शुष्क अवधियों, भूमि-विघटन, अत्यधिक चराई तथा मिट्टी के सख्त होने के कारण पौधे मुरझा जाते हैं। यहां तक कि फूल बीनने के दौरान साफ-सफाई के लिए लगाई गई मौसमी आग भी, यदि नियंत्रित न हो, तो बीजों के फैलाव और नए पौधों के स्थापित होने में बाधा बनती है। परिणामस्वरूप, पुराने महुआ वृक्ष तो अब भी घने छत्रों के साथ खड़े दिखाई देते हैं, लेकिन उनकी जगह लेने वाली नई पीढ़ी पर्याप्त संख्या में विकसित नहीं हो पा रही।

महुआ एक कठोर प्रजाति का वृक्ष है, जो गर्मी और सूखे का सामना कर सकती है, लेकिन अब वर्षा में जो बदलाव आ रहे हैं, वे इस पर भारी पड़ रहे हैं। ग्रामीणों का अनुभव है कि महुआ के फूलों का मौसम अब पहले जैसा अनुमानित नहीं रहा। देरी से पड़ने वाली सर्दियों की बारिश और लंबी सूखा अवधियों ने फूलों को या तो कम कर दिया है या फिर उनके खिलने का समय ही बदल गया है। नतीजतन, फूल बीनने वाले परिवारों के लिए यह मौसम पहले जितना भरोसेमंद नहीं रह गया है।

यह दबाव केवल जंगलों तक सीमित नहीं है। 'नेचर सस्टेनेबिलिटी' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, भारत के कृषि परिदृश्यों में बिखरे हुए बड़े पेड़ों में गिरावट दर्ज की गई है। अध्ययन में पाया गया कि वर्ष 2010-11 में मौजूद बड़े कृषि-वृक्षों में लगभग 11.2 प्रतिशत वृक्ष 2018 तक गायब हो चुके थे। इसके बाद 2018 से 2022 के बीच 50 लाख से अधिक बड़े वृक्ष और लुप्त हो गए। इसे शोधकर्ताओं ने बदलती कृषि पद्धतियों से जोड़कर देखा है। ग्रामीण विकास के तहत सड़कों के चौड़ीकरण के दौरान महुआ के सैकड़ों पुराने पेड़ उखाड़ दिए गए, जो दशकों से ग्रामीण सड़कों की शोभा बढ़ा रहे थे।

इससे भी चिंताजनक सांस्कृतिक अंतराल है। एक समय था जब गांव के चौपालों, चरागाहों और खेतों की मेड़ों पर महुआ के पेड़ दिखाई देते थे। इसकी पत्तियों से पत्तल बनाई जाती थी, जो सामुदायिक भोज और शादियों का अभिन्न हिस्सा थीं। मगर अब प्लास्टिक की प्लेटों ने पत्तलों की जगह ले ली है, जिससे एक ओर आजीविका प्रभावित हुई है, तो दूसरी ओर महुआ की सांस्कृतिक पहचान भी फीकी पड़ गई है। बुजुर्ग अब भी याद करते हैं कि कैसे एक पीढ़ी पहले खेतों के किनारे महुआ के वृक्षों की कतारें होती थीं, जो अब नजर नहीं आतीं।

कुछ राज्यों में संगठित खरीद और मूल्य-वर्धन योजनाओं से महुआ संग्रह करने वालों को लाभ तो हुआ है, लेकिन प्रसंस्करण और बाजार तक सीमित पहुंच के कारण इसकी आर्थिक क्षमता का पूरा लाभ स्थानीय समुदायों तक नहीं पहुंच पाया है। क्षेत्रीय अनुभव बताते हैं कि बहुत से सरल उपाय महुआ के संरक्षण में मदद कर सकते हैं। उन क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, जहां यह प्रजाति आम है, साथ ही पेड़ों की आयु संरचना और बीजों की जीवित रहने की दर पर नजर रखना आवश्यक है। गांव के स्तर पर फूल बीनने के मौसम में जमीन पर आग लगाने पर नियंत्रण जरूरी है। इससे विशेष रूप से मानसून के शुरुआती महीनों में, जब नए पौधे निकलते हैं, तब इनके जीवित रहने की दर में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

सबसे अहम है सामुदायिक भागीदारी। जब लोगों को समझाया जाता है कि पौधों की रक्षा करना क्यों जरूरी है, तो वे इसे अपना लेते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से आज के पौधरोपण अभियानों में अक्सर तेजी से बढ़ने वाली या फल देने वाली प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाती है। महुआ के पौधे शायद ही मांगे जाते हैं, जिससे स्थानीय नर्सरियों में इनकी उपलब्धता न के बराबर हो जाती है। दो मत नहीं कि सरकारी नर्सरियों में महुआ को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। महुआ के क्षरण के पीछे कोई एक कारण जिम्मेदार नहीं है। जलवायु परिवर्तन से फूल आने के समय में बदलाव, अत्यधिक चराई, अनियंत्रित मौसमी आग, भूमि-विघटन, सड़क चौड़ीकरण, कृषि पद्धतियों में परिवर्तन तथा महुआ पौधों के सीमित रोपण जैसे अनेक कारक मिलकर इसकी नई पीढ़ी को कमजोर कर रहे हैं। सहायक प्राकृतिक पुनरुद्धार, क्षीण हिस्सों में संवर्धन रोपण और कृषि-वानिकी प्रणालियों में महुआ को शामिल करने से मौजूदा पेड़ों पर दबाव कम किया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में सौ वर्ष से अधिक पुराने विरासत वृक्षों के रखरखाव की जो पहल शुरू हुई है, वह वास्तव में महुआ संरक्षण के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण है। पारिस्थितिकीय गिरावट कभी नाटकीय रूप से नहीं होती। पेड़ अचानक नहीं मिटते। वे धीरे-धीरे ढल जाते हैं, जब उनकी अगली पीढ़ी लड़खड़ाने लगती है। इसलिए महुआ के भविष्य की सुरक्षा न केवल एक पारिस्थितिकीय चुनौती है, बल्कि आजीविका का सवाल भी है। यदि समय रहते निगरानी, सामुदायिक सहयोग और संस्थागत समर्थन मिल जाए, तो यह अनमोल वृक्ष भारत के सूखे जंगलों में फिर से पनप सकता है।

रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉलों पर पसरा सन्नाटाः क्या इंटरनेट युग ने छीन ली पढ़ने की संस्कृति?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारतीय रेलवे स्टेशन केवल यात्रियों के आवागमन के केंद्र नहीं रहे हैं, बल्कि वे लंबे समय तक देश की सांस्कृतिक और बौद्धिक चेतना के भी प्रतीक रहे हैं। किसी भी बड़े या छोटे रेलवे स्टेशन पर प्रवेश करते ही व्हीलर जैसे बुक स्टॉल यात्रियों का ध्यान आकर्षित करते थे। यात्रा शुरू होने से पहले अखबार खरीदना, कोई पत्रिका चुनना या रास्ते के लिए उपन्यास लेना एक सामान्य आदत थी। रेल यात्रा और पुस्तकें मानो एक-दूसरे की पूरक थीं। लेकिन आज वही बुक स्टॉल सन्नाटे में डूबे दिखाई देते हैं। जिन स्थानों पर कभी पुस्तकों और पत्रिकाओं के खरीदारों की भीड़ लगी रहती थी, वहाँ अब गिने-चुने ग्राहक ही दिखाई देते हैं। अनेक स्टॉलों पर पुस्तकों की जगह पानी की बोतलें, बिस्कुट, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक और अन्य खाद्य पदार्थों ने ले ली है। यह दृश्य केवल बाजार के बदलते स्वरूप का नहीं, बल्कि समाज की बदलती पठन संस्कृति का भी संकेत है। पिछले दो दशकों में तकनीक ने मनुष्य के जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। स्मार्टफोन, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने सूचना तक पहुँच को आसान, तेज और सुलभ बना दिया है। आज दुनिया की लगभग हर जानकारी कुछ सेकंड में मोबाइल स्क्रीन पर उपलब्ध हो जाती है। समाचार, पुस्तकें, शोध-पत्र, पत्रिकाएँ, वीडियो, पॉडकास्ट और ऑडियोबुक–सब कुछ एक ही उपकरण में समाहित हो गया है। यह तकनीकी क्रांति निस्संदेह मानव सभ्यता की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। लेकिन इसके साथ एक बड़ा प्रश्न भी जुड़ा है कि क्या इस डिजिटल सुविधा ने मुद्रित पुस्तकों और पत्रिकाओं की आवश्यकता को कम कर दिया है? रेलवे स्टेशनों के सूने पड़े बुक स्टॉल इस प्रश्न को और अधिक प्रासंगिक बना देते हैं।

एक समय था जब धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान, कादम्बिनी, सारिका, नवनीत, रविवार, हंस, सरिता, मुक्ता, गृहशोभा, वनिता, मेरी सहेली, प्रतियोगिता दर्पण, चंदामामा, मधु मुस्कान, मायापुरी, मनोहर कहानियाँ, रीडर्स डाइजेस्ट, इंडिया टुडे और आउटलुक जैसी पत्रिकाओं की नई प्रतियों का पाठकों को बेसब्री से इंतजार रहता था। रेलवे स्टेशनों के बुक स्टॉल इन पत्रिकाओं के सबसे बड़े बिक्री केंद्र होते थे। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले लाखों यात्री अपनी रुचि के अनुसार पत्रिकाएँ खरीदते थे। बच्चों के लिए कॉमिक्स, युवाओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की सामग्री, महिलाओं के लिए गृह और परिवार से जुड़ी पत्रिकाएँ तथा साहित्य प्रेमियों के लिए उपन्यास और कहानी संग्रह आसानी से उपलब्ध रहते थे। यह केवल व्यापार नहीं था, बल्कि पढ़ने की एक जीवंत संस्कृति थी।

आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। अनेक प्रतिष्ठित पत्रिकाएँ बंद हो चुकी हैं। कई पत्रिकाओं का प्रकाशन सीमित हो गया है। जिनका प्रकाशन जारी भी है, उनकी प्रतियाँ पहले की तुलना में बहुत कम छपती हैं। पुस्तक विक्रेताओं का कहना है कि अब यात्रियों की पहली पसंद पुस्तक नहीं, बल्कि मोबाइल फोन है। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर प्रतीक्षा कर रहे अधिकांश लोग किताबों की अलमारी की ओर देखने के बजाय अपने मोबाइल की स्क्रीन में व्यस्त दिखाई देते हैं। इस परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण इंटरनेट को माना जाता है। इंटरनेट ने ज्ञान और सूचना को लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले किसी विषय पर जानकारी प्राप्त करने के लिए पुस्तकालय जाना पड़ता था या पुस्तक खरीदनी पड़ती थी। आज वही जानकारी मुफ्त में ऑनलाइन उपलब्ध है। हजारों पुस्तकें पीडीएफ रूप में उपलब्ध हैं। किंडल और अन्य ई-बुक प्लेटफॉर्म ने पुस्तक पढ़ने के तरीके को बदल दिया है। ऑडियोबुक ने उन लोगों के लिए भी पढ़ने का विकल्प उपलब्ध कराया है जिनके पास समय कम है। इस दृष्टि से देखा जाए तो पढ़ने की आदत समाप्त नहीं हुई, बल्कि उसका माध्यम बदल गया है।

लेकिन यह आधा सच है। वास्तविक चिंता पढ़ने के माध्यम से अधिक पढ़ने की प्रवृत्ति को लेकर है। डिजिटल माध्यम पर उपलब्ध अधिकांश सामग्री त्वरित उपभोग के लिए तैयार की जाती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता का ध्यान अधिक समय तक किसी एक विषय पर टिकने नहीं देते। रील्स, शॉर्ट वीडियो और छोटे-छोटे पोस्ट लोगों को लगातार एक सामग्री से दूसरी सामग्री की ओर ले जाते रहते हैं। परिणामस्वरूप गहन अध्ययन, चिंतन और विश्लेषण की प्रवृत्ति कमजोर पड़ती जा रही है।

मनोवैज्ञानिक भी मानते हैं कि लगातार बदलती डिजिटल सामग्री मनुष्य की एकाग्रता को प्रभावित करती है। पहले लोग एक उपन्यास या पुस्तक को कई दिनों तक पढ़ते थे। अब कुछ मिनटों से अधिक समय तक एक ही विषय पर ध्यान केंद्रित करना कठिन होता जा रहा है। सूचना की मात्रा बढ़ी है, लेकिन ज्ञान की गहराई कम होती दिखाई देती है। यही कारण है कि पढ़ने और देखने के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। वीडियो देखना और पुस्तक पढ़ना दो अलग-अलग मानसिक प्रक्रियाएँ हैं।

3 देशों से भारत के लिए आखिर क्या लाए मोदी?

(नीरज कुमार दुबे)

मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि करीब 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक माओरी रीति से स्वागत किया गया और उसके बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ लंबी बातचीत हुई। करीब एक सप्ताह के विदेश दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब स्वदेश लौट रहे हैं तो ऐसा नहीं लगता कि वह केवल तीन देशों की यात्रा पूरी करके लौटे हैं, बल्कि ऐसा लगता है कि वह दुनिया के सामने नए भारत की ताकत, उसकी बढ़ती हैसियत और उसके उज्ज्वल भविष्य का दमदार परिचय देकर लौटे हैं। हम आपको बता दें कि इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा के दौरान मोदी ने तीनों देशों के साथ रक्षा, व्यापार, शिक्षा, ऊर्जा, तकनीक और समुद्री सुरक्षा जैसे कई अहम समझौते किए। साथ ही उन्होंने दुनिया को यह भी बताया कि आज का भारत सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि अपनी मिसाइलों की ताकत, आधुनिक तकनीक, मजबूत अर्थव्यवस्था और विकसित भारत के संकल्प के दम पर नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। साथ ही तीनों देशों में प्रधानमंत्री का जिस गर्मजोशी और भव्य अंदाज में स्वागत हुआ, उसने भारत की बढ़ती साख की साफ तस्वीर पेश की। इतना ही नहीं, जब मोदी ने वहां बसे भारतीय समुदाय को संबोधित किया तो वहां के शीर्ष नेताओं ने भी उनकी लोकप्रियता और भारतीयों के उत्साह को करीब से देखा। इससे एक बार फिर साफ हो गया कि मोदी की पहचान अब केवल भारत के प्रधानमंत्री तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के प्रभावशाली नेताओं में उनकी छवि लगातार और मजबूत होती जा रही है।

न्यूजीलैंड – सबसे पहले बात न्यूजीलैंड की। यह यात्रा इसलिए भी खास रही क्योंकि करीब 40 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने वहां की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक माओरी रीति से स्वागत किया गया और उसके बाद न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ लंबी बातचीत हुई। इस मुलाकात का सबसे बड़ा फैसला दोनों देशों के रिश्तों को नई रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाना रहा। इसके साथ ही वर्ष 2030 तक दोनों देशों के बीच कारोबार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा गया। दोनों पक्षों ने मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने पर भी सहमति जताई ताकि दोनों देशों के व्यापारियों और उद्योगों को सीधा लाभ मिल सके।

न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान रक्षा और समुद्री सुरक्षा पर कई बड़े कदम उठाए गए। दोनों देशों की नौसेनाएं अब जरूरत पड़ने पर एक दूसरे की रसद सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगी। समुद्र से जुड़ी जानकारियां साझा होंगी, संयुक्त अभ्यास बढ़ेंगे और समुद्री सुरक्षा पर हर साल नियमित बातचीत होगी। आतंकवाद के खिलाफ साझा कार्य समूह बनाने का भी फैसला हुआ जिससे दोनों देश जानकारी साझा कर आतंक के खिलाफ मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा भूकंप, सुनामी और दूसरी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन में सहयोग बढ़ेगा। डेयरी और पशुपालन के क्षेत्र में न्यूजीलैंड की आधुनिक तकनीक भारत तक पहुंचेगी। पर्यटन, खेल, संस्कृति, समुद्री विरासत, खाद्य तकनीक और समुद्री अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी कई समझौते हुए। नागालैंड और उत्तराखंड में कीवी फल के लिए दो उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे ताकि किसानों को बेहतर तकनीक और अधिक उत्पादन का लाभ मिल सके। न्यूजीलैंड ने वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन में शामिल होने का भी फैसला किया। अंटार्कटिका अनुसंधान, खाद्य तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच नए सहयोग का रास्ता खुला है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए न्यूजीलैंड ने अपना समर्थन दोहराया और आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर भी दोनों देश एकमत दिखाई दिए।

आस्ट्रेलिया – अब बात ऑस्ट्रेलिया की। मेलबर्न में हुई वार्षिक शिखर बैठक के दौरान दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा सहयोग को नई मजबूती दी। नई संयुक्त रक्षा घोषणा के तहत सेना, नौसेना और वायुसेना के बीच तालमेल बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला, नई तकनीक और समुद्री कानूनों के पालन पर साथ काम करने का फैसला हुआ। समुद्री सुरक्षा के लिए अलग कार्ययोजना बनी और दोनों देशों के तटरक्षक बलों के बीच भी नया समझौता हुआ।ऊर्जा के क्षेत्र में दोनों देशों ने साथ मिलकर काम करने का भरोसा दोहराया। लंबे समय से लंबित असैन्य परमाणु समझौते को पूरी तरह लागू करने का रास्ता साफ हुआ, जिससे भारत को ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम की आपूर्ति आसान होगी। नई तकनीक, साइबर सुरक्षा और जरूरी आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए भी नई साझेदारी बनी।शिक्षा और कौशल विकास में भी कई महत्वपूर्ण फैसले हुए। खनन क्षेत्र के लिए भुवनेश्वर में उत्कृष्टता केंद्र बनेगा। ऑस्ट्रेलिया के दो प्रमुख विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर खोलेंगे जिससे भारतीय छात्रों को विदेश जाए बिना बेहतर शिक्षा का अवसर मिलेगा। दोनों देशों के कौशल प्रशिक्षण संस्थानों के बीच भी सहयोग बढ़ेगा। इस यात्रा की एक खास उपलब्धि भारत की प्राचीन धरोहरों की वापसी भी रही। नंदी, भगवान कार्तिकेय और मां काली से जुड़ी तीन दुर्लभ प्राचीन मूर्तियां ऑस्ट्रेलिया ने भारत को लौटाने का फैसला किया। इसके अलावा सौर ऊर्जा, विज्ञान, फिल्म निर्माण, पारंपरिक ज्ञान, खनिज खोज और औषधि अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी कई नए समझौते हुए।

इंडोनेशिया – प्रधानमंत्री मोदी के इस दौरे की शुरुआत इंडोनेशिया से हुई जहां दोनों देशों ने अपने पुराने रिश्तों को और मजबूत बनाने का फैसला किया। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच हुई बातचीत में रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, कृषि, विज्ञान, अंतरिक्ष, ऊर्जा, शिक्षा और संस्कृति जैसे लगभग हर क्षेत्र पर विस्तार से चर्चा हुई। सबसे बड़ी बात यह रही कि दोनों देशों ने रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई देने का फैसला किया।

ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर सहयोग बढ़ेगा। समुद्री सुरक्षा, संयुक्त अभ्यास, तटरक्षक बलों के बीच तालमेल और जहाज निर्माण में भी साथ काम होगा। भारत और इंडोनेशिया आतंकवाद के खिलाफ भी मिलकर काम करेंगे और नई तकनीक का गलत इस्तेमाल रोकने पर भी सहयोग बढ़ेगा। व्यापार बढ़ाने, दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति मजबूत करने, इस्पात उद्योग में संयुक्त निवेश करने और दोनों देशों की मुद्राओं में लेन-देन बढ़ाने पर भी सहमति बनी। स्वास्थ्य क्षेत्र में दवाइयों के मानकों, चिकित्सा कर्मचारियों के प्रशिक्षण और खाद्य सुरक्षा पर समझौते हुए। कृषि, उर्वरक, ऊर्जा, दूरसंचार, विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान और आपदा प्रबंधन में भी नए समझौते हुए।

दोनों देशों ने समुद्री और हवाई संपर्क बढ़ाने, सबांग बंदरगाह के विकास में सहयोग, डिजिटल भुगतान व्यवस्था को मजबूत करने और छोटे कारोबारियों को डिजिटल बाजार से जोड़ने की दिशा में भी कदम बढ़ाया। साथ ही सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए प्रंबानन मंदिर के संरक्षण कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा और दोनों देशों ने अगले दो वर्षों को गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर और की हजर देवंतरा की सांस्कृतिक स्मृति के रूप में मनाने का फैसला भी किया। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी का यह तीन देशों का दौरा कई मायनों में सफल माना जा सकता है। न्यूजीलैंड के साथ ऐतिहासिक नई साझेदारी बनी, ऑस्ट्रेलिया के साथ रक्षा, शिक्षा और ऊर्जा संबंधों को नई मजबूती मिली, जबकि इंडोनेशिया के साथ समुद्री सुरक्षा, व्यापार और तकनीक के क्षेत्र में सहयोग का नया रास्ता खुला। इन समझौतों का असर आने वाले वर्षों में भारत की सुरक्षा, व्यापार, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और रोजगार जैसे कई क्षेत्रों में दिखाई दे सकता है। यही वजह है कि इस पूरे दौरे को भारत की विदेश नीति के लिए एक मजबूत और दूरगामी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कनीना में सेवा भारती संस्था का 100वां निशुल्क चिकित्सा शिविर संपन्न, 40 मरीजों ने उठाया लाभ

कनीना सुनील दीक्षित रविवार को सेवा भारती संस्था कनीना की और से निशुल्क किडनी एवं सामान्य रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। 100 वें चिकित्सा शिविर में रेवाड़ी निजी अस्पताल के किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. तरुण यादव और सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. जयश्री ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में 40 मरीजों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। आपको बता दें कि सेवा भारती संस्था द्वारा प्रत्येक मां के दूसरे रविवार को स्वास्थ्य तस्वीर का आयोजन किया जाता है वही प्रतिदिन आर्य समाज मंदिर में एक निशुल्क ओपीडी का भी संचालन किया जाता है, जिससे रोजाना औसतन 50 मरीज लाभान्वित होते हैं। इस अवसर पर कृष्ण, मुस्कान, किरन, पवन और प्रताप यादव सहित शाखा अध्यक्ष सुरेश शर्मा, योगेश अग्रवाल, श्याम सुन्दर, अमित सिंगल, प्रेम सिंगला,दिनेश जांगड़ा उपस्थित थे 7

सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन - डीसी

पद्म पुरस्कार-2027 के लिए आवेदन आमंत्रित

रेवाड़ी। गृह मंत्रालय की ओर से गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों नामतः पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री के लिए ऑनलाइन नामांकन करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2026 है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि पद्म पुरस्कार देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल हैं, जो कला, साहित्य, शिक्षा, खेल, चिकित्सा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक कार्य, लोक सेवा, उद्योग तथा अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं विशिष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्रदान किए जाते हैं। भारत सरकार का उद्देश्य ऐसे व्यक्तियों को सम्मानित करना है जिन्होंने निस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्र की सेवा की हो। उन्होंने जिला के सभी विभागाध्यक्षों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से पद्म पुरस्कार-2027 के लिए योग्य एवं विशिष्ट व्यक्तियों के नाम प्रस्तावित करने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा पद्म पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं 31 जुलाई 2026 तक राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल अवार्ड.जीओवी.इन पर ऑनलाइन नामांकन कर सकते हैं।झ डीसी ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है और नागरिक स्वयं भी योग्य व्यक्तियों के नाम पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। विशेष रूप से जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले समाजसेवी, शिक्षक, कलाकार, वैज्ञानिक, किसान, हस्तशिल्प, नवप्रवर्तक, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पद्म पुरस्कार-2027 के लिए नामांकन विंडो 15 मार्च से खुल चुकी है और 31 जुलाई 2026 तक खुली रहेगी। इच्छुक व्यक्ति राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर जानकारी ले सकते हैं।

एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, काकराला में पीटीएम का आयोजन, विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर हुआ मंथन

कनीना सुनील दीक्षित एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, काकराला में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में 1235 विद्यार्थियों के अभिभावकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और अपने बच्चों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन, व्यवहार एवं सर्वांगीण विकास के संबंध में शिक्षकों के साथ विस्तृत चर्चा की। ?बैठक के दौरान शिक्षकों ने प्रत्येक अभिभावक से व्यक्तिगत स्तर पर संवाद स्थापित किया। इस दौरान विद्यार्थियों के विषयवार प्रदर्शन, गृहकार्य, नियमित उपस्थिति, और परीक्षा की आगामी तैयारियों पर गहन मंथन हुआ। शिक्षकों ने अभिभावकों को बच्चों की दैनिक अध्ययन आदतों में सुधार लाने, बेहतर समय प्रबंधन करने, घर में सकारात्मक वातावरण बनाने और विशेष रूप से मोबाइल फोन के सीमित व जिम्मेदार उपयोग को लेकर बेहद महत्वपूर्ण सुझाव दिए। अभिभावकों को जुलाई माह का 'गतिविधि कैलेंडर' भी वितरित किया गया। शिक्षकों ने आगामी शैक्षणिक, खेलकूद, सांस्कृतिक, कला और सह-शैक्षणिक गतिविधियों की रूपरेखा साझा की। इसके साथ ही विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रहीं रिमेडियल कक्षाओं, एआई लैब, खेल प्रशिक्षण, संगीत, नृत्य, आर्ट एंड क्राफ्ट और नवाचार आधारित सीबीएसई गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय की अनुशासित व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और गतिविधि आधारित शिक्षा की प्रशंसा की तथा प्रबंधन को अपने निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

घरौंडा की अनोखा कालोनी में शिव मूर्ति स्थापना समारोह

मंदिर आस्था के केंद्र, पूजा-पाठ से आते हैं अच्छे संस्कार-कल्याण

सुरेन्द्र पांचाल भेदी नजर

घरौंडा:हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि मंदिर हमारी आस्था के केंद्र हैं। पूजा पाठ से बच्चों में अच्छे संस्कार आते हैं, उनका संस्कृति से जुड़ाव गहरा होता है।

कल्याण आज घरौंडा की अनोखा कालोनी में शिव मूर्ति स्थापना समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। समारोह में उनका पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मंदिर हमारी आस्था का केंद्र हैं। प्राचीन संस्कृति से जुड़कर जब जीवन में आगे बढ़ते हैं तो पूजा-पाठ का संस्कार बच्चों में भी आता है। बच्चे भी जब उस दिशा में आगे बढ़ते हैं तो वे अच्छे इंसान बनते हैं। उन्हें अच्छे संस्कार देना हमारी जिम्मेदारी है। उनमें मानवता व सेवा भाव हो, धर्म के प्रति आस्था हो और जीवन में हर कार्य ईमानदारी से करने का भाव हो तो निश्चित रूप से न केवल परिवार को आगे बढ़ाएंगे बल्कि समाज की प्रगति में भी योगदान करेंगे।

अवैध कॉलोनियां नहीं पनपनी चाहिएं

उन्होंने कहा कि दस साल पहले शहर की गलियां खस्ताहाल थीं, गंदे नाले पर मात्र छोटी सी पुलिया होती थी। कालोनियों में आने-जाने में भी भारी दिक्कत होती थी। दस सालों में उन्होंने शहर की 50 कालोनियों को वैध घोषित कराया। इनमें मूल सुविधाओं संबंधी 90 प्रतिशत विकास कार्य पूरे कराए जा चुके हैं। बचे हुए कार्यों को जल्द पूरा कराया जाएगा। इसके लिए टेंडर लगाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले कालोनी काटने वाले तो माल खा जाते थे पर लोगों को नरक का जीवन जीना पड़ता था। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इन कालोनियों में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कानून में बदलाव किया। उन्होंने कहा कि अवैध कालोनियां किसी भी कीमत पर नहीं कटनी चाहिए। सरकार इनमें पैसा नहीं लगा सकती।

बच्चे सोशल मीडिया से प्रभावित न हों

कल्याण ने बच्चों से कहा कि वे सोशल मीडिया से प्रभावित न हों। केवल अच्छी चीजें धारण करें। सोशल मीडिया पर अच्छाई को छिपा कर छोटी चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने वाले पाप के भागीदार हैं। उन्होंने विगत दस सालों में कस्बे में नया बस अड्डा, पार्क, लड़कियों का स्कूल, आईटीआई, रेलवे अंडर पास जैसे अनेक कार्य कराए हैं।

मेडिकल यूनिवर्सिटी, रिंग रोड, रेपिड रेल, एनसीसी अकादमी जैसे बड़े प्रोजेक्ट पूरा होने पर क्षेत्र की तस्वीर ही बदल जाएगी। विकास हमेशा एकजुट होकर चलने से होता है। राजनीति करने वाले बहुत हैं। समाज को जोड़कर उसे सही दिशा में आगे बढ़ाना सबसे मुश्किल काम है। लोगों के सहयोग से इलाके में काफी विकास संभव हो पाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी सभी कामों को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे पहले मंत्रोच्चारण के बीच मूर्ति स्थापना की गई। उपस्थित लोगों ने हवन में पूर्ण आहुति डाली। इस मौके पर नगर पालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, मार्केट कमेटी के चेयरमैन राजकुमार पालीवाल, वार्ड 17 के पार्षद संजीव कुमार, पार्षद अनिल जावा, पुरुषोत्तम सेठी आदि मौजूद रहे।

एक व्यक्ति-एक पेड़' अभियान बना जनआंदोलन

हरिहर श्मशान घाट में 151 से अधिक पौधों का रोपण

रेवाड़ी(दयावान कोसली) पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से कोसली में चलाया जा रहा 'एक व्यक्ति-एक पेड़' अभियान अब जनआंदोलन का रूप लेता दिखाई दे रहा है। रविवार सुबह हरिहर श्मशान घाट परिसर में आयोजित विशाल पौधारोपण कार्यक्रम में सामाजिक संगठनों, युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और 151 से अधिक पौधे लगाकर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान अशोक, नीम, बरगद, पीपल, शीशम, आम, शहतूत सहित अनेक औषधीय एवं फलदार पौधों का रोपण किया गया। केवल पौधे लगाने तक ही अभियान सीमित नहीं रहा, बल्कि सभी उपस्थित लोगों ने इन पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लिया, ताकि आने वाले वर्षों में हरिहर श्मशान घाट हरे-भरे वृक्षों से आच्छादित होकर पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणास्रोत बन सके। इस अवसर पर सरपंच रामकिशन जांगड़ा ने कहा कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की आजीवन जिम्मेदारी है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस अभियान से जुड़ने और प्रत्येक व्यक्ति द्वारा कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का आह्वान किया। अभियान के संयोजक मास्टर लखन यादव कोसलिया ने कहा कि 'पेड़-पौधों के बिना मानव जीवन अधूरा है। यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा। आज का पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन का आधार बनेगा।' उन्होंने सभी नागरिकों से अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ एवं अन्य शुभ अवसरों पर पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कहा कि यदि हर व्यक्ति एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखे तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, प्रदूषण कम करने और जल संरक्षण में बड़ा योगदान दिया जा सकता है। अभियान के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने 'एक व्यक्ति-एक पेड़' के संकल्प को दोहराते हुए भविष्य में भी कोसली के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, विद्यालयों, धार्मिक स्थलों और अन्य क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाने का निर्णय लिया। यह अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है, बल्कि समाज में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता का संदेश भी दे रहा है। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि यदि इसी प्रकार जनसहभागिता बनी रही तो आने वाले समय में कोसली हरियाली और स्वच्छ वातावरण के लिए पूरे क्षेत्र में एक मिसाल बनेगा। इस अवसर पर सरपंच रामकिशन जांगड़ा, लखन मास्टर, अजय (अन्नू), दयावान, युधवीर साहब, प्रकाश साहब, नरेंद्र पीटीआई, अजय गुरु जी, ओम प्रकाश, अशोक पंच, दयाराम जी, लाल सिंह साहब, शुद्र्शन सरपंच, महेंद्र जी, पैनल एडवोकेट बिनाका, अमन सेठ, रमन, कृष्ण पंच, ओम प्रकाश, अनिल पंच, संजय पंच, महेश लखेरा, नीरज, मोनू, सुमित पटवारी, आदित्य राव, जितेन्द्र कुमार, बिरेन्द्र, दीपांशु, देवेश, प्रिंस, कुलदीप, सतपाल नम्बरदार, प्रो. सुनील कुमार, रमेश कुमार, सुक्रमपाल, आचार्य अमन, धरमु जेई, अधिवक्ता रिंकू, कमल भगत, रविन्द्र कुमार, मलखान शर्मा, भाई भूपेश, जेपी, अशोक मास्टर, नरेश कुमार, शक्ति कोसलिया एवं गौ रक्षा दल नाहड़ ब्लाक कोसली समस्त सदस्य मौजूद थे 7

वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर कुरुक्षेत्र में मंचित होगा नाटक युग परिवर्तन, राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन

कुरुक्षेत्र। वंदे मातरम् राष्ट्र गीत की सार्धशती के उपलक्ष्य और महाकवि कालिदास जयंती के गरिमामयी अवसर पर कुरुक्षेत्र की पावन धरा एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक आयोजन होने जा रहा है। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की स्वायत्त संस्था संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव का मुख्य केंद्र बिंदु युवा रंगमंच से राष्ट्र जागरण का संकल्प है। एक ही दिन एक ही समय पर देशभर में लगभग 150 नाटकों का मंचन होगा, जिसमें लगभग 4000 रंगकर्मी अपनी प्रतिभा दिखाएगें। यह जानकारी न्यू उत्थान थियेटर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज सेठी ने दी। उन्होंने बताया कि कुरुक्षेत्र वासियों के लिए हर्ष का विषय है कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में हरियाणा से चुने गए दो दलों में कुरुक्षेत्र की सक्रिय नाट्य संस्था न्यू उत्थान थियेटर ग्रुप को भी अपना नाटक मंचित करने का अवसर मिला है। हरियाणा कला परिषद के सहयोग से बुधवार 15 जुलाई को कुरुक्षेत्र के कला कीर्ति भवन में शाम 6 बजे विकास शर्मा के लेखन और निर्देशन में नाटक युग परिवर्तन, वंदे मातरम की हुंकार का मंचन किया जाएगा। न्यू उत्थान थियेटर ग्रुप, कुरुक्षेत्र द्वारा तैयार किए गए नाटक युग परिवर्तन की तैयारियां जोरों पर चल रही है। सेठी ने बताया कि कार्यक्रम सही समय पर प्रारम्भ होगा तथा लाईव प्रस्तुति के साथ-साथ सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोग नाटक का आनंद ले सकते हैं।

अखिल भारतीय वरिष्ठ अधिवक्ता संघ द्वारा न्यायाधीशों का भव्य अभिनंदन समारोह आज

संविधान क्लब दिल्ली में आयोजित होने वाले समारोह में सीजेआई होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली: सुनील दीक्षित

अखिल भारतीय वरिष्ठ अधिवक्ता संघ की ओर से आज ; सोमवार को देश की राजधानी नई दिल्ली स्थित भारतीय संविधान क्लब, रफी मार्ग के 'स्पीकर हॉल' में न्यायपालिका की प्रमुख हस्तियों के सम्मान में एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जायेगा। सायं 5 बजे से शुरू होने वाले इस गरिमामयी समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति सूर्यकांत मुख्य अतिथि होंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता आदिश सी अग्रवाल ने बताया कि ?इस अवसर पर जिन माननीय न्यायाधीशों को सम्मानित किया जाएगा, उनमें न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी, न्यायमूर्ति पंकज मित्तल, न्यायमूर्ति शील नागू, न्यायमूर्ति चन्द्रशेखर, न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, न्यायमूर्ति अरुण पल्ली और न्यायमूर्ति वी मोहना शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मिनट-दर-मिनट कार्यक्रम के अनुसार, समारोह की शुरुआत ठीक शाम 5:05 बजे माननीय न्यायाधीशों के माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ होगी। इसके बाद, संघ के महासचिव और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आदिश सी. अग्रवाल विधिवत रूप से अतिथियों का स्वागत करेंगे। समारोह में न्याय व विधि क्षेत्र के कई दिग्गज अपने विचार रखेंगे। जिनमें राज्यसभा सांसद एवं पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल श्री पी विल्सन, पूर्व सांसद महेश जेठमलानी और भारत के विद्वान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि शामिल हैं।कार्यक्रम का समापन सांसद, पूर्व अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल व संघ के उपाध्यक्ष विवेक तन्खा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया जाएगा। ?उन्होंने बताया कि उनके पिछले आयोजनों में भारत के राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति जैसी शीर्ष हस्तियां भी शामिल होती रही हैं। इस औपचारिक सम्मान समारोह के बाद सभी अतिथियों के लिए रात्रिभोज की भी व्यवस्था होगी।

हरियाणा बिजली पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन जिला फरीदाबाद यूनिट की कार्यकारिणी द्वारा

बिजली पेंशनर्स की बैठक का आयोजन किया गया

फरीदाबाद सभा की अध्यक्षता जिला फरीदाबाद यूनिट के वित्त सचिव प्रताप सिंह बामल और जिला प्रधान देवी दयाल दिसोदिया द्वारा की गई वहीं संचालन जिला सचिव सुभाष चंद त्यागी ने किया। मीटिंग में लिव ट्रेवल कंसेशन की वर्तमान नीति में एक जनवरी 2028 से बदलाव के हरियाणा सरकार के आदेशों पर नाराजगी जताई गई। ध्यान रहे एल टी सी की नीति का सरलीकरण करते हुए सरकार ने चार साल में एक बार एक महीने की पेंशन एल टी सी के रूप मे देने के आदेश दे रखें है। लेकिन एक जनवरी 2028 के बाद केवल घूमने फिरने के बाद ही एल टी सी की राशी क्लेम की जा सकेगी। जो वृद्ध अवस्था में पेंशनर्स के लिए जटिलताओं और कठिनाइयों का कारण बन सकता है। इसके लिए एसोसिएशन माननीय मुख्यमंत्री जी को कैबिनेट मिनिस्टर विपुल गोयल जी के माध्यम से ज्ञापन भी सौंपा गया है और पेंशनर्स 2028 से लागू होने वाले आदेशों में बदलाव के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। एसोसिएशन के केंद्रीय परिषद के राज्य मुख्य संगठनकर्ता बीर सिंह द्वारा हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड व निगमों में कर्मचारियों के इन सर्विस ट्रेनिंग पिरियड को सामान्य नियमों के तहत जोड़ कर ए सी पी स्केल का लाभ देने की मांग की गई। क्योंकि हरियाणा बिजली उत्पादन निगम में एन के जैन जे ई और अन्य बनाम एच एस ई बी और अन्य के निर्णय के अनुसार सभी ट्रेनीज को रेगुलर स्केल का लाभ नोशनल आधार पर 1986 से दे दिया गया है। इसी तरह से राजबीर सिंह फायरमैन और अन्य बनाम एच पी जी सी एल और अन्य के मामले में ट्रेनिंग पिरियड यानि इनीशियल डेट ऑफ ज्वाइनिंग से 10,20 साल की सर्विस की गणना में ए सी पी के लिए मान लिया गया है न की रेगुलर होने की तारीख से। फिर भी कर्मचारी हितेषी कोर्ट के निर्णयों को सिमिलर सिचुएटेड एम्पलाइज पर लागू करने के लिए आनाकानी की जा रही है। जलसे में जिला प्रधान देवी दयाल दिसोदिया ने 65,70,75 साल की उम्र के बाद 5 प्रतिशत, 10 प्रतिशत, 15 प्रतिशत पेंशन बढ़ाने, कैशलैस मेडिकल सुविधा देने, फैमिली पेंशनर्स को एल टी सी का लाभ देने, पेंशनर्स को पी पी ओ बुक देने की भी सरकार व बिजली निगमों से अपील की गई। सभा में महेंद्र सिंह, विजय पाल शर्मा, अनीश गुप्ता एच सी ग्रोवर, नागपाल, खूब सिंह धारीवाल ने भी अपने विचार रखे। इस अवसर पर उमेश सेठी, ब्रिज मोहन उप्रेती, सुरेश सैनी, एस एस सोलंकी सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित थे।

विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस पर आदेश अस्पताल में विशेष शिविर 13 से 18 जुलाई तक

कुरुक्षेत्र, प्रमोद कौशिक/अमित: विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस के अवसर पर मोहड़ी स्थित आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में 13 जुलाई से 18 जुलाई तक विशेष प्लास्टिक सर्जरी एवं लेजर उपचार जागरूकता शिविर आयोजित किया जायेगा। इस दौरान त्वचा संबंधी विभिन्न समस्याओं के उपचार के लिए लेजर प्रक्रियाओं पर मरीजों को आधी दरों कि छूट प्रदान की जाएगी। प्रबंध निदेशक डॉ. गुणतास सिंह गिल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल का उद्देश्य आधुनिक प्लास्टिक सर्जरी एवं लेजर उपचार के प्रति लोगों को जागरूक करना और जरूरतमंद मरीजों को किफायती उपचार उपलब्ध कराना है। डॉ. गुणतास सिंह गिल ने बताया कि विश्व प्लास्टिक सर्जरी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस विशेष अभियान के तहत त्वचा और प्लास्टिक सर्जरी से जुड़ी समस्याओं के उपचार के लिए मरीजों को आधी दरों पर सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा तकनीकों की मदद से कई ऐसी समस्याओं का प्रभावी उपचार संभव है, जिन्हें लोग लंबे समय तक नजरअंदाज करते रहते हैं। उन्होंने बताया कि इस विशेष शिविर के दौरान चेहरे पर पुराने निशान, शरीर पर मस्से, जलने के निशान, घाव के दाग, त्वचा पर खिंचाव के निशान तथा त्वचा के कायाकल्प जैसी समस्याओं का लेजर तकनीक से उपचार किया जाएगा। यह तकनीक कम दर्द, कम रक्तस्राव और अपेक्षाकृत कम रिकवरी समय के कारण आधुनिक चिकित्सा में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। डॉ. गुणतास सिंह गिल ने कहा कि आदेश अस्पताल समय-समय पर विभिन्न स्वास्थ्य जागरूकता दिवसों के अवसर पर विशेष स्वास्थ्य योजनाएं संचालित करता है, ताकि अधिक से अधिक मरीज आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि वे त्वचा या प्लास्टिक सर्जरी से संबंधित किसी समस्या से परेशान हैं तो इस विशेष शिविर का लाभ उठाकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लें और रियायती दरों पर उपचार प्राप्त करें।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, फर्रुखनगर (गुरुग्राम) में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नशा होता अच्छा, पिता कहता थोड़ी सी पी, क्यों करता है चिंता, अपनी जिंदगी जी- डॉ अशोक

गुरुग्राम। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री संजय कुमार, आईपीएस के दिशा-निर्देशों तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त फरीदाबाद एवं ब्यूरो के पुलिस उप-महानिरीक्षक श्री राजेंद्र कुमार मीणा, आईपीएस के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में चलाए जा रहे नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, फर्रुखनगर (गुरुग्राम) में नशे के विरुद्ध व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य श्री राधा कृष्ण पंवार ने की। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उपनिरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, समाज और पूरे राष्ट्र को कमजोर करता है। यदि युवा पीढ़ी नशे से दूर रहेगी तो देश का भविष्य सुरक्षित और समृद्ध होगा। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ अपने मित्रों, परिवार तथा आसपास के लोगों को भी नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने काव्य और गायन के माध्यम से भी विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि यदि नशा होता अच्छा तो माँ कहती खा ले मेरे बच्चा। यदि नशा होता अच्छा तो पिता कहता ले थोड़ी ली पी क्यों करता है चिंता अपनी जिंदगी जी। नशे के चक्रव्यूह पर चर्चा करते हुए उन्होंने विस्तार से कहा नशा शौक से आरम्भ होता है और इसका अंत भी शोक पर होता है। शौक और शोक में केवल एक मात्रा का अंतर है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए भारतीय बल पर्याप्त हैं लेकिन जागरूकता के आभाव में नशा कारोबारी अपने स्वार्थ के लिए युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं जो कतई स्वीकार्य नहीं है। विद्यालय के प्राचार्य श्री राधा कृष्ण पंवार उप प्राचार्य पवन कुमार ने हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा चलाए जा रहे जनहितकारी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में अनुशासन, नैतिक मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज को भी नशामुक्त बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने नशामुक्त भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया तथा अपने-अपने क्षेत्रों में नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता फैलाने का संदेश देने का वचन दिया। कार्यक्रम में विद्यालय के 451 छात्र-छात्राओं तथा 30 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने आमजन से अपील की कि नशे की बिक्री, तस्करी अथवा सेवन से संबंधित किसी भी सूचना के लिए राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 अथवा 9050891508 पर सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है।

समाजसेवी सुमेर चंद अग्रवाल की स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित

अग्रवाल परिवार समाज सेवा के साथ ही जरूरतमंद की मदद के लिए भी हमेशा रहता है तत्पर।

थानेसर,प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी : सरस्वती मेडिसिन एजेंसी द्वारा स्वर्गीय श्री सुमेर चंद जी अग्रवाल की 16वीं पुण्यतिथि के अवसर पर विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के लिए लगभग 120 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करवाया और 98 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। शिविर में लोक नारायण जयप्रकाश हॉस्पिटल एवं रेड क्रॉस की टीम ने यह रक्त एकत्रित किया। शिविर के संयोजकों श्री वेद भूषण अग्रवाल भारत भूषण अग्रवाल विनोद अग्रवाल ने रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि की हर व्यक्ति को इंसानियत के नाते वर्ष में एक या दो बार कम से कम रक्त जरूर दान देना चाहिए। रक्त किसी फैक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता ये सिर्फ एक मनुष्य ही दूसरे को दे सकता है, इसलिए हमे नियमित रक्तदान जरूर करना चाहिए। रक्तदान से शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती बल्कि नियमित रक्तदाता को बहुत सी बीमारियों से छुटकारा मिलता है। उन्होंने बताया कि थैलेसिमिया जैसी बीमारी से बचने के लिये शादी से पहले हर लडक़ा एवं लडक़ी को अपना ब्लड टैस्ट अवश्य कराना चाहिए। हर गर्भवती महिला को भी अपने रक्त की जांच अवश्य करानी चाहिये।

सभी रक्त दाताओं को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। रक्तदान शिविर का आयोजन रेलवे स्टेशन स्थित अग्रवाल धर्मशाला में किया गया इस शिविर में वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान विशाल सिंगला, ऑल इंडिया केमिस्ट संगठन के महासचिव अशोक सिंगला, राजेश सिंगला, जन सहयोग संस्था से जितेंद्र कुमार, करनाल से कपिल किशोर, ओम प्रकाश गर्ग,अरुण गुप्ता, संजीव सिकरी,मनीष मित्तल, अनिल बंसल मौजूद रहे। अंत में परिवार की ओर से वेदभूषण अग्रवाल भारत भूषण अग्रवाल विनोद अग्रवाल अभिषेक अग्रवाल अमित अग्रवाल पुनीत अग्रवाल गौरव भूपेश अग्रवाल मैं शिविर में आए सभी अतिथियों का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया तथा भविष्य में इस प्रकार के सफल आयोजन की कामना की।

हर गांव के समग्र विकास से ही क्षेत्र और राष्ट्र की प्रगति संभव : कृष्णपाल गुर्जर

- **ग्राम खाम्बी को मिली विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात, केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने किए करीब 3 करोड़ 80 लाख रुपये के कार्यों के उद्घाटन एवं शिलान्यास**
- **सांसद निधि से 20 लाख रुपये देने की घोषणा, ग्राम पंचायत के मांग-पत्र को चरणबद्ध तरीके से पूरा करने का दिया भरोसा**

पलवल, 12 जुलाई। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने रविवार को होडल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम खाम्बी में लगभग 3 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुए एवं स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इस दौरान गांव में सामुदायिक भवनों, चौपालों, शहीद स्मारक, श्मशान घाट विकास, फिरनी मार्गों, खेत-खलिहान रास्तों, संत रविदास आश्रम, गौशाला, परशुराम पार्क तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े अनेक कार्यों को जनता को समर्पित किया गया। कार्यक्रम में पहुंचने पर केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर, होडल विधायक हरेंद्र सिंह तथा अन्य अतिथियों का ग्रामीणों द्वारा फूलमालाएं पहनाकर एवं पगड़ी बांधकर भव्य स्वागत किया गया।

विकास के लाभ से कोई गांव और कोई वर्ग वंचित नहीं रहेगा

जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की प्राथमिकता प्रत्येक गांव और प्रत्येक वर्ग तक विकास पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार शरीर के सभी अंगों का स्वस्थ होना आवश्यक है, उसी प्रकार क्षेत्र के हर गांव का विकास भी समान रूप से जरूरी है। सरकार बिना किसी भेदभाव के गांवों में सडक़, बिजली, पानी, शिक्षा और सामुदायिक सुविधाओं का विस्तार कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में विकास और सुशासन की नीति के चलते देश और प्रदेश में आधारभूत ढांचे को अभूतपूर्व मजबूती मिली है, जिसका लाभ ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच रहा है।

सडक़, रेल और एक्सप्रेस-वे नेटवर्क से बढ़ी क्षेत्र की रफ्तार :केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि पिछले वर्षों में फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में सडक़, रेल और एक्सप्रेस-वे नेटवर्क का व्यापक विस्तार हुआ है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे, केएमपी, जेवर एयरपोर्ट कनेक्टिविटी और विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं ने क्षेत्र को नई पहचान दी है। रेलवे फाटकों पर ओवरब्रिज और अंडरपास निर्माण से लोगों की आवाजाही पहले की अपेक्षा अधिक सुगम हुई है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी होने के बाद क्षेत्र के विकास को और गति मिलेगी।

ग्राम पंचायत की मांगों पर सकारात्मक निर्णय, सांसद निधि से 20 लाख रुपये देने की घोषणा :कृष्णपाल गुर्जर ने ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्तुत मांग-पत्र पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गांव के विकास से संबंधित सभी आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाएगा। उन्होंने गांव के विकास कार्यों के लिए सांसद निधि से 20 लाख रुपये देने की घोषणा करते हुए कहा कि पंचायत स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार इस राशि का उपयोग कर सकेगी।

खाम्बी में हुए विकास कार्य ग्रामीण विकास की मिसाल : हरेंद्र सिंह :होडल के विधायक हरेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के सतत प्रयासों से होडल विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की नई धारा प्रवाहित हुई है। उन्होंने कहा कि सडक़, पुल, रेलवे ओवरब्रिज, यमुना पुल और अन्य आधारभूत परियोजनाओं ने क्षेत्र की तस्वीर बदलने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि खाम्बी सहित पूरे विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने में केंद्रीय राज्य मंत्री का विशेष योगदान रहा है। उनके प्रयासों से गांवों में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाएं साकार हुई हैं, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिल रहा है।

ग्रामीणों ने किया स्वागत, विकास कार्यों के लिए जताया आभार-कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने केंद्रीय राज्य मंत्री एवं अन्य अतिथियों का अभिनंदन करते हुए क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया। ग्राम पंचायत ने गांव के विकास से जुड़ी विभिन्न मांगें रखीं, जिन पर केंद्रीय राज्य मंत्री ने सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री हर्ष कुमार, मार्किट कमेटी हसनपुर के चेयरमैन राजपाल, खाम्बी सरपंच राजबीर, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष जवाहर सिंह सौरोत, जिला परिषद उपाध्यक्ष उमेश गुदराना, महेंद्र भडाना, ब्लॉक समिति चेयरमैन अजीत सिंह, सतबीर पटेल सहित पंचायत प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, आस-पास के गांवों के पंच-सरपचं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

नठेडा में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित

रेवाड़ी, (दयावान कोसली) शिव मंदिर नठेडा में बूथ संख्या 60 व 61 की मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन

अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सुपरवाइजर लेक्चरर हरीश कुमार, बीएलओ मा. मनोज कुमार एवं मा. राजेश कुमार ने अभियान की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा वरिष्ठ नेता बाबू वीर कुमार यादव ने कहा कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने सुपरवाइजर, दोनों बीएलओ तथा सभी बीएलए-2 को निष्पक्षता, पारदर्शिता और पूरी निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे तथा सभी योग्य नागरिकों का नाम मतदाता सूची में शामिल हो।

इस अवसर पर सरपंच मनोज कुमार, शक्ति केंद्र प्रमुख प्रवीण कुमार, कै. महेंद्र साहब, सुबे. रणबीर साहब, हैड मा. ओमप्रकाश, जोगेंद्र साहब, लाजपत राय साहब, भागमल मिस्त्री एवं प्रमोद शास्त्री सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एनआई एक्ट संबंधी केसों के लिए 18 जुलाई को लगाई जाएगी विशेष लोक अदालत

रेवाड़ी, बावल व कोसली न्यायिक परिसर में किया जाएगा आयोजन

रेवाड़ी, 12 जुलाई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 18 जुलाई (शनिवार) को जिला में रेवाड़ी, बावल, कोसली न्यायिक परिसर में नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट (सेक्शन 138 एनआई एक्ट) केसों से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य न्यायालयों में लंबित चेक बाउंस (एन.आई. एक्ट) से जुड़े मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर अंतिम समाधान करना है।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ. रेनू सोलखे ने बताया कि इस स्पेशल लोक अदालत का उद्देश्य लंबित चेक बाउंस (एन.आई. एक्ट) से जुड़े मामलों का आपसी सहमति और समझौते के आधार पर अंतिम समाधान करना है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से पक्षकार बिना लंबी कानूनी प्रक्रिया के अपने विवाद का शांतिपूर्ण समाधान कर सकते हैं। इससे समय और धन दोनों की बचत होती है तथा अदालतों पर मामलों का बोझ भी कम होता है।

शादी के कार्ड बंट रहे थे, घर में गूंजने थे शहनाई के सुर; केएमपी हादसे ने छीन ली दूल्हे की जिंदगी

खरखौदा, एजेंसी। कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे पर पिपली टोल प्लाजा के पास सड़क हादसे में उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के कबीरपुर निवासी कंटेनर चालक कमलकांत की मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ का फाइल फोटो कर जांच शुरू कर दी है। कमलकांत की शादी 22 जुलाई को होनी तय थी। परिजनों के अनुसार कमलकांत करीब 11 साल से कंटेनर चालक थे। वह सात जुलाई को ड्यूटी पर घर से निकले थे। तड़के करीब साढ़े चार बजे बहालगढ़ से कंटेनर लेकर गुरुग्राम जा रहे थे। आरोप है कि पिपली टोल प्लाजा के पास आगे चल रहे ट्रक चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए। ऐसे में कंटेनर ट्रक से टकरा गया। हादसे में गंभीर रूप से घायल कमलकांत को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। संवाद परिजनों ने बताया कि कमलकांत परिवार में सबसे छोटे थे। उनके बड़े भाई और बहन की शादी हो चुकी है। करीब दो माह पहले उनका रिश्ता तय हुआ था। परिवार में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन हादसे के बाद खुशियां मातम में बदल गईं।

चुनाव ड्यूटी में बदतमीजी करने वालों की खैर नहीं! हरियाणा चुनाव आयोग ने दी खुली चेतावनी

चंडीगढ़, एजेंसी। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और निर्वाचन कर्मचारियों से दुर्व्यवहार की शिकायतों को लेकर चुनाव आयोग सख्त हो गया है। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ए. श्रीनिवास ने कहा है कि ऐलनाबाद में बीएलओ निर्वाचन कार्य में बाधा डालने, से अभद्र व्यवहार के बाद हरकत में आयोग सरकारी कर्मचारियों से अभद्र व्यवहार करने या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत बीएलओ और निर्वाचन कर्मचारी घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण और संग्रहण कर रहे हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि वे निर्वाचन कर्मचारियों को सहयोग करें और समय पर अपने एसआईआर फार्म जमा करवाएं। फार्म जमा करने की अंतिम तिथि 14 जुलाई निर्धारित है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदाता सूची का सही और अद्यतन होना बेहद जरूरी है।

मौका चूक न जाना !आज ही गणना प्रपत्र भरें, मजबूत लोकतंत्र के निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें

- **विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2026 के रहे केवल दो दिन शेष**
- **बीएलओ अंतिम दो दिनों में कार्य में लाएं और अधिक तेजी : उपायुक्त**
- **मंगलवार, 21 जुलाई को प्रारूप मतदाता सूची होगी प्रकाशित**

पलवल, भेदी नजर जिला पलवल सहित प्रदेश के सभी जिला में मंगलवार 14 जुलाई तक जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के अब केवल अंतिम दो दिन शेष हैं। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने गणना प्रपत्रों के संग्रहण और डिजिटलाइजेशन पर जोर देते हुए बीएलओ को निर्देश दिए कि अंतिम दो दिनों में कार्य में और अधिक तेजी लाकर विशेष गहन पुनरीक्षण को पूरा करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्ध, त्रुटिरहित एवं सटीक होना लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अभियान के दौरान कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने अथवा अपने विवरण में संशोधन कराने से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मंगलवार 21 जुलाई को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होगी। मंगलवार 21 जुलाई से शुक्रवार 18 सितंबर तक दावे एवं आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। मंगलवार 22 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं चाहिए छूटना : जिला निर्वाचन अधिकारी
जिला निर्वाचन अधिकारी डा. जयेंद्र सिंह छिल्लर ने निर्देश दिए कि सभी बीएलओ सभी विधानसभा क्षेत्रों में निर्धारित कार्यक्रमानुसार घर-घर जाकर भरे हुए गणना प्रपत्र एकत्रित करना सुनिश्चित करें। बीएलओ घर-घर संपर्क बढ़ाते हुए अधिक से अधिक परिवारों तक पहुंच सुनिश्चित करें और मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में जागरूक करते हुए एसआईआर अभियान में सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक गणना प्रपत्र का समयबद्ध संग्रहण, डिजिटाइजेशन तथा पोर्टल पर अपलोड सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं छूटना चाहिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिला में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान निर्धारित समय सीमा के भीतर सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि अभियान के प्रत्येक चरण की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय में सौंपे गए दायित्वों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी द्वारा कार्य में अनियमितता या लापरवाही पाई गई तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने जिला के सभी पात्र मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि मंगलवार 14 जुलाई 2026 है। अब अभियान के केवल दो दिन शेष हैं, इसलिए अंतिम समय का इंतजार न करते हुए अपना भरा हुआ गणना प्रपत्र शीघ्र संबंधित बीएलओ के पास जमा करवाएं ताकि उसका समयबद्ध डिजिटाइजेशन एवं पोर्टल पर अपलोड सुनिश्चित किया जा सके। यदि किसी दस्तावेज अथवा विवरण में कोई कमी या त्रुटि पाई जाती है, तो उसका समय रहते सुधार भी किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश संबंधित बीएलओ अभी तक किसी मतदाता के घर नहीं पहुंच पाए हैं, तो ऐसे मतदाता स्वयं अपने संबंधित मतदान केंद्र अथवा बीएलओ से संपर्क कर गणना प्रपत्र जमा करें। जिला प्रशासन और मतदाताओं की साझी भागीदारी से ही विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को पूर्ण रूप से सफल बनाया जा सकता है।

दिल्ली में होगा 'राष्ट्र प्रथम' स्मारिका का भव्य विमोचन, मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्रियों को निमंत्रण

- **गुरुग्राम में मुख्यमंत्री नायब सैनी से मिला प्रतिनिधिमंडल, समारोह के लिए मांगा समय**
- **वंदे सरदार एकता पदयात्रा और शहीद राजा हसन खां मेवाती की गौरवगाथा को समर्पित होगी विशेष स्मारिका**

नूंह जुबैर खान । नूंह वंदे सरदार एकता पदयात्रा की प्रेरक स्मृतियों, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक सद्भाव और भाईचारे के संदेश को समेटे विशेष स्मारिका 'राष्ट्र प्रथम' का भव्य विमोचन इसी माह नई दिल्ली में प्रस्तावित है। समारोह में मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों को आमंत्रित किए जाने की तैयारी है। इसी क्रम में रविवार को गुरुग्राम स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में आयोजन समिति के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर समारोह के लिए समय देने का अनुरोध किया।आयोजन समिति के महासचिव मोहम्मद साजिद ने बताया कि स्मारिका में 27 नवंबर से 6 दिसंबर 2025 तक मेवात में आयोजित 10 दिवसीय वंदे सरदार एकता पदयात्रा की प्रमुख गतिविधियों, जनसंपर्क अभियान, सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय एकता और विभिन्न आयोजनों का विस्तृत विवरण प्रकाशित किया गया है। इसके साथ ही मेवात के गौरवशाली इतिहास, शहीद राजा हसन खां मेवाती के शौर्य एवं बलिदान तथा 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को प्रमुखता से स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह स्मारिका पदयात्रा के उद्देश्य, अनुभवों और समाज से मिले व्यापक सहयोग का ऐतिहासिक दस्तावेज होगी।समिति की सदस्य एडवोकेट अंजुम इस्लाम ने बताया कि प्रस्तावित समारोह में देशभर से सामाजिक, शैक्षणिक, धार्मिक और सार्वजनिक जीवन से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा। समारोह के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक सद्भाव और भाईचारे के संदेश को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।समिति के सदस्य जाकिर कोटला ने बताया कि नई दिल्ली में प्रस्तावित समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। वहीं राजुद्दीन जंग ने बताया कि इससे पहले 25 जून को आयोजन समिति ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से फरीदाबाद में मुलाकात कर उन्हें भी समारोह की जानकारी दी थी तथा आयोजन समिति का लक्ष्य मार्च 2028 तक मेवात से जुड़े एक राष्ट्रीय महत्व के प्रस्तावित विकास कार्य की आधारशिला प्रधानमंत्री के करकमलों से रखवाने का है, जिसके लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास जारी हैं।मुख्यमंत्री से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल में बीरबल, जाकिर, इमरान सरपंच, रफीक अल्वी, कमल हुसैन, नासिर कुरैशी, इरशाद, राजुद्दीन, अजय कंसल, टेकचंद गोहर, राशिद कुरैशी, असलम गौरवाल, दामोदर भारद्वाज, इनायत, रूमा सरकार, घनश्याम शर्मा तथा आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा 'महेश' ने 17 जुलाई को प्रस्तावित हाइड्रोजन ट्रेन शुभारंभ के मुहूर्त पर उठाए सवाल,वैदिक परंपराओं और ज्योतिषीय मान्यताओं के पालन पर दिया जोर

उपशीर्षक :गलत मुहूर्त में शुभ कार्यों से राष्ट्र को उठानी पड़ती है हानि : आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा 'महेश'

पानीपत, ज्योतिषाचार्य आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा 'महेश' ने कहा है कि राष्ट्रहित और समाजहित से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णयों एवं परियोजनाओं के शुभारंभ में वैदिक परंपराओं और मुहूर्त विज्ञान की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल हिन्दुत्व की चर्चा करने या उसका राजनीतिक उपयोग करने से देश को मानसिक, आध्यात्मिक और आर्थिक हानि उठानी पड़ सकती है। यदि वास्तव में हिन्दुत्व की स्थापना करनी है तो धर्म के सिद्धांतों और शास्त्रीय मान्यताओं का पालन आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि जब विषय राष्ट्रकल्याण का हो, तब समाज के विद्वानों और विशेष रूप से ब्राह्मण समाज को मूकदर्शक नहीं बने रहना चाहिए, बल्कि अपने ज्ञान और अनुभव के आधार पर समाज एवं शासन का मार्गदर्शन करना चाहिए।

आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा ने दावा किया कि भारत पहले भी कुछ महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अवसरों पर गलत मुहूर्तों के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना कर चुका है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भूमि पूजन, शिलान्यास और मूर्ति स्थापना के समय निर्धारित मुहूर्तों को लेकर भी उन्होंने आपत्तियां दर्ज कराई थीं। उनका कहना है कि वर्ष 2019 में शिलान्यास मुहूर्त के संबंध में उनसे राय मांगी गई थी और उन्होंने उस समय भी इसे शुभ नहीं माना था।

उन्होंने 6 सितंबर 2019 को चंद्रयान-2 की लैंडिंग का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दिन चंद्रमा ज्येष्ठा गण्डमूल नक्षत्र में तथा नीचस्थ स्थिति में था और उनके अनुसार यह मुहूर्त अनुकूल नहीं था।

आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा ने कहा कि 17 जुलाई 2026 को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के शुभारंभ के लिए भी शुभ मुहूर्त नहीं बन रहा है। उनके अनुसार 15 जुलाई से गुरु अस्त हो रहे हैं और 9 अगस्त को पुनः उदित होंगे। इस अवधि में शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार शुभ कार्यों और मांगलिक आयोजनों से परहेज किया जाता है।

उन्होंने बताया कि 17 जुलाई को व्यतिपात योग रहेगा, जिसे शुभ कार्यों के लिए उपयुक्त नहीं माना जाता। इसके अतिरिक्त उसी दिन चतुर्थी तिथि प्रातः 6:28 बजे से अगले दिन प्रातः 4:43 बजे तक रहेगी, जिसे रिक्ता तिथि माना जाता है और इसमें भी शुभ कार्य नहीं किए जाते।

आचार्य डॉ. महेन्द्र शर्मा के अनुसार शुक्रवार को पड़ने वाली प्रविष्ट द्वितीया तिथि को 'मृत्युदा योग' कहा जाता है और इस दिन भी शुभ कार्यों से बचने की सलाह दी जाती है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्र के बड़े निर्णयों और परियोजनाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ-साथ भारतीय ज्योतिषीय परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं का भी सम्मान किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का शुभारंभ हरियाणा के लिए ऐतिहासिक क्षण : कृष्ण लाल पंवार

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि 15 सितंबर 2013 को रेवाड़ी की सैनिक सम्मान रैली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस नए भारत और नए हरियाणा का विजन प्रस्तुत किया था, आज वह धरातल पर साकार होता दिखाई दे रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का हरियाणा से रिश्ता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि भावनात्मक, विकासात्मक और विश्वास का है। इसी कड़ी में 17 जुलाई 2026 को जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाना हरियाणा के विकास इतिहास में स्वर्णिम अध्याय साबित होगा।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हरियाणा को केवल योजनाएं ही नहीं दीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान भी दिलाई है। आज हरियाणा देश के विकास मॉडल के रूप में स्थापित हो चुका है।

कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हरियाणा के विभिन्न शहरों को उनकी विशेषताओं के अनुरूप नई पहचान मिली है।उन्होंने कहा कि रेवाड़ी देश की राष्ट्र सुरक्षा का प्रतीक बना, जहां से वन रैंक वन पेंशन का संकल्प लिया गया। आज इसका लाभ लाखों पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को मिल रहा है।पानीपत से शुरू हुए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने पूरे देश में सामाजिक परिवर्तन की मिसाल कायम की।

हरियाणा का लिंगानुपात लगातार बेहतर हुआ और बेटियां शिक्षा, खेल तथा अन्य क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक पहुंची हैं। कुरुक्षेत्र को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां बनने वाला सिख संग्रहालय धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देगा।

हिसार को अंतरराष्ट्रीय एविएशन और कार्गो हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे पश्चिमी हरियाणा में उद्योग, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि अब जींद देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के साथ ग्रीन टेक्नोलॉजी और स्वच्छ ऊर्जा की नई पहचान बनने जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि 17 जुलाई की जनसभा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विकसित हरियाणा और विकसित भारत के संकल्प का उत्सव होगी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रदेश को रेलवे, स्वास्थ्य, सड़क और आधारभूत ढांचे से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात देंगे।

उन्होंने कहा कि भिवानी और नारनौल में नए मेडिकल कॉलेज शुरू होने से दक्षिण हरियाणा के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं और चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध होगी। इसके अलावा नई सड़क परियोजनाएं, रेलवे विकास कार्य और राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई गति देंगे।

कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन केवल परिवहन का नया साधन नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और हरित विकास की दिशा में बड़ा कदम है। इससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा, कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी तथा भारत के नेट-जीरो लक्ष्य को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा ग्रीन मोबिलिटी के क्षेत्र में पूरे देश का मार्गदर्शन करने वाला राज्य बनने जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा को विकास योजनाओं के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था, लेकिन आज प्रदेश राष्ट्रीय स्तर की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का केंद्र बन चुका है।

उन्होंने कहा कि एक्सप्रेसवे, रेलवे नेटवर्क, एयरपोर्ट, मेडिकल कॉलेज, औद्योगिक कॉरिडोर, स्मार्ट सिटी, आधुनिक कृषि, डिजिटल सेवाएं और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में हरियाणा देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा ने पिछले 13 वर्षों में अभूतपूर्व विकास देखा है। वन रैंक वन पेंशन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, झज्जर एम्स, किसान सम्मान निधि, मेडिकल कॉलेजों का विस्तार, हिसार एयरपोर्ट, स्मार्ट सिटी, औद्योगिक निवेश, एक्सप्रेसवे नेटवर्क, हर घर जल योजना और अब देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जैसी उपलब्धियां इस परिवर्तन की सशक्त मिसाल हैं।

कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा को केवल एक राज्य के रूप में नहीं देखा, बल्कि विकसित भारत की प्रयोगशाला के रूप में आगे बढ़ाया है। रेवाड़ी से लेकर जींद तक की विकास यात्रा इस बात का प्रमाण है कि दूरदर्शी नेतृत्व, मजबूत नीतियों और जनभागीदारी से हरियाणा आज देश को नई दिशा देने वाला राज्य बन चुका है।

मानसून कमजोर, 15 जिलों में आज हल्की बारिश के आसार; उमस और गर्मी बढ़ी

जयपुर,एजेंसी। राजस्थान में मानसून की रफ्तार फिलहाल धीमी पड़ गई है। शनिवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, लेकिन अधिकांश इलाकों में मानसूनी गतिविधियां कमजोर रहीं। मौसम विभाग ने रविवार को 15 जिलों में हल्की बारिश की संभावना जताई है, हालांकि किसी भी जिले के लिए बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार सैटेलाइट इमेज में राजस्थान के ऊपर से मानसूनी बादल लगभग गायब नजर आ रहे हैं। इसके चलते प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में उमस और गर्मी बढ़ गई है। पिछले 24 घंटों में सबसे अधिक 55 मिमी बारिश चूरू जिले के सादुलपुर में हुई। इसके अलावा झुंझुनूं में 18 मिमी, श्रीगंगानगर में 28 मिमी तथा हनुमानगढ़ जिले में 3 से 38 मिमी तक वर्षा मापी गई। वहीं अलवर और खैरथल-तिजारा में केवल 1-1 मिमी बारिश हुई। बारिश की कमी के बीच तापमान में भी बढ़ोतरी हुई। शनिवार को श्रीगंगानगर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस मापा गया। इसके अलावा फलोदी में 40.6 डिग्री और जैसलमेर में 40 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। बीकानेर, बाड़मेर और जोधपुर में भी दिनभर तेज गर्मी और उमस का असर बना रहा। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान माउंट आबू में करीब 18 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में 15 जुलाई तक किसी भी प्रकार का भारी बारिश का अलर्ट नहीं है। रविवार को झुंझुनूं, सीकर, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर, खैरथल-तिजारा, डीग, दौसा, भरतपुर, करौली, धौलपुर, सवाई माधोपुर, जालोर, सिरोही, उदयपुर और डूंगरपुर जिलों में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। इधर अच्छी बारिश की कामना को लेकर बाड़मेर जिले के भुरटिया गांव में किसानों ने हवन कर मानसून के सक्रिय होने की प्रार्थना की। फिलहाल प्रदेश में मानसून की कमजोर स्थिति के कारण किसानों के साथ आमजन भी अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं।

एयरफोर्स जवान का हाथ तोड़ा, कुल्हाड़ी से सिर फोड़ा

जोधपुर,एजेंसी। जमीन पर अवैध कब्जे और तारबंदी हटाने को लेकर सगे भतीजों ने एयर फोर्स जवान भागाराम (47) और उनके छोटे भाई ओम प्रकाश (39) हमला बोल दिया। दोनों भाइयों को कुल्हाड़ी, सरियों और लाठियों से पीट-पीट कर अधमरा कर दिया। यह घटना जोधपुर के विवेक विहार थाना क्षेत्र के गुढ़ा विश्नोइयां (मंगल नगर) की है। गंभीर रूप से घायल एयरफोर्स जवान भागाराम को सेना के मिलिट्री अस्पताल (रूा) में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। इस मामले में पुलिस ने 7 नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर (स्रढ्डक्र) दर्ज की है। रविवार दोपहर तक किसी की गिरफ्तारी भी नहीं हुई थी। तारबंदी उखाड़ने का वीडियो बनाया तो चढ़ा दी कैंपर गाड़ी ओमप्रकाश (39) पुत्र घेवरराम विश्नोई ने शनिवार शाम करीब साढ़े चार बजे विवेक विहार थाने में शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि यह विवाद उनके सगे भाई रामसिंह के बेटों से चल रहा है। 10 जुलाई की सुबह करीब 10:30 बजे आरोपी जेसीबी (छ्वष्टक्च) और बजरी से भरा डम्पर लेकर जबरन उनके खेत में घुसे और वहां की गई तारबंदी को उखाड़ने लगे। जब ओमप्रकाश ने इस अवैध कब्जे का अपने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया, तो उनका सगा भतीजा अशोक भड़क गया। अशोक ने जान से मारने की नीयत से अपनी सफेद रंग की कैंपर गाड़ी ओमप्रकाश के पीछे दौड़ा दी और जोरदार टक्कर मारकर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। ओमप्रकाश के गिरते ही आरोपी राकेश, मनीष और महेंद्र ने लोहे के पाइप और लाठियों से उनके सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ वार करने शुरू कर दिए। बीच-बचाव करने आए एयरफोर्स जवान के सिर पर मारी कुल्हाड़ी ओमप्रकाश की चीख-पुकार सुनकर उनकी पत्नी हेमा और बड़े भाई (एयरफोर्स जवान) भागाराम दौड़कर मौके पर पहुंचे। भागाराम ने जब अपने भाई को बचाने का प्रयास किया, तो आरोपियों ने उन पर भी रहम नहीं खाया।

आरोपी पिंटू और उनके साथ आई एक महिला ने जान से मारने की नीयत से भागाराम के सिर प कुल्हाड़ी से सीधा वार कर दिया। इसी बीच महेंद्र ने लाठी और अशोक ने लोहे की रॉड से हमला बोल दिया। सिर पर होने वाले वार को रोकने के लिए जब जवान ने अपना हाथ आगे किया, तो रॉड के भारी प्रहार से उनका हाथ फ्रैक्चर हो गया। आरोपी दोनों भाइयों को मरा हुआ समझकर, उनका मोबाइल लेकर मौके से फरार हो गए।

स्कूल के बाहर खड़ी-स्कूटी से 20 सेकंड में मोबाइल चोरी

जोधपुर,एजेंसी। जोधपुर में एक बदमाश स्कूल के बाहर खड़ी स्कूटी से मोबाइल चुराकर फरार हो गया। बदमाश ने महज 20 सेकंड में इस वारदात को अंजाम दिया। चोरी की यह पूरी वारदात ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में कैद हो गई है, जिसका फुटेज भी सामने आया है। फुटेज में बदमाश इधर-उधर देखते हुए स्कूटी के पास आता है और फिर मोबाइल उठाकर तुरंत फरार हो जाता है। रातानाडा थाना पुलिस शिकायत मिलने के बाद आरोपी की तलाश में जुट गई है। पीड़ित भारत जैन ने रातानाडा थाने में इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि उनकी बेटी 11वीं कक्षा में सेंट पैट्रिक विद्या भवन स्कूल में पढ़ती है। हमेशा की तरह शनिवार को भी वह स्कूटी से स्कूल गई थी। संभवतः वह स्कूटी की डिक्की लॉक करना भूल गई थी और डिक्की के अंदर ही उसका मोबाइल रखा हुआ था। जब वह दोपहर 11:30 बजे स्कूल की छुट्टी के बाद वापस लौटी, तो उसे डिक्की से मोबाइल गायब मिला। इसके बाद जब स्कूल के सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए, तब पता चला कि सुबह करीब 10:30 बजे एक चोर डिक्की खोलकर मोबाइल चुरा ले गया था।

डूंगरपुर में एनीकट में डूबने से चार बच्चों की मौत

तीन सगे भाई-बहनों सहित फुफेरी बहन भी हादसे का शिकार

डूंगरपुर,एजेंसी। जिले के धम्बोला थाना क्षेत्र के बड़ी गांव स्थित वात्रक एनीकट (तालाब) में रविवार सुबह नहाने गए छह बच्चों में से चार की डूबने से मौत हो गई, जबकि दो बच्चों को समय रहते ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मृतकों में एक ही परिवार के तीन सगे भाई-बहन और उनकी फुफेरी बहन शामिल हैं। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

पुलिस के अनुसार रविवार सुबह करीब 10 बजे बड़ी गांव निवासी किसान बाबूसिंह डामोर के तीनों बच्चे हिना (24), प्रतीक (20) और इशिता (15) अपनी फुफेरी बहन रौनक (20) पुत्री गौतम भाई परमार निवासी पालनपुर (गुजरात) तथा दो अन्य बच्चों राजवीर और जयसिंह के साथ वात्रक एनीकट में नहाने गए थे। नहाते समय पानी की गहराई का अनुमान नहीं लगने से सभी बच्चे डूबने लगे। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे। जयसिंह के पिता सुरेश सिंह ने तत्काल पानी में उतरकर जयसिंह और राजवीर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन अन्य चार बच्चों को नहीं बचाया जा सका। सूचना मिलने पर धम्बोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाकर चारों शव बाहर निकाले गए। हादसे में बाबूसिंह डामोर के तीनों बच्चों की मौत हो गई। बड़ी बेटी हिना गांव के एक निजी विद्यालय में शिक्षिका थी। प्रतीक ने हाल ही में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर कॉलेज में प्रवेश के लिए आवेदन किया था, जबकि सबसे छोटी बेटी इशिता 11वीं कक्षा की छात्रा थी। रौनक चार दिन पहले ही पालनपुर से अपने मामा के घर छुट्टियां बिताने आई थी। घटना में घायल राजवीर और जयसिंह को सीमलवाड़ा अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। धम्बोला थाना के एसआई अशोक कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। रौनक के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई है। ग्रामीणों ने बताया कि वात्रक एनीकट के पास मंदिर होने के कारण बारिश के मौसम में यहां बड़ी संख्या में लोग नहाने आते हैं, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं।

जोधपुर एयरपोर्ट का नया टर्मिनल शुरू

पहली फ्लाइट के यात्रियों का हुआ राजस्थानी स्वागत

जोधपुर,एजेंसी। जोधपुर एयरपोर्ट के नवनिर्मित टर्मिनल से रविवार सुबह नियमित उड़ानों का संचालन शुरू हो गया। पहली फ्लाइट से जोधपुर पहुंचे यात्रियों का राजस्थानी परंपरा के अनुसार कुमकुम तिलक, ढोल-थाली की मंगलध्वनि तथा लंगा-मांगणियार कलाकारों की लोक प्रस्तुतियों के साथ स्वागत किया गया। इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पहली उड़ान के यात्रियों का स्वागत किया और उन्हें शुभकामनाएं देकर रवाना किया। पहली उड़ान के यात्री चंद्रवीर सिंह को केंद्रीय मंत्री ने टिकट और स्वागत किट भेंट की। इस ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाने के लिए शेखावत ने यात्रियों के साथ केक भी काटा। पत्रकारों से बातचीत में शेखावत ने कहा कि नए टर्मिनल से यात्रा करने वाले यात्रियों को आधुनिक सुविधाओं के साथ बेहतर अनुभव मिलेगा और जोधपुर आने-जाने वाला हर व्यक्ति शहर की सकारात्मक छवि लेकर जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि 4 जुलाई को नए टर्मिनल का उद्घाटन करते समय 12 जुलाई से नियमित संचालन शुरू करने का वादा किया गया था, जिसे समय पर पूरा कर दिया गया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 की तुलना में आज जोधपुर एयरपोर्ट पर यात्रियों और उड़ानों की संख्या दस गुना से अधिक बढ़ चुकी है। वर्तमान में जोधपुर देश के लगभग सभी प्रमुख शहरों से हवाई मार्ग से जुड़ चुका है तथा पर्यटन सीजन में इसकी कनेक्टिविटी और मजबूत हो जाती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में उड़ानों और गंतव्यों की संख्या में और वृद्धि होगी। शेखावत ने कहा कि नए टर्मिनल को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। आवश्यकता पड़ने पर न्यूनतम बदलाव के साथ इसे अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल के रूप में भी विकसित किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 से 12 वर्षों में जोधपुर को 42 नई रेलगाड़ियों की सौगात भी मिली है, जिससे क्षेत्र की कनेक्टिविटी लगातार मजबूत हुई है। बातचीत के दौरान जब उनसे जोधपुर की पसंदीदा नमकीन और मिठाई के बारे में पूछा गया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि चौधरी का मिर्ची बड़ा, सूरसागर का समोसा, प्याज की कचौरी और चतुर्भुज के गुलाब जामुन जोधपुर की समृद्ध स्वाद-परंपरा का हिस्सा हैं।

भाई के नाम जमीन, बेटे ने पिता को मार डाला

पुत्र, साला समेत तीन आरोपी गिरफ्तार; घर के बाहर सोए बाप को डंडों से पीटकर की हत्या

बाड़मेर,एजेंसी। बाड़मेर में जमीन अपने नाम नहीं करने से नाराज बेटे ने अपने ससुर और साले के साथ मिलकर पिता की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। बुरी तरह घायल पिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसके बाद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने घटना के तीन दिन बाद शनिवार रात 7 बजे तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना बाड़मेर सदर थाना इलाके शोभाला जैतमाल 8-9 की रात की है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। सदर थाना सांड करतार सिंह के अनुसार शोभाला जेतमाल निवासी रूपाराम पुत्र रावताराम ने 9 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया कि 8 जुलाई की रात उसके पिता रावताराम और दादा भारमलराम घर के बाहर सो रहे थे। रात करीब 12 बजे रेखाराम पुत्र रावताराम, दिलीप पुत्र विशनाराम, विशनाराम, चैनी पत्नी रेखाराम, चूनी पत्नी पपूराम और दो-तीन अन्य लोग हथियार और लाठियां लेकर वहां पहुंचे। आरोप है कि सभी ने रावताराम के साथ जान से मारने की नीयत से मारपीट शुरू कर दी। हमले में उनके सिर, पेट और पैर पर गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे दादा भारमलराम के साथ भी मारपीट की गई और उन्हें चारपाई के नीचे दबा दिया गया। **चिल्लाने की आवाज सुनकर महिलाएं आई-**चिल्लाने की आवाज सुनकर दादी जमाना और मां मूली मौके पर पहुंचीं। इसके बाद आरोपी वहां से भाग गए। परिजन घायल रावताराम को हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां इलाज शुरू किया गया। लेकिन 9 जुलाई की सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। **बेटे समेत तीन आरोपी गिरफ्तार-**पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी गई। तकनीकी और सूचना के आधार पर बेटा रेखाराम (33) पुत्र रावताराम निवासी शोभाला जेतमाल, साला दिलीप (20) पुत्र विशनाराम निवासी कुड़ला बाड़मेर, किशन (21) पुत्र नरपतसिह निवासी असाडा की बेरी बाड़मेर को डिटेन किया।

शेखावत का गहलोत पर तंज, बोले- विकास कार्य देखकर टूट जाएगा राजनीति का भ्रम

जोधपुर,एजेंसी। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल से नियमित उड़ानों के शुभारंभ के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि जोधपुर में हुए विकास कार्यों को देखने के बाद उनके मन में बना 'राजनीति का भ्रम और आवरण' समाप्त हो जाएगा। एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि कुछ दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक रूप से सवाल उठाया था कि 12 वर्षों में सांसद के रूप में उन्होंने क्या काम किया। उन्होंने कहा कि अब गहलोत के सामने बड़ी चुनौती यह होगी कि वे जिस भी रास्ते से जोधपुर आएंगे, उन्हें विकास कार्य दिखाई देंगे। शेखावत ने कहा कि यदि गहलोत हवाई मार्ग से आएंगे तो उन्हें नया एयरपोर्ट टर्मिनल नजर आएगा। रेल से आने पर नया रेलवे स्टेशन दिखाई देगा और सड़क मार्ग से आने पर बोरानाड़ा से बिलाड़ा तक बनी सीमेंट-कंक्रीट की फोरलेन सड़क दिखेगी। उन्होंने दावा किया कि इस सड़क की घोषणा पूर्ववर्ती सरकार के समय हुई थी, लेकिन निर्माण नहीं हो सका। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बनाड़ और नांदड़ी क्षेत्र में बरसात के दौरान जलभराव की समस्या को दूर करने के लिए एलिवेटेड रोड का निर्माण कराया गया है।

हार्ट अटैक के बाद दिल में बनी 13 सेंटीमीटर की जानलेवा थैली, एसएमएस में दुर्लभ सर्जरी से बची जान

जयपुर,एजेंसी। सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग ने एक बेहद दुर्लभ और जटिल हृदय सर्जरी कर 58 वर्षीय मरीज को नया जीवन दिया है। हार्ट अटैक के बाद मरीज के हृदय के बाएं निलय (लेफ्ट वेंट्रिकल) में करीब 13.4मी11.5 सेंटीमीटर की विशाल गुब्बारेनुमा थैली (जायंट लेफ्ट वेंट्रिकुलर एन्यूरिज्म) बन गई थी, जिसे पांच घंटे चली जटिल सर्जरी के जरिए सफलतापूर्वक हटाया गया। झुंझुनूं निवासी श्रीराम सहाय लीबिया में काम करते थे, जहां उन्हें हार्ट अटैक आया था। वहां उनकी एंजियोप्लास्टी कर दो स्टेंट लगाए गए, लेकिन जांच में हृदय की सर्जरी की आवश्यकता बताई गई। इसके बाद वे भारत लौटे और एसएमएस अस्पताल में वरिष्ठ हृदय शल्य चिकित्सक डॉ. संजीव देवगढ़ा से परामर्श लिया। मरीज को लगातार सीने में दर्द और सांस लेने में गंभीर तकलीफ हो रही थी। सर्जरी के दौरान मरीज को हार्ट-लंग मशीन पर रखा गया। चिकित्सकों ने प्रभावित हिस्से को हटाकर हृदय की प्राकृतिक संरचना और कार्यक्षमता को सुरक्षित रखते हुए उसका पुनर्निर्माण किया। ऑपरेशन के दौरान सात यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ी। सर्जरी के बाद मरीज को पांच दिन आईसीयू में रखा गया और स्वास्थ्य में सुधार होने पर 10 जून को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

सम्पर्क पोर्टल पर झालावाड़ फिर बना प्रदेश में अव्वल

एडीएम ने समीक्षा बैठक में दिए प्रभावी निस्तारण के निर्देश

झालावाड़ । झालावाड़ जिला तीन माह बाद एक बार फिर राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्रदेश में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। यह उपलब्धि परिवादियों की संतुष्टि और शिकायतों के त्वरित निस्तारण के आधार पर हासिल हुई है। रविवार को मिनी सचिवालय सभागार में एडीएम अनुराग भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी गई। एडीएम अनुराग भार्गव ने इस उपलब्धि पर सभी विभागीय अधिकारियों की सराहना की। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशीलता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। उन्होंने भविष्य में भी इस उत्कृष्ट प्रदर्शन को लगातार बनाए रखने पर जोर दिया। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, विभिन्न आयोगों एवं विशिष्ट व्यक्तियों से प्राप्त प्रकरणों, राजकाज ई-फाइल और सम्पर्क पोर्टल पर लंबित मामलों की समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त, राज्य एवं केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति, मुख्यमंत्री बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन, पेयजल व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफार्मरों एवं विद्युत लाइनों की मरम्मत, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद, हरित राजस्थान मिशन तथा आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

मानसून एवं मौसमी परिस्थितियों को देखते हुए एडीएम ने अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी राजकीय स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण कर असुरक्षित एवं जर्जर भवनों की सूची तैयार करने तथा आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षा संबंधी कार्य प्राथमिकता से पूर्ण कराने के आदेश दिए। साथ ही, मौसमी बीमारियों, हीटवेव और संभावित बारिश को देखते हुए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने देने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं करने के भी निर्देश दिए गए।

पेरिमेनोपॉज का समय महिलाओं के लिए होता है कठिन

महिलाओं की जिंदगी में एक ऐसा समय आता है जब उनका शरीर धीरे–धीरे हार्मोनल बदलावों की ओर बढ़ता है, जो मेनोपॉज यानी मासिक धर्म के पूरी तरह बंद होने पर खत्म होता है। इस चरण को ही पेरिमेनोपॉज कहा जाता है। यह समय मानसिक और शारीरिक दोनों रूप से महिलाओं के लिए चुनौती भरा हो सकता है क्योंकि शरीर में हो रहे बदलाव अचानक नहीं, बल्कि धीरे–धीरे होते हैं और कई बार समझना मुश्किल हो जाता है कि आखिर चल क्या रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, पेरिमेनोपॉज वह अवधि होती है जो मेनोपॉज से कुछ साल पहले शुरू होती है। इस दौरान महिला के शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन जैसे हार्मोन का स्तर ऊपर–नीचे होने लगता है। यही हार्मोन असंतुलन कई तरह के लक्षणों को जन्म देता है, जैसे अनियमित पीरियड्स, मूड स्विंग्स, चिड़चिड़ापन, नींद में कमी, शरीर में गर्माहट , थकान और यौन इच्छा में बदलाव। कुछ महिलाओं को इस दौरान बहुत भावनात्मक उतार–चढ़ाव का सामना भी करना पड़ता है.

ये बदलाव कब होते हैं?

आमतौर पर पेरिमेनोपॉज 40 की उम्र के बाद शुरू होता है, लेकिन कुछ महिलाओं में यह 35 की उम्र के बाद भी देखने को मिलता है। यह कुछ महीनों से लेकर कई साल तक चल सकता है, जब तक महिला का मासिक धर्म पूरी तरह से बंद न हो जाए। कुछ लोगों के लिए यह फेज बिल्कुल हल्का होता है, जबकि कुछ को यह काफी परेशान कर सकता है।

पेरिमेनोपॉज के लक्षणों से राहत पाने के लिए हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी (एचआरटी) एक विकल्प हो सकता है, लेकिन बहुत–सी महिलाएं केवल अपने जीवनशैली में कुछ हेल्दी बदलाव करके भी खुद को बेहतर महसूस कर सकती हैं। यहां हम कुछ ऐसे सरल और असरदार उपाय बता रहे हैं, जो पेरिमेनोपॉज़ के दौरान होने वाली परेशानियों को कम करने में मददगार हो सकते हैं। पहले तो बता दें कि पेरिमेनोपॉज कोई बीमारी नहीं है, बल्कि यह शरीर का नेचुरल बदलाव है. लेकिन इससे होने वाली परेशानियों को कम जरूर किया जा सकता है, वो भी दवाइयों के बिना, कुछ जीवनशैली में बदलाव और प्राकृतिक उपायों से. इस समय शरीर को अधिक पोषण की जरूरत होती है. इसलिए डाइट में कैल्शियम, आयरन, ओमेगा–3 फैटी एसिड और विटामिन डी जरूर शामिल करें। हरी सब्जियां, फल, दालें, दूध, दही और मेवा का सेवन करें। रोजाना योग, वॉक या हल्का स्ट्रेचिंग करने से न केवल शरीर में ऊर्जा बनी रहती है, बल्कि मूड भी बेहतर होता है और नींद अच्छी आती है। नींद की कमी से मूड स्विंग्स और थकावट बढ़ सकती है। इसलिए कोशिश करें कि हर दिन कम से कम 7–8 घंटे की नींद लें। मेडिटेशन, डीप ब्रीदिंग और अपना मनपसंद शौक अपनाकर तनाव से राहत पाने की पूरी कोशिश करें। इसके अलावा यह समझना जरूरी है कि यह फेज हर महिला के जीवन में आता है। ज्यादा जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लेना सबसे बेहतर उपाय है।

रोजाना एक लहसुन का सेवन करने से कई बीमारियों से मिल सकता है छुटकारा

महिलाओं को ऐसी बहुत सी समस्याएं होती है जिसका सही समय पर इलाज न होने पर वो किसी बड़ी बीमारी का रुप ले लेती है। इसलिए उन्हें शुरुआत से ही सावधान रहना चाहिये। वैसे तो लहसुन का इस्तेमाल खाना बनाने के लिए किया जाता है लेकिन इससे महिलाओं की कई तरह की समस्याएं दूर हो सकती है। रोजाना केवल एक लहसुन का सेवन करने से आप कई तरह बीमारियों से छुटकारा पा सकती हैं। इसके लिए आपको दवाइयों का सहारा भी नहीं लेना पड़ेगा। एक आम समस्या कब्ज की है जो महिलाएं किसी से कह नहीं पातीं।

जिसके कारण उनकी ये समस्यां किसी बड़ी बीमारी का रुप ले लेती है। इसके लिए रोजाना एक लहसुन की कली को शहद में मिला कर खाने से शरीर के विषाक्त पदार्थों बाहर निकल जाएंगे और आपकी कब्ज की समस्या दूर हो जाएगी।

पैरों की झनझनाहट

पैरों में झनझनाहट होने पर आप इसे छोटी सी बात समझ कर अनदेखा कर देते है। लहसुन में मौजुद प्रोटीन, वसा, कार्बोज, खनिज पदार्थ नसों की झनझनाहट की समस्यां दूर हो जाती है। रोजाना एक लहसुन की कली खाने से बार–बार पैरों में झनझनाहट होनी बंद हो जाएगी।

आज के समय में ब्लड प्रैशर की समस्यां ज्यादातर महिलाओं में देखने को मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार हाई बल्ड प्रैशर होने पर खाली पेट लहसुन का सेवन करने से इस समस्यां से छुटकरा पाया जा सकता है। ये ब्लड सर्कुलेशल को बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा लहसुन खाना दिल के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है।

इम्युन सिस्टम मजबूत

शरीर की ज्यादातर बीमारियां इम्यून सिस्टम के कमजोर होने पर होती है। रोजाना खाली पेट एक लहसुन का पेस्ट बनाकर नींबू और शहद मिला कर खाने से इम्यून सिस्टम तो ठीक रहता ही है साथ ही इससे कोलेस्ट्रॉल भी कंट्रोल में होता है। लहसुन इन दोनों को बेहतर बनाकर शरीर से बीमारियों को दूर रखता है।

हार्ट हेल्थ दुरुस्त करे

लहसुन ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को कम करके हार्ट डिजीज के खतरे को कम करता है। यह शरीर के ब्लड सर्कुलेशन और फ्लो में सुधार करके आर्टरीज में प्लाक के निर्माण को रोकता है। साथ ही यह सूजन को कम करता है और हार्ट की फंक्शनिंग को बढ़ावा देकर हार्ट को हेल्दी बनाना है।

ब्रेन हेल्थ बेहतर करे

लहसुन में मौजूद भारी मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो हमारे शरीर को उम्र बढ़ने के साथ होने वाले कॉग्नेटिव लॉस से लड़ने में मदद करता है। यह अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी अन्य ब्रेन से जुड़ी बीमारियों के जोखिम को भी कम कर सकता है या उनकी प्रगति को धीमा कर सकता है।

ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करे

डायबिटीज के मरीजों के लिए लहसुन किसी वरदान से कम नहीं है। रोजाना इसे खाने से इंसुलिन सेंसिटिविटी और इम्यून सिस्टम में सुधार होता है, जिससे ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। इस तरह यह डायबिटीज के मरीज या इसके विकसित होने के हाई रिस्क वाले लोगों के लिए फायदेमंद साबित होता है।

पाचन में सुधार

रोजाना लहसुन की एक कली खाने से आपके पाचन में भी सुधार होता है। इसे खाने से डाइजेस्टिव एंजाइम्स का प्रोडक्शन बढ़ता है। इससे हेल्दी गट बैक्टीरिया को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे पाचन और उसकी अन्य प्रक्रियाओं में मदद मिलती है। कुल मिलाकर लहसुन बेहतर पाचन को बढ़ावा देने में मदद करता है और ब्लोटिंग, गंभीर कब्ज जैसी पाचन संबंधी समस्याओं को रोकने में मदद कर सकता है।

इम्युनिटी बढ़ती है

अगर आप अपनी कमजोर इम्युनिटी से परेशान हैं, तो लहसुन आपके लिए रामबाण से कम नहीं है। इसे खाने से आपकी इम्युनिटी नेचुरली बूस्ट हो सकती है। इसमें मौजूद एलिसिन में एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीफंगल गुण होते हैं, जिससे शरीर का इम्यून सिस्टम बेहतर होता है। साथ ही इससे सर्दी, जुकाम और रेस्पिरेटरी संबंधी बीमारियों लड़ने में मदद मिलती है।

बालों को बांधकर रखना है नुकसानदेह

आजकल अधिकतर महिलाएं काम में आसानी के लिए अपने बालों का जूड़ा बना लेती हैं। इसके साथ ही आजकल हेयर बन बनाना काफी प्रचलन में है। कुछ महिलाएं तो फैशन के तौर पर कभी–कभी जूड़ा बनाती है लेकिन कई महिलाएं हमेशा बालों को बांध कर रखती हैं। इस हेयर स्टाइल से चेहरे को तो बढ़िया लुक मिलती है लेकिन इससे बालों को नुकसान पहुंचता है।

हमेशा बालों को बांध कर रखने से वे ऑयली हो जाते हैं जिस वजह से बालों में डैंड्रफ की समस्या हो जाती है। इसके अलावा ऑयली बालों की वजह से बालों में खुजली और जूओं पड़ जाती हैं। बालों का जूड़ा बनाने की वजह से वे पीछे की तरफ खिंच जाते हैं और बालों की जड़ें कमजोर हो जाती हैं। ऐसे में बाल टूटने लगते हैं। वहीं कुछ महिलाएं बालों को धोने के बाद उन्हें ठीक से सूखने भी नहीं देती और उन्हें बांध लेती है। इससे बालों को हवा नहीं लगती जिससे उनमें से बदबू आने लगती है

बारिश का पानी बालों के लिए नुकसानदायक है या नहीं?

: क्या बारिश का पानी बालों को खराब कर देता है? केवल बारिश का पानी बाल झड़ने या खराब होने का सीधा कारण नहीं माना जाता। हालांकि, प्रदूषित वातावरण में शुरुआती बारिश के पानी में धूल, प्रदूषक और अन्य कण मिल सकते हैं, जो स्कैल्प और बालों को प्रभावित कर सकते हैं। यदि बारिश में भीगने के बाद बाल लंबे समय तक गीले रहें या उनकी सही देखभाल न की जाए, तो स्कैल्प में खुजली, रूखापन या फंगल संक्रमण जैसी समस्याओं का जोखिम बढ़ सकता है। इसलिए बारिश के बाद बालों को साफ करना और अच्छी तरह सुखाना बेहतर माना जाता है।

मानसून का मौसम आते ही बारिश में भीगने का अपना अलग ही आनंद होता है। कई लोग पहली बारिश का स्वागत खुले आसमान के नीचे करते हैं, तो कुछ लोग इस डर से बारिश से बचते हैं कि कहीं उनके बाल खराब न हो जाएं। आपने भी अक्सर सुना होगा कि बारिश का पानी बाल झड़ने लगता है, पहली बारिश के बाद सिर जरूर धोना चाहिए या रेनवॉटर से स्कैल्प खराब हो जाता है। लेकिन क्या ये बातें सच हैं या सिर्फ लंबे समय से चली आ रही मान्यताएं?

असल में बारिश के पानी को लेकर कई तरह के मिथक प्रचलित हैं। कुछ लोग इसे पूरी तरह नुकसानदायक मानते हैं, जबकि कुछ का कहना है कि प्राकृतिक वर्षा का पानी बालों के लिए अच्छा होता है। सच्चाई इन दोनों के बीच कहीं है। बालों पर असर केवल बारिश के पानी से नहीं, बल्कि हवा में मौजूद प्रदूषण, आपके स्कैल्प की स्थिति, बालों की देखभाल की आदतों और बारिश के बाद अपनाए गए हेयर केयर रूटीन पर भी निर्भर करता है।

अगर आप भी यह जानना चाहते हैं कि बारिश में भीगने के बाद क्या करना चाहिए, कौन–सी बातें सिर्फ मिथक हैं और किन बातों का वैज्ञानिक आधार है, तो यह लेख आपके लिए है।

मिथक 1– बारिश का पानी पड़ते ही बाल झड़ने लगते हैं।

तथ्य

केवल बारिश का पानी बाल झड़ने का सीधा कारण नहीं माना जाता।

बाल झड़ने के पीछे तनाव, पोषण की कमी, हार्मोनल बदलाव, आनुवंशिक कारण और कुछ चिकित्सीय स्थितियां भी जिम्मेदार हो सकती हैं।

यदि स्कैल्प लंबे समय तक गीला रहे या साफ न रखा जाए, तो समस्या बढ़ सकती है।

मिथक 2– पहली बारिश का पानी सबसे ज्यादा नुकसान करता है

तथ्य

लंबे सूखे मौसम के बाद शुरुआती बारिश में वातावरण की धूल और प्रदूषक नीचे आ सकते हैं।

ऐसे में पहली बारिश के दौरान लंबे समय तक भीगने से बचना एक व्यावहारिक सावधानी हो सकती है।

हालांकि हर पहली बारिश समान नहीं होती; यह स्थानीय प्रदूषण और मौसम की स्थिति पर भी निर्भर करता है।

मिथक 3– बारिश में भीगने के बाद बाल धोने की जरूरत नहीं होती

तथ्य

यदि आप प्रदूषित वातावरण में भीगे हैं, तो हल्के शैम्पू या सिर्फ साफ पानी से बाल धोना उपयोगी हो सकता है।

इससे धूल, गंदगी और अन्य कण हटाने में मदद मिलती है।

बहुत अधिक शैम्पू का बार–बार उपयोग भी बालों को रूखा बना सकता है।

मिथक 4– बारिश का पानी बालों को हमेशा रूखा बना देता है

तथ्य

सभी लोगों के साथ ऐसा नहीं होता।

रूखापन इस बात पर निर्भर करता है कि बाल पहले से कितने ड्राई हैं, आपने कौन–से हेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल किए हैं और बारिश के बाद उनकी देखभाल कैसे की।

जरूरत पड़ने पर हल्का कंडीशनर या सीरम इस्तेमाल किया जा सकता है।

मिथक 5– गीले बाल बांधना सुरक्षित है

तथ्य

लंबे समय तक गीले बाल बांधकर रखने से स्कैल्प में नमी बनी रह सकती है।

इससे खुजली, बदबू या फंगल संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

बालों को पहले अच्छी तरह सुखाना बेहतर होता है।

बारिश में भीगने के बाद बालों की देखभाल कैसे करें?

घर पहुंचते ही बालों को साफ पानी से धो लें।

तौलिए से धीरे–धीरे थपथपाकर सुखाएं, जोर से रगड़ें नहीं।

हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करें तो कम तापमान रखें।

गीले बालों में जोर से कंघी करने से बचें।

स्कैल्प को लंबे समय तक गीला न रहने दें।

सप्ताह में जरूरत के अनुसार डीप कंडीशनिंग करें।

मानसून में बालों को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

संतुलित आहार लें।

पर्याप्त पानी पिएं।

स्कैल्प की नियमित सफाई करें।

अपना कंघा और तौलिया साझा न करें।

जरूरत से ज्यादा हेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल न करें।

हेलमेट या कैप पहनने के बाद बालों को हवा लगने दें।

किन लोगों को ज्यादा सावधानी रखनी चाहिए?

जिनकी स्कैल्प ऑयली रहती है।

जिन्हें पहले से डैंड्रफ है।

जिनकी स्कैल्प संवेदनशील है।

जिन लोगों को बार–बार फंगल संक्रमण होता है।

जिनके बाल रासायनिक उपचार (कलर, स्मूदनिंग आदि) से गुजर चुके हैं।

मोटापे के कारण महिलाओं के प्रजनन स्तर पर भी पड़ता है विपरीत प्रभाव

मां बनना हर महिला का सपना होता है पर गर्भधारण करने से पहले अगर कुछ सावधानी रखें तो मां और बच्चा दोनो ही स्वस्थ रहते हैं। इसलिए गर्भधारण करने से पूर्व पूरी तरह से स्वस्थ रहना बहुत जरूरी होता है। इस दौरान आपको अपने वजन का भी खास ध्यान रखना पड़ता है। अगर आप गर्भधारण करने के बारे में सोच रहीं हैं तो आपको सबसे पहले अपने बढ़ते वजन को नियंत्रित करना चाहिए। अगर आप गर्भावस्था से पहले मोटी हैं तो इसके कारण आपको गर्भावस्था के दौरान कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ किलो वजन घटाकर आप गर्भावस्था से जुड़ी कई तरह की समस्या को दूर कर सकती हैं। तो चलिए हम आपको इसके कुछ और कारण बताते हैं कि क्यों गर्भावस्था से पहले आपको अपना वजन कम कर लेना चाहिए। इन कारणों को जानने के बाद आप वजन घटाने के लिए तैयार हो जाएंगीं।

कई शोधों में ये दावा किया जा चुका है कि गर्भपात, बच्चे में कोई कमी और जन्म के दौरान किसी भी तरह की परेशानी का कारण मोटापा हो सकता है।

प्रजनन में आती हैं दिक्कतें

मोटापे के कारण आपकी प्रजनन क्षमता भी कम हो सकती है। मोटापे का असर महिलाओं के प्रजनन स्तर पर भी पड़ता है। जी हां, ये बात सच है कि मोटापे के कारण कई महिलाएं शुरुआती स्तर में ही गर्भधारण नहीं कर पाती हैं।

गर्भावस्था के दौरान मोटापे की वजह से उच्च रक्तचाप, मधुमेह और अन्य कई तरह की समस्यासओं का खतरा बढ़ जाता है। जन्म से ही मधुमेह इन सामान्य खतरों के अलावा आपके बच्चे को कोई घातक परेशानी या रोग भी हो सकता है। अगर गर्भावस्था के दौरान मोटापे के कारण बच्चे को जन्म से ही मधुमेह की शिकायत हो सकती है। इसके अलावा बच्चे को और भी कई रोग होने का खतरा बना रहता है।

वहीं अगर आपका वजन सामान्य है या सामान्य से थोड़ा ज्यादा है तो आपको बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत बिलकुल नहीं है पर इसका मतलब ये नहीं है कि आप लापरवाह हो जाएं और जो कुछ भी मन करे वो खाएं। इस समय आपके शरीर को कई ज्यादा पोषण और देखभाल की जरूरत होती है। इसलिए गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद अपने खानपान और वजन का खास ख्याल रखें

खानपान का रखें ध्यान

अगर आपका वजन सामान्य है या सामान्य से थोड़ा ज्यादा है तो आपको बहुत ज्यादा चिंता करने की जरूरत बिलकुल नहीं है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि आप लापरवाह हो जाएं और जो कुछ भी मन करे वो खाएं। इस समय आपके शरीर को कई ज्यादा पोषण और देखभाल की जरूरत होती है इसलिए गर्भावस्था से पहले, गर्भावस्था के दौरान और प्रसव के बाद अपने खानपान और वजन का खास ख्याल रखें।

सेबी की मंजूरी से पहले चर्चा में आया आईपीओ, ऋतिक रोशन का है बड़ा दांव

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीओ मार्केट में जल्द ही फिटनेस और एक्टिव लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म की एंट्री होने वाली है। इस कंपनी ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास शुरुआती कागजात दाखिल किए हैं। सेबी की मंजूरी से पहले ही

आईपीओ चर्चा में आ गया है। इस आईपीओ की चर्चा में इसलिए भी है क्योंकि बॉलीवुड के चर्चित एक्टर ऋतिक रोशन का दांव है। आइए डिटेल जान लेते हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दाखिल किए गए दस्तावेजों के मसौदे (डीआरएचपी) के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 950 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 17.86 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। दस्तावेज के अनुसार, ऋतिक रोशन के पास कंपनी में 0.20% हिस्सेदारी है, यानी 19.01 लाख शेयर हैं। इस हिस्सेदारी की कीमत 4 करोड़ है। चूंकि कंपनी ने अभी तक अपना प्राइस बैंड घोषित नहीं किया है, इसलिए उनकी हिस्सेदारी की बिक्री से मिलने वाली कुल रकम का पता नहीं लगाया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक ऋतिक रोशन कंपनी के 3,500-4,000 करोड़ के पब्लिक ऑफर में 6.33 लाख शेयर बेचने वाले हैं।

कौन-कौन बेच रहा हिस्सेदारी: डीआरएचपी से यह भी पता चला है कि बिक्री पेशकश के तहत शेयर बेचने वाले अन्य शेयरधारकों में चिराटे, टेमासेक, फिटनेस फर्स्ट, मुकेश बंसल, टाटा डिजिटल, ब्रूनो एडुआर्ड राशले, श्रोडर्स कैपिटल, एक्सेल, एपिक कैपिटल, कलारी और वलेचा इन्वेस्टमेंट्स शामिल हैं।

कंपनी क्या करेगी पैसे का

बेंगलुरु मुख्यालय वाली कंपनी नए इश्यू से मिली रकम का इस्तेमाल कुछ कर्ज चुकाने, अपने फिटनेस सेंटर नेटवर्क को बढ़ाने, मौजूदा केन्द्रों के लिए पट्टे से जुड़े भुगतान, ब्रांड डिस्ट्रिब्यूशन और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए करेगी। जानकारी के मुताबिक कंपनी नए सेंटर खोलने के लिए नए इश्यू से मिलने वाले 276.6 करोड़ रुपये का इस्तेमाल करने की योजना बना रही है। इसने पहचाने गए मौजूदा सेंटर्स के लिए लीज, किराए और लाइसेंस पेमेंट के लिए 217.5 करोड़ रुपये तय किए हैं। वहीं, 120 करोड़ रुपये का इस्तेमाल कर्ज चुकाने या समय से पहले चुकाने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा, ब्रांड मार्केटिंग और बिजनेस प्रमोशन के लिए 75 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। नए एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट खोलने के लिए सब्सिडियरी में 23.4 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। बता दें कि 31 मार्च 2026 तक कंपनी 77 शहरों में 708 फिटनेस केंद्र चला रही थी।

कुल मिलाकर 50 बेसिस पॉइंट्स (0.5 फीसदी) की दर बढ़ोतरी हो सकती है।

इस साल के आखिर तक बढ़ेगा बोझ

ब्याज दरों में बदलाव का हिंट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के जल्द ही पॉलिसी दरों में कोई बदलाव न करने की संभावना है। लेकिन, सिक्योरिटीज का अनुमान है कि दिसंबर 2026 से कुल मिलाकर 50 बेसिस पॉइंट्स (0.5 फीसदी) की दर बढ़ोतरी हो सकती है। वजह है कि महंगाई का जोखिम अब घरेलू कारणों से बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैक्रो-इकोनॉमिक जोखिम भू-राजनीतिक तनाव से हटकर स्थानीय मौसम की स्थितियों की ओर बढ़ गए हैं। भविष्य की मॉनेटरी पॉलिसी तय करने में इनकी अहम भूमिका होने की उम्मीद है। फर्म ने खपत और निवेश की मजबूत मांग का हवाला देते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ग्रोथ का अनुमान 6.5% से बढ़ाकर 6.9% कर दिया है। रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स महंगाई दर 4.8% रहने का अनुमान लगाया गया है। यह पहले के अनुमानों से कम है। हालांकि, इसमें चेतावनी दी गई है कि सामान्य से

कम मॉनसून बारिश और अल-नीनो का बढ़ता जोखिम वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी छमाही में खाने-पीने की चीजों की महंगाई बढ़ा सकता है। इसके चलते ग्रामीण आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ने के आसार हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि अनाज का पर्याप्त स्टॉक, बेहतर व्यापार शर्तें और ग्लोबल कमोडिटी की कीमतों में नरमी से अर्थव्यवस्था को इन जोखिमों से निपटने में मदद मिलने की उम्मीद है। बाहरी मोर्चे पर सिक्योरिटीज का अनुमान है कि तेल की कीमतों में कमी के कारण वित्त वर्ष 2026-27 में भारत का करंट अकाउंट डेफिसिट घटकर का 1.2% रह जाएगा।

एनबीएफसी को होगा फायदा

रिपोर्ट में कहा गया है कि लिक्विडिटी की अनुकूल स्थिति और बैलेंस ऑफ पेमेंट्स की मजबूत स्थिति से क्रेडिट ग्रोथ को बढ़ावा मिलने की संभावना है। इसमें यह भी कहा गया है कि बेहतर मैक्रो-इकोनॉमिक माहौल से नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों को फायदा होगा। खासकर रिटेल, व्हीकल फाइनेंस और लेंडिंग के क्षेत्र में क्योंकि खपत और निवेश बढ़ने से क्रेडिट की मांग भी बढ़ेगी। हालांकि, सिक्योरिटीज ने चेतावनी दी है कि महंगाई के बदलते हालात की ओर से दरों में संभावित बढ़ोतरी से कुछ लेंडर्स के लिए फंडिंग की लागत ऊंची बनी रह सकती है। इसमें कहा गया है कि एनबीएफसी के लिए लायबिलिटी मैनेजमेंट, प्राइसिंग डिसिप्लिन और एसेट क्वालिटी की निगरानी महत्वपूर्ण बनी रहेगी।

रूस से तेल खरीद रहे देशों को टारगेट करने वाला है अमेरिका

बन गया है प्लान, भारत के लिए मायने

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के चार सीनेटर रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले अपडेटेड कानून को आगे बढ़ाने के लिए ट्रंप प्रशासन के साथ एक समझौते पर पहुंच गए हैं। शुक्रवार को उन्होंने इसके बारे में जानकारी दी। भारत का इस पूरे घटनाक्रम से सीधा लेनादेना है। कारण है कि भारत भी रूस से तेल खरीदता है।

सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल, लिंडसे ग्राहम, जीन शाहीन और रोजर विकर ने एक बयान जारी किया। इसमें कहा, 'हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हम रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले अपने अपडेटेड कानून को आगे बढ़ाने के लिए ट्रंप प्रशासन के साथ एक समझौते पर

पहुंच गए हैं। हम इस महत्वपूर्ण प्रगति से बहुत खुश हैं। उम्मीद करते हैं कि यह कानून जल्द ही लागू हो जाएगा।'

बयान में कहा गया, 'जैसे-जैसे रूस आम नागरिकों की हत्याएं बढ़ा रहा है, यह जरूरी है कि विधायी और कार्यकारी शाखाएं मिलकर ऐसे उपाय करें जिनसे उन लोगों को भारी कीमत चुकानी पड़े जो रूसी तेल और प्राकृतिक गैस खरीदते हैं। पुतिन की युद्ध मशीन को बढ़ावा देते हैं।' व्हाइट हाउस ने टिप्पणी के अनुरोध पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

ग्राहम ने की थी जेलेंस्की से मुलाकात ग्राहम ने शुक्रवार को कीव में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि इस समझौते का मतलब है कि कानून को आगे बढ़ाया जा सकता है। इससे ट्रंप को युद्ध खत्म करने में मदद के लिए नए साधन मिलेंगे। यह युद्ध अब अपने पांचवें साल में है। कीव की अपनी 10वीं यात्रा के समापन पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'हम व्हाइट हाउस के साथ रूसी प्रतिबंध विधेयक के एक ऐसे संस्करण पर सहमत हुए हैं जिसका वे समर्थन करेंगे। इसका मतलब है कि यह कानून बन जाएगा।' यह कानून उन देशों पर प्रतिबंध लगाएगा जो रूस के साथ व्यापार करते हैं।

जल्दी करें, रिलैक्स रहें... इनकम टैक्स विभाग भेज रहा मैसेज

नई दिल्ली, एजेंसी। इनकम टैक्स विभाग इस समय लोगों के मोबाइल पर इनकम टैक्स रिटर्न से संबंधित मैसेज भेज रहा है। इसमें विभाग लोगों को याद दिला रहा है अगर आपने अभी तक आईटीआर फाइल नहीं किया है तो जल्दी करें, ताकि आप रिलैक्स रह सकें। यह मैसेज कोई चेतावनी या कानूनी नोटिस नहीं है। इसके बजाय, यह इनकम टैक्स विभाग की एक कोशिश है ताकि टैक्सपेयर्स आखिरी समय की हड़बड़ी, तकनीकी दिक्कतों और गलतियों से बचने के लिए अपना रिटर्न समय से पहले दाखिल कर सकें। ऐसे आम लोग और नौकरीपेशा (सैलरी पाने वाले) टैक्सपेयर्स, जिन्हें अपने खातों की जांच (ऑडिट) करवाने की जरूरत नहीं होती है, उनके लिए असेसमेंट ईयर 2026-27 (वित्तीय वर्ष 2025-26) का आईटीआर भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई 2026 है।

एचडीएफसी का वो इस्तीफा जिसने बढ़ाई बैंक की परेशानी, खुद सीईओ ने बता दिया

नईदिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के दिग्गज एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शशिधर जगदीशन ने अंशकालिक चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक इस्तीफा देने की घटना पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह बैंक के लिए एक चुनौतीपूर्ण घटना रही, जिससे बैंक के संचालन मानकों पर सवाल उठे। बता दें कि चक्रवर्ती ने कार्यकाल पूरा होने से एक साल से भी अधिक पहले 18 मार्च 2026 को नैतिक कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था। पहली बार बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच पद छोड़ा था।

क्या कहा बैंक के सीईओ जगदीशन ने: जगदीशन ने बैंक की शनिवार को जारी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि चक्रवर्ती के त्यागपत्र में किए गए जिक्र के बाद बैंक के निदेशक मंडल ने मामले की समीक्षा के लिए बाहरी कानूनी फर्मों को नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि बैंक के अमेरिकी डिपॉजिटरी रिसीट (एडीआर) के न्यूयॉर्क शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के कारण घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर की फर्मों को इस प्रक्रिया में शामिल किया गया।

जगदीशन के अनुसार 26 जून 2026 को साझा किए गए जांच निष्कर्षों में कहा गया कि इस्तीफे के पत्र में किए

गए दावों और उनके निहितार्थों की उपलब्ध अभिलेखों और साक्षात्कारों से पुष्टि नहीं हुई। उन्होंने कहा कि बैंक कॉरपोरेट संचालन मानकों को और मजबूत करने के लिए अपनी आंतरिक प्रणालियों और नियंत्रण प्रक्रियाओं को लगातार अपडेट कर रहा है। जगदीशन ने बैंक के नए अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किए गए राजीव कुमार का स्वागत करते हुए कहा कि वित्तीय सेवा सचिव और बाद में वित्त सचिव के रूप में उनके अनुभव का बैंक को लाभ मिलेगा।

अतानु चक्रवर्ती की वित्त वर्ष 2025-26 में कुल आय 3.53 प्रतिशत बढ़कर 1.07 करोड़ रुपये रही। बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व नौकरशाह चक्रवर्ती को वित्त वर्ष 2025-26 में बैठक शुल्क और पारिश्रमिक के रूप में 1,07,25,269 रुपये मिले। यह राशि वित्त वर्ष 2024-25 में मिले 1,03,58,871 रुपये से अधिक है। बैंक के वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, बैंक के अंशकालिक चेयरमैन और स्वतंत्र निदेशक के रूप में चक्रवर्ती को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 50 लाख रुपये का निश्चित पारिश्रमिक मिलना था, जिसे भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी मंजूरी दी थी। अंशकालिक चेयरमैन और स्वतंत्र निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया था, लिहाजा निश्चित पारिश्रमिक का भुगतान आनुपातिक आधार पर किया गया। इसके अलावा, पद छोड़ने की तारीख तक बोर्ड और समितियों की बैठकों में शामिल होने के लिए उन्हें बैठक शुल्क तथा आधिकारिक एवं निजी उपयोग के लिए कार उपलब्ध कराई गई।

एसबीआई फंड आईपीओ का साइज हुआ कम

जीएमपी भी 100 के नीचे आया, चेक करें डीटेल्स

नईदिल्ली, एजेंसी। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के आईपीओ का साइज कम हो गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से प्री आईपीओ प्लेसमेंट में 1.6 प्रतिशत की हिस्सेदारी बेचने के बाद यह कटौती हुई है। अब इस चर्चित आईपीओ का साइज 9812.90 करोड़ रुपये का है। शुरुआती समय में कंपनी को योजना 11692.90 करोड़ रुपये जुटाने की थी। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फार सेल पर आधारित है। कोई भी नया फ्रेश शेयर नहीं जारी किया जाएगा। बता दें, इस फंड कंपनी में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की होल्डिंग है।

शेयर बाजार को दी गई सूचना के अनुसार, बैंक ने यह हिस्सेदारी 574 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेची, जो प्रस्तावित आईपीओ के मूल्य दायरे की ऊपरी सीमा भी है। एसबीआई ने यह हिस्सेदारी 360 वन फंड्स, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस, बेनेट कोलमैन, आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस, कैप्री ग्लोबल वेंचर्स और

कार्नेलियन भारत अमृतकाल फंड सहित विभिन्न निवेशकों को बेची। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट आईपीओ का प्राइस बैंड 545 रुपये से 574 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। कंपनी ने 26 शेयरों का एक लॉट बनाया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14924 रुपये का इनवेस्टमेंट करना होगा। बता दें, यह आईपीओ 14 जुलाई को खुल जाएगा। निवेशकों के पास 16 जुलाई 2026 तक का मौका रहेगा। कंपनी ने कर्मचारियों को एक शेयर पर 54 रुपये की छूट दी है। यह मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ है। ऐसे में इसकी लिस्टिंग बीएसई और एनएसई दोनों जगह होगी। क्वालीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा आरक्षित रहेगा। वहीं, रिटेल निवेशकों के लिए कम से कम 35 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व रहेगा। एनआईआई के लिए कम से कम 15 प्रतिशत रिजर्व रहेगा।

फटे-पुराने जूते सिलने की मजबूरी और कर्ज का बोझ, फिर भाई के साथ बना डाला 9,828 करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। रमेश कुमार दुआ दिल्ली के रहने वाले हैं। अपने भाई मुकुंद लाल दुआ के साथ मिलकर उन्होंने विशाल फुटवियर एम्पायर खड़ा कर दिया। इसका नाम 'रिलैक्सो' है। इसका मार्केट कैपिटलाइजेशन 9,828 करोड़ रुपये है। कभी भारी कर्ज में डूबे एक छोटे पारिवारिक व्यवसाय से शुरुआत करने वाले इन भाइयों ने अपनी मेहनत, दूरदर्शिता और नई तकनीक के दम पर यह कामयाबी हासिल की। इसकी शुरुआत पुराने जूते सिलने से हुई थी। आइए, यहां रमेश कुमार दुआ और उनके भाई मुकुंद लाल दुआ की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

तंगहाली का बुरा दौर देखा: रिलैक्सो की सफलता के पीछे संघर्ष की लंबी और भावुक कहानी है। हरियाणा में जन्मे दोनों भाई तब दिल्ली आ गए थे जब रमेश कुमार दुआ केवल एक साल के थे। उस दौरान उनका पारिवारिक व्यवसाय भारी कर्ज के बोझ तले दबा था। रमेश कुमार दुआ का सपना एक डॉक्टर बनने का था। लेकिन, परिवार की खराब माली हालत को देखते हुए उन्हें महज 17 साल की उम्र में बिजनेस में शामिल होने के लिए कह दिया गया। लोगों की टीम के साथ काम संभालते। हालात इतने चुनौतीपूर्ण थे कि एक समय रमेश खुद टूटे हुए जूतों के सोल ठीक करके

उन्होंने पढ़ाई जारी रखने की शर्त पर कदम आगे बढ़ाया, जहां वह दिन के पहले हिस्से में पढ़ाई करते। दूसरे हिस्से में सिर्फ तीन कुछ रुपये कमाया करते थे। साल 1974 में रमेश और उनके भाई मुकुंद लाल दुआ ने घाटे में चल रहे साइकिल पार्ट्स के बिजनेस को बंद करने का साहसिक और बड़ा फैसला लिया। इसके बाद रमेश रबर तकनीक की बारिकियों को सीखने के लिए लंदन चले गए। वहां उन्होंने 'द प्लास्टिक एंड रबर इंस्टीट्यूट' से कोर्स किया। उन्होंने सीखा कि चमड़े की तुलना में रबर का इस्तेमाल करके कहीं ज्यादा टिकाऊ और मजबूत जूते-चप्पल बनाए जा सकते हैं। भारत लौटकर उन्होंने एक रबर टेक्नोलॉजिस्ट की मदद ली। अपने उत्पादों की गुणवत्ता में क्रांतिकारी सुधार किया। इससे कंपनी के राजस्व में तेजी से बढ़ोतरी होने लगी।

सालों की कड़ी मेहनत के बाद यह कंपनी 1995 में पब्लिक (शेयर बाजार में लिस्टेड) हो गई। इसके बाद भाइयों ने कई बड़े मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स स्थापित किए। आज रिलैक्सो का मार्केट कैप 9,828.10 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। कभी टूटे जूते सिलने वाले रमेश कुमार दुआ आज करीब 11,540 करोड़ की व्यक्तिगत नेटवर्थ के मालिक हैं।

हवाई चप्पल से शुरुआत

कंपनी ने अपनी व्यावसायिक यात्रा की शुरुआत मशहूर 'हवाई चप्पल' के साथ की थी। बेहतर क्वालिटी और आम भारतीयों की जेब के अनुकूल होने के कारण यह ब्रांड जल्द ही हर घर की पसंद बन गया। 1976 में बेहद कम पूंजी से शुरू हुआ यह सफर आगे चलकर एक विशाल साम्राज्य में बदल गया। कंपनी ने समय के साथ नई तकनीकों को अपनाया। अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए स्पार्क्स (स्पोर्ट्स शूज), बहामास, फ्लाइट और स्कूलमेट जैसे लोकप्रिय सब-ब्रांड्स बाजार में उतारे। साल 2020 में कोरोना महामारी के संकट के बावजूद कंपनी ने 17.92 करोड़ रुपये से अधिक की चप्पलें बेची थीं।

डीमार्ट के शेयरों पर सोमवार को रहेगी सबकी नजर, क्यू1 रिजल्ट का हुआ ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। रिटेल आउटलेट्स डी-मार्ट का संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड का वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में नेट प्रॉफिट 11.33 प्रतिशत बढ़कर 860.44 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 772.81 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी ऑपरेटिंग रेवन्यू अप्रैल-जून तिमाही में 14.9 प्रतिशत बढ़कर 18,794.53 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 16,359.70 करोड़ रुपये थी। बता दें, इस कंपनी के प्रमोटर्स राधाकिशन दमानी है। डाटा के अनुसार उनके पास 23 प्रतिशत हिस्सा है। कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 74.50 प्रतिशत है। पब्लिक के पास 7.6 प्रतिशत हिस्सा है। एफआईआई के पास 9 प्रतिशत हिस्सा है। म्यूचुअल फंड्स के पास 6.8 प्रतिशत हिस्सा है। बता दें, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल फंड और एसबीआई म्यूचुअल फंड की कंपनी में हिस्सेदारी है। तिमाही नतीजे के सामने आने के बाद अब सोमवार को कंपनी के शेयरों फोकस में रहेंगे। शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय स्टॉक 0.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 4083.05 रुपये के स्तर पर बंद हुआ था। बीते 6 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 7.30 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। 2026 में यह स्टॉक 9.83 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। हालांकि, इसके बाद भी एक साल में यह स्टॉक 2.03 प्रतिशत गिरा है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 6.76 प्रतिशत लुढ़का है। दो साल में एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड के शेयरों का दाम 15.63 प्रतिशत गिरा है। तीन साल में कंपनी के शेयरों का दाम 8.58 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 5 साल में यह स्टॉक 20.84 प्रतिशत चढ़ा है। हालांकि यह सेंसेक्स इंडेक्स के 48.07 प्रतिशत के रिटर्न की तुलना में काफी कम है।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली और अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों पूर्व पुरुष कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व महिला कप्तान अंजुम चोपड़ा को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। इनके साथ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को भी इस सम्मान से नवाजा गया। यह घोषणा शनिवार को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित एक भव्य समारोह में की गई। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि

ये सम्मान उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन और योगदान से क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा, 'सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन ने अपने-अपने देशों का शानदार नेतृत्व किया है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होकर उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।'

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर सौरव गांगुली ने खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके क्रिकेट करियर के सबसे खास पलों में से एक है। गांगुली ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम देखना हमेशा मेरे लिए गर्व का विषय रहेगा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य रहा है और अब इस तरह सम्मानित होना बेहद विशेष अनुभव है।' उन्होंने आईसीसी चेयरमैन जय शाह का आभार जताते हुए कहा कि यह किसी भी क्रिकेटर के लिए सर्वोच्च सम्मान है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी क्रिकेट की सेवा करते रहने की इच्छा व्यक्त की।

भारतीय क्रिकेट को नई दिशा देने वाले कप्तान – सौरव गांगुली ने ऐसे समय भारतीय टीम की कमान संभाली थी जब मैच फिक्सिंग विवाद के कारण भारतीय क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। उनकी आक्रामक कप्तानी और युवा खिलाड़ियों पर भरोसे ने टीम इंडिया को नई पहचान दिलाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गांगुली ने लगभग 15 वर्षों में 18,575 रन बनाए और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रहे।

अंजुम चोपड़ा ने जताई खुशी – पूर्व भारतीय महिला कप्तान और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर अंजुम चोपड़ा ने कहा कि बचपन से ही उनका सपना भारत के लिए खेलने का था और आज क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच सम्मानित होना उनके लिए बेहद गर्व की बात है।उन्होंने कहा, 'भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व का विषय रहा। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना उन सभी लोगों के प्रयासों का सम्मान है जिन्होंने मेरे करियर को आकार देने में योगदान दिया।

मेसी के बिना भी नहीं रुका अर्जेंटीना

क्वार्टर फाइनल में स्विट्ज़रलैंड को 3-1 से हराया

अल्वारेज और एलिस्टर बने हीरो

कैंसस (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया। बिना लियोनेल मेसी को गोल के भी गतविजेताओं ने अंतिम-4 में जगह बना ली है। कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्यॉय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ। मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

90 मिनट तक स्कोर बराबर, इंजरी टाइम गोल रहित रहा – मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था।

छठी बार फुटबॉल वर्ल्डकप सेमीफाइनल में, अर्जेंटीना, अब इंग्लैंड से मुकाबला

सेमीफाइनल में अर्जेंटीना का 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे। अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है। स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया।

डैन एनड्यॉय ने स्विट्ज़रलैंड को बराबरी दिलाई

हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्यॉय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई।67वें मिनट में डैन एनड्यॉय बाईं ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया।

मेसी के क्रॉस पर मैक एलिस्टर का गोल

डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था।इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

एम्बोलो को रेड कार्ड, मैदान पर रोने लगे

72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ।

इन पांच कारणों के चलते भारतीय टीम को मिली हार

1600 दिन की बादशाहत खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम को एक जीत तक नसीब नहीं हो सकी। पांचवें टी20 में इंग्लैंड ने 56 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज को 4-0 से अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम ने कप्तानी में बदलाव किया था और सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। लेकिन श्रेयस कप्तान के तौर पर अब तक विफल रहे हैं और शुरुआती सात मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिली हार के साथ ही भारतीय टीम की फरवरी 2022 से चली आ रही टी20 क्रिकेट की नंबर-1 बादशाहत भी समाप्त हो गई। इंग्लैंड ने सीरीज 4-0 से अपने नाम करते हुए आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जबकि भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया।

इस हार का असर सिर्फ मैच या सीरीज तक सीमित नहीं रहा। आयरलैंड के खिलाफ 0-2 और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार के बाद भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा बैठा। भारतीय टीम करीब 1600 दिनों तक दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम रही, लेकिन अब यह स्थान इंग्लैंड ने अपने नाम कर लिया। इंग्लिश टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर न सिर्फ सीरीज में क्लीन स्वीप किया, बल्कि टी20 क्रिकेट में नई नंबर-1 टीम बनने का गौरव भी हासिल कर लिया।

वैभव को बाहर करना नहीं आया काम

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने एक ऐसा हैरान करने वाला फैसला लिया था। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तीन मैच खिलाने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया। उनकी जगह अनुभवी खिलाड़ी संजू सैमसन की एकादश में वापसी हुई, जिन्हें पहले सूर्यवंशी के लिए ही टीम से ड्रॉप किया गया था। सूर्यवंशी ने ब्रिटेन दौरे के भारत दौरे पर सात में से तीन मैच खेले और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन छोटी पारियों में कुल 42 रन बनाए। तेज स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने के बावजूद, वैभव अपनी तीन पारियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की गेंदों से मिलने वाले अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पाए। सैमसन को वैभव की जगह पांचवें टी20 मैच में मौका दिया गया, लेकिन उनका बल्ला इस मैच में भी नहीं चला। सैमसन 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए।

इस वजह से करना पड़ा हार का सामना

1. **शीर्ष क्रम की नाकामी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम बुरी तरह से फेल रहा। अभिषेक शर्मा ने शुरुआती दो टी20 में रन बनाए, लेकिन अगले तीन मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा। संजू सैमसन रनों के लिए संघर्ष करते नजर आए, तो वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में मिले तीन मौकों को भुनाने में पूरी तरह से नाकाम रहे। शीर्ष क्रम की नाकामी का असर मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर साफतौर पर नजर आया।
2. **खोखला नजर आया मध्य क्रम:** टीम इंडिया का मध्य क्रम इस टी20 सीरीज में पूरी तरह से खोखला नजर आया। ईशान किशन सीरीज के आखिरी टी20 मैच को छोड़कर बाकी चार मुकाबलों में रनों के लिए जूझते दिखाई दिए। यही हाल तिलक वर्मा का रहा। खुद कप्तान श्रेयस अय्यर भी अपने नाम के अनुरूप निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।
3. **लगातार बल्लेबाजी क्रम से छेड़छाड़ पड़ी भारी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम से लगातार छेड़छाड़ करना महंगा पड़ा। तिलक वर्मा और शिवम दुबे के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया। तीसरे टी20 में तो तिलक और शिवम से ऊपर बल्लेबाजी के लिए अक्षर पटेल तक को भेजा गया। अक्षर पटेल की भी एक स्थान पक्का नजर नहीं आया।
4. **तेज गेंदबाज रहे विफल:** इंग्लैंड की मददगार परिस्थितियों में भारतीय तेज गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पांच मुकाबलों में सिर्फ चार विकेट ही निकाल सके और उनकी इकोनॉमी 9.47 की रही। ऐसा ही कुछ हाल हर्षित राणा का भी रहा, जिन्होंने 10 की इकोनॉमी से रन देने के बाद महज तीन विकेट निकाले। प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ एक ही विकेट चटका सके और उनकी इकोनॉमी भी 9 के ऊपर की रही। युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 10.72 की इकोनॉमी से रन खर्च किए। इंग्लैंड में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी साफतौर पर खली। प्रिंस यादव के लिए तो टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर की शुरुआत ही बेहद निराशाजनक रही है। वह अंबाती रायुडू के बाद दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने शुरुआती चारों टी20 मैच गंवाए हैं। प्रिंस को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू का मौका मिला था।
5. **अय्यर की खराब कप्तानी:** श्रेयस अय्यर की कप्तानी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहद साधारण नजर आई। गेंदबाजों के फेरबदल के साथ-साथ फील्डिंग सेटअप में अय्यर बुरी तरह फेल नजर आए। कप्तानी का दबाव उनकी बल्लेबाजी पर भी कुछ हद तक दिखाई दिया। इसके साथ ही वह हेड कोच गौतम गंभीर संग मिलकर सही टीम संयोजन उतारने में भी नाकाम रहे। अय्यर की कप्तानी पर भी लगातार सवाल खड़े होते रहे हैं। अय्यर पहले ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने शुरुआती सात टी20 मुकाबले गंवाए हैं।

क्या बीसीसीआई लेगा कड़ा फैसला?

गौतम गंभीर जब से भारतीय टीम के मुख्य कोच बने हैं, तभी से टीम का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा है। भारत ने गंभीर के नेतृत्व में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया था। लेकिन टेस्ट प्रारूप में उसका प्रदर्शन निरंतर खराब रहा है। भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज में हार मिली थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी भारत ने गंवा दी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही। अब तक सीमित ओवर में भारत का दबदबा नजर आ रहा था, लेकिन पहले आयरलैंड और अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार ने टी20 टीम में भी कमियों को उजागर करके रख दिया है। आने वाले दिनों में भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है और फिर सितंबर-अक्तूबर में एशियाई खेलों में भी उतरना है। जिस हिसाब से टीम खेल रहे हैं, उसके लिए आने वाले दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि हम सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। यह भी खबर है कि टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है और उनके कार्यकाल को विस्तार नहीं दिया जाएगा। जाहिर है कि गंभीर और श्रेयस भी बोर्ड के रडार पर होंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि लगातार दो हार के बाद क्या बीसीसीआई कोई कड़ा फैसला लेगा या इसी कोचिंग स्टाफ और टीम को वापसी के लिए थोड़ा और समय देगा।

स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ लियोनेल मेसी की टीम ने रैटिन को श्रद्धांजलि देने के लिए पहनी काली पट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान अर्जेंटीना के खिलाड़ी काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे। ऐसा उन्होंने टीम के पूर्व दिग्गज

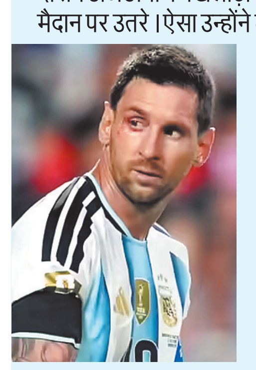

खिलाड़ी एंटोनियो रैटिन को श्रद्धांजलि देने के लिए किया, जिनका शनिवार को निधन हो गया। रैटिन अर्जेंटीना और बोका जूनियर्स के सबसे शानदार खिलाड़ियों में गिने जाते थे। उन्होंने अपने करियर में कई यादगार प्रदर्शन किए और 1962 व 1966 वर्ल्ड कप में भी देश का गौरव बढ़ाया। राटा के नाम से मशहूर रैटिन ने 1956 से 1970 के बीच बोका जूनियर्स के लिए 382 मैच खेले, 28 गोल किए और क्लब को चार लीग खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने 1962 और 1966 फीफा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व भी किया। परिवार की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, एंटोनियो रैटिन का 11 जुलाई को 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बताया गया कि उन्हें स्ट्रोक आने की आशंका थी, जिसके बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से अर्जेंटीना के फुटबॉल जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

इंग्लैंड फुटबॉल वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में

- नॉर्वे को क्वार्टर फाइनल में 2-1 से हराया, बेलिंगहैम ने दो गोल दागे

मियामी गार्डन्स (एजेंसी)। जूड बेलिंगहैम के दो गोल की बदौलत इंग्लैंड ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने रविवार के पहले मुकाबले में नॉर्वे को एक्स्ट्रा टाइम में 2-1 से हराया। इंग्लैंड 2018 के बाद पहली बार वर्ल्ड कप के अंतिम-4 में पहुंचा है। मियामी स्टेडियम में खेला गया मुकाबला तय समय तक 1-1 की बराबरी पर रहा। उसके बाद रियल मैड्रिड के स्टार मिडफील्डर जूड बेलिंगहैम ने टीम के दोनों गोल किए। विजयी गोल एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में हराया। इंग्लैंड का सेमीफाइनल मैच अर्जेंटीना से 15 जुलाई को होगा।जूड बेलिंगहम ने मैच में 2 गोल किए। उनके फीफा वर्ल्ड कप 2026 में अब तक 6 गोल हो गए हैं। इंग्लिश कैप्टन हैरी केन ने भी 6 गोल किए हैं। यह पहली बार है, जब इंग्लैंड के दो खिलाड़ियों ने एक ही वर्ल्ड कप में 5 या उससे अधिक गोल दागे हैं।गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड ने वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के लिए अपना 18वां मैच खेलकर नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पीटर शिल्टन के 17 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वर्ल्ड कप इतिहास में इंग्लैंड के सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले गोलकीपर बन गए।इंग्लैंड ने चौथी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले टीम 1966, 1990 और 2018 के एडीशन के टॉप-4 में शामिल रही थी।

21 साल की लिंडा नोस्कोवा बनीं विंबलडन चैंपियन

- कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से हराया; करियर की बेस्ट रैंकिंग 7 पर पहुंचेंगी

लंदन (एजेंसी)। चेक रिपब्लिक की 21 साल की टेनिस खिलाड़ी लिंडा नोस्कोवा ने विंबलडन 2026 का विमेंस सिंगल्स खिताब अपने नाम कर लिया है। ऑल इंग्लैंड क्लब के सेंटर कोर्ट पर खेले गए फाइनल मुकाबले में नौवीं सीड नोस्कोवा ने अपनी ही हमवतन और पेरिस ओलिंपिक की डबल्स पार्टनर कैरोलीना मुहोवा को 6-2, 5-7, 6-3 से शिकस्त दी। विंबलडन के इतिहास में यह पहली बार था जब दो चेक खिलाड़ियों के बीच फाइनल मैच खेला गया। इस जीत के साथ ही नोस्कोवा को करीब 38.5 करोड़ रुपए (3.6 मिलियन) की इनामी राशि मिली और वे अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 7वीं रैंकिंग पर पहुंच जाएंगी।

4 साल में तीसरी चेक चैंपियन बनीं लिंडा नोस्कोवा – लिंडा नोस्कोवा पिछले चार सालों में विंबलडन महिला सिंगल्स का खिताब जीतने वाली तीसरी चेक खिलाड़ी बन गई हैं। इससे पहले मार्केटा वोंद्रोसोवा ने 2023 और बारबोरा क्रेजिकोवा ने 2024 में यह खिताब जीता था।

मैच पॉइंट गंवाने के बाद कांपने लगी थीं नोस्कोवा – मैच के दौरान एक समय ऐसा आया जब नोस्कोवा आसानी से जीत की तरफ बढ़ रही थीं। वे दूसरे सेट में 6-2, 5-2 से आगे थीं। इसके बाद 10वीं सीड मुहोवा ने जोरदार वापसी की और लगातार 5 गेम जीतकर दूसरा सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान दबाव में नोस्कोवा का बॉडी लैंग्वेज देखने लायक था। वे क्राउड के शोर से बचने के लिए कानों में उंगलियां डालती दिखीं और चेंजओवर के समय विंबलडन के तौलिये में अपना चेहरा छिपा लिया। हालांकि, तीसरे सेट में उन्होंने खुद को संभाला और जीत कर इतिहास रच दिया। जीत के बाद नोस्कोवा कोर्ट पर ही बैठ गईं और भावुक हो गईं। ट्रॉफी मिलने के बाद स्पीच के दौरान वे रो पड़ीं। उन्होंने आसमान की तरफ देखते हुए फ्लाइंग किस किया और अपनी दिवंगत मां को याद किया। नोस्कोवा ने कहा,दो साल पहले

विंबलडन की शुरुआत से ठीक पहले मेरी मां इवाना का निधन हो गया था। मैं उनके बिना आज यहां नहीं होती। मैं अपने पिता को भी धन्यवाद देना चाहती हूं, जो मेरे लिए फ्लाइट का डर होने के बावजूद यहां मैच देखने आए। महिला सिंगल्स फाइनल में सेंटर कोर्ट पर कैरोलिना मुहोवा को हराने के बाद लिंडा नोस्कोवा अपनी दिवंगत मां की याद में आसमान की ओर किस उड़ाती हुईं।

मुहोवा ने मजाकिया अंदाज में कहा- लिंडा मेरी एक्स-फ्रेंड हैं – हार के बाद भावुक मुहोवा ने उपविजेता की ट्रॉफी लेते समय रोते हुए कहा,शब्द ढूंढना मुश्किल है, लेकिन मैं अपनी पूर्व दोस्त (एक्स-फ्रेंड) लिंडा से शुरुआत करूंगी। आपने जिस तरह से दबाव को संभाला और खेला, वह अविश्वसनीय था। आप इस जीत की हकदार हैं। उन्होंने आगे कहा,मैं आगे भी लड़ती रहूंगी। मुझे यह ट्रॉफी चाहिए और उम्मीद है कि मैं फिर से फाइनल में पहुंचकर इसे जीतूंगी। बता दें कि मुचोवा पिछले कुछ समय से कलाई की गंभीर चोट से जूझ रही थीं, जिसके कारण उन्हें एक समय सिंगल-हैंडेड बैकहैंड से खेलना पड़ा था।

नोस्कोवा इस पूरे टूर्नामेंट में कठिन परिस्थितियों से उबरकर आगे बढ़ी हैं। वे इस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में रोमानिया की सोराना सिर्स्टिया के खिलाफ मैच पॉइंट से पिछड़ रही थीं, लेकिन वहां से वापसी कर उन्होंने मैच जीता। विंबलडन के इतिहास में मैच पॉइंट बचाकर खिताब जीतने वाली वे केवल तीसरी महिला खिलाड़ी हैं। उनसे पहले यह कारनामा वीनस विलियम्स (2005) और सेरेना विलियम्स (2009) ही कर सकी थीं।

एक ही घर में वास्तुदोष से नुकसान और वास्तु सुधार से लाभ, जानें पूरी कहानी

अपने भवन का निर्माण जल्दीबाजी में नहीं करना चाहिए। सभी दृष्टियों से सोच-समझकर विद्वान वास्तुकारों की सलाह लेकर ही भवन निर्माण आदि करवाना चाहिए, ताकि नए भवन में रहने पर किसी भी प्रकार के वास्तुदोष की गुंजाइश न रहे। आज यहां एक ऐसे भवन की चर्चा कर रहे हैं, जिसमें वास्तुदोष के कारण मकान मालिक पर कष्ट आया, वास्तु सुधार के बाद आज उनका परिवार सम्पन्न है। बहुत वर्षों पहले एक सज्जन ने विकास प्राधिकरण द्वारा एक भूखण्ड प्राप्त किया था, बैंक से ऋण लेकर मकान बनवाने का विचार किया। वह सज्जन कर्म प्रधान थे, कर्म को सर्वोपरि मानने के कारण ईश्वर पर उनकी आस्था नहीं थी, इसलिए उन्होंने वास्तु के सिद्धान्तों की अवहेलना कर येन-केन-प्रकारेण दो-तीन कमरों का छोटा-सा मकान भूखण्ड पर बना लिया, वह वास्तु के नियमों के सर्वथा विपरीत था। वास्तु विजिट के दौरान उस भूखण्ड पर निम्नलिखित वास्तुदोष पाए गए।

उस भवन में उत्तर व पूर्व दिशाएँ बन्द कर दी गई और दक्षिण-पश्चिम में खुला स्थान अधिक छोड़ दिया गया था।

उत्तर-पूर्व में रसोई घर की स्थिति उपयुक्त नहीं थी।

पूर्व में सीढ़ियाँ तथा दक्षिण-पूर्व यानि आग्नेय कोण पर शौचालय व स्नानघर उचित स्थान पर नहीं थे।

सीढ़ियों के ऊपर ढकने के लिये बनाई गई अटारी के कारण पूर्व की ओर भवन की ऊंचाई पश्चिम व दक्षिण की अपेक्षा अधिक हो गई जो वास्तु के विपरीत थी।

भूखण्ड के दक्षिण में उत्तर की अपेक्षा अत्यधिक स्थान खाली छोड़ कर निर्माण कराया गया था।

इसी प्रकार के वास्तुदोष तथा मकान मालिक की व्यक्तिगत ग्रहदशा के कारण उक्त भूखण्ड क्रय करने के पश्चात् एक वर्ष भी नहीं बीता था कि बीमारी के कारण मकान मालिक की मृत्यु हो गई। कुछ वर्षों बाद उस परिवार के एक सदस्य ने भवन का वास्तु दिखवाया, भवन में निम्नलिखित वास्तु सुधार कराया गया। दक्षिणी भाग में खाली पड़ी अतिरिक्त भूमि को बेचकर उस भूखण्ड को छोटा कराया गया जिससे दक्षिण की ओर खाली स्थान उत्तर की अपेक्षा कम हो गया, जिससे उस जगह का वास्तुदोष समाप्त होने के कारण परिवार के सदस्यों को धन भी प्राप्त हुआ।

सीढ़ियाँ व शौचालय पूर्व व दक्षिण पूर्व में वर्तमान स्थान से हटाकर दक्षिण-पश्चिम भाग में बनाए गए, जो उस भवन के वास्तु के अनुसार उचित थे।

रसोईघर को दक्षिण-पूर्व यानि अग्नि कोण पर परिवर्तन किया गया।

सम्बन्धित व्यक्तियों ने उक्त सलाह मान ली और इसके अनुसार ही परिवर्तन तुरन्त किया गया। वास्तु सम्बन्धी नियमों को समझकर आवश्यक सुधार कराने पर उस परिवार की सारी कठिनाइयाँ दूर होती चली गई और सुगमता से मकान का निर्माण पूरा हो सका। आज वह परिवार अपने घर में सुख से निवास कर रहा है।

जीवन बार-बार देता है संकेत, आवश्यकता है उन्हें समझने की, जीवन के संकेतों को पढ़ना सिखाता है ज्योतिष

फिल्मों और साहित्य में अनेक भावों तथा घटनाओं को प्रत्यक्ष रूप से दिखाने के स्थान पर प्रतीकों के माध्यम से अभिव्यक्त किया जाता है। यदि किसी दृश्य में जलता हुआ दीपक अचानक बुझ जाए, तो दर्शक सहज ही समझ जाता है कि यह किसी व्यक्ति की मृत्यु या जीवन-ज्योति के समाप्त होने का संकेत है। दो पुष्प-डालियों का एक-दूसरे से लिपट जाना प्रेमी-प्रेमिका के मिलन का प्रतीक माना जाता है। भविष्य जानने के लिए ग्रह प्रतीकों को समझना जरूरी है। ज्योतिष ग्रहों, राशियों और भावों की गणना के साथ प्रतीकों की एक अत्यंत सूक्ष्म और गूढ़ भाषा है। जो व्यक्ति इन प्रतीकों की भाषा को समझ लेता है, उसके लिए जन्मकुंडली जीवन के रहस्यों को उद्घाटित करने वाली एक सजीव मानचित्र बन जाती है।

यह माना गया है कि चाहें ज्योतिष के सूत्र हों अथवा कविता आदि कोई भी साहित्य हो, यह अन्तर्मन से जब प्रकट होते हैं, तो अद्वितीय हो जाते हैं। जब हमारे अन्दर की भावनाएं सघन रूप में इकट्ठी हो जाती हैं, तब उसका प्रस्फुटन साहित्य के रूप में होता है। मनोवैज्ञानिकों का भी मानना है कि आवेश के क्षणों में बहुत ही असाधारण भाषा, विचार और सूत्रों का जन्म होता है। यदि उस क्षण उसे नोट नहीं किया गया तो वे हमेशा के लिए गायब हो जाते हैं।

सूर्य केवल आकाश में चमकने वाला एक तारा नहीं है। ज्योतिष में वह आत्मा, पिता, आत्मविश्वास, नेतृत्व, प्रतिष्ठा और जीवन-ऊर्जा का प्रतीक है। चन्द्रमा मन, भावनाओं, माता और मानसिक स्थिरता का प्रतीक है। मंगल युद्ध, साहस, ऊर्जा, पराक्रम और संघर्ष-शक्ति का संकेत देता है। इसी प्रकार प्रत्येक ग्रह अपने भीतर अनेक अर्थों को समेटे हुए हैं।जन्मकुण्डली के भावों का भी यही स्वरूप है। सप्तम भाव विवाह के साथ साझेदारी, सामाजिक व्यवहार, समझौते और सार्वजनिक जीवन का प्रतीक है। अष्टम भाव को सिर्फ मृत्यु भाव नहीं समझना चाहिए, यह परिवर्तन, शोध, रहस्य, गूढ़ ज्ञान और जीवन के गहन अनुभवों का भी प्रतिनिधित्व करता है। यदि कोई ज्योतिषी केवल एक प्रतीक को पकड़कर निष्कर्ष निकाल दे, तो वह सत्य से दूर हो सकता है।

एक ही ग्रह या योग अलग-अलग कुंडलियों में भिन्न प्रकार से फलित होता है। उसका अर्थ उस ग्रह की स्थिति, बल, दृष्टि, युति, भाव, राशि और संपूर्ण कुंडली के संदर्भ में बदल सकता है, इसलिए ज्योतिष में प्रतीकों को अलग-अलग नहीं, बल्कि एक समग्र चित्र के रूप में समझना आवश्यक है। एक कुशल ज्योतिषी वही है जो प्रतीकों की मौन भाषा को पढ़ सके और उनके पीछे छिपे जीवन-संदेश को समझ सके।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहना होगा। आपके घर किसी अतिथि के आने से परिवार के सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को अपने विरोधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। आप अपने कामों से अपने बॉस को खुश रखेंगे। कार्यक्षेत्र में माहौल अच्छा रहेगा, जिससे आपको काम करने में खूब मजा आएगा।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों को प्रोत्साहन मिलेगा। आपके मन में प्रतिस्पर्धा का भाव बना रहेगा। वरिष्ठ सदस्यों का आपको भरपूर मात्रा में सहयोग मिलेगा। दान धर्म के कार्यों में आपकी काफी रुचि रहेगी। परोपकार के कार्यों से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। भाई व बहन के विवाह में आ रही समस्या भी दूर होगी।

मिथुन

मिथुन- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। संतान के किसी काम को लेकर आपका मन परेशान रहेगा। कोई मित्र आपसे लंबे समय बाद मिलने आ सकता है। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है। आप काम के सिलसिले में अपनी व्यवसाय पर ध्यान थोड़ा कम देंगे। आपको किसी नई नौकरी के मिलने से परिवार के सदस्य भी खुश रहेंगे। आपकी इनकम पहले से बेहतर रहेगी।

कर्क

कर्क – आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। शेयर बाजार में आपको थोड़ा सोच समझकर इन्वेस्टमेंट करना होगा। यदि आपका कोई काम धन को लेकर रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है। आप किसी नए मकान की खरीदारी कर सकते हैं। आप कोई जरूरी बात घर व बाहर न जाने दे। नौकरी में यदि आप बदलाव की योजना बना रहे थे, तो आपको किसी दूसरी नौकरी का ऑफर आ सकता है।

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। नौकरी में आपका प्रमोशन मिलने से एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन लगेगा। परिवार में यदि आप किसी सदस्य के करियर को लेकर कोई निर्णय लेंगे, तो वह भी आपको बेहतर रहेगा। आपके मन में किसी काम को लेकर यदि कंफ्यूजन हो, तो आप उसे बिल्कुल ना करें। आपके बढ़ते खर्च आपके लिए सिर दर्द बनेंगे।

कन्या

कन्या- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। किसी दूर रह रहे परिजन की आपको याद सता सकती है। आपकी इनकम के स्रोत बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। प्रेम जीवन जी रहे लोग साथी को लेकर लॉन्ग ड्राइव पर जाने की योजना बना सकते हैं। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है। सामाजिक कार्यक्रमों से आपको जुड़ने का मौका मिलेगा।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपका कोई महत्वपूर्ण काम पूरा होगा। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। यदि लंबे समय से आपका कोई काम रुका हुआ था, तो वह पूरा हो सकता है। व्यापार में आपको चुटपुट लाभ की योजनाओं पर भी पूरा ध्यान देना होगा। आप इधर-उधर के कामों में ज्यादा समय व्यतीत करेंगे। आपको अपने पारिवारिक मामलों को मिल बैठकर निपटना होगा।

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए प्रभाव व प्रताप में वृद्धि लेकर आने वाला है। किसी नए वाहन की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपको अपनी सेहत में लापरवाही करने से बचना होगा। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ेगा।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। परिवार में नौकरी से संबंधित कामों को लेकर आपको भाग दौड़ अधिक रहेगी। कोई पारिवारिक समस्या यदि लंबे समय से आपको परेशान कर रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आपकी सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी और आपको एक के बाद एक शुभ सूचना सुनने को मिलती दिख रही है।आप अपने धन को लेकर योजना बनाकर चलें नहीं तो बाद में आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। अविवाहित जातकों के जीवन में किसी ने मेहमान के दस्तक हो सकती हैं। विद्यार्थी किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिसमें उन्हें जीत अवश्य मिलेगी। आप अपने परिवार में किसी सदस्य के लिए कोई सरप्राइज पार्टी प्लान कर सकते हैं। छोटे बच्चे आपसे किसी चीज की फरमाइश करेंगे, जिसे आप पूरा अवश्य करेंगे। आप किसी से कोई कड़वी बात ना बोले।

कुंभ

कुंभ- कुंभ राशि के जातकों के लिए आज दिन अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको बेहतर लाभ मिलेंगे। किसी नई नौकरी का ऑफर आने से माहौल खुशनुमा रहेगा। साझेदारी में यदि आपने कोई फैसला लिया था, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोग अपने साथी के साथ रोमांटिक समय व्यतीत करेंगे। यदि आपके ऊपर कुछ कर्ज था, तो उसे भी आप काफी हद तक उतार सकते हैं। आपको किसी की कोई बात बुरी लग सकती है।

मीन

मीन- मीन राशि के जातकों को खुशियां भरपूर मिलेंगी, लेकिन उनके खान-पान में गड़बड़ी होने के कारण पेट संबंधित समस्याएं जन्म ले सकती हैं। संतान के साथ आप कुछ मौज मस्ती भरे पल व्यतीत करेंगे। आपको बिजनेस में भी अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। आप कोई फैसला थोड़ा सोच समझ कर लें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आपको किसी नए काम की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। बिजनेस में आप किसी को पार्टनर बनाने की सोच सकते हैं।

सक्षिप्त समाचार

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, इंफाल में मैतेई लोगों के घरों में भीषण आगजनी

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर की राजधानी इंफाल के पश्चिमी क्षेत्र में मैतेई समुदाय के लोगों के

घरों को जलाने की घटना के बाद इलाके में तनाव पैदा हो गया है। आगजनी की इस घटना के बाद पीड़ित समुदाय के करीब 600 लोगों के समूह ने पथराव करना शुरू कर दिया। कांतो सबल इलाके में शनिवार को हुई इस घटना के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों ने टकराव से बचाव के लिए गश्त बढ़ा दी है और लोगों को एकत्रित नहीं होने दे रहे हैं। बताया गया है कि आगजनी की घटना में ज्यादातर उन घरों में आग लगाई गई जो खाली पड़े थे। इसलिए किसी जनहानि की सूचना नहीं है। पूर्व में हुई हिंसा के चलते उनमें रहने वाले लोग इलाका छोड़कर चले गए थे। विदित हो कि प्रदेश में मैतेई और नगा समुदाय के लोगों के बीच पिछले कई वर्षों से टकराव की स्थिति बनी हुई है। इसमें जन–धन का काफी नुकसान हुआ है।

बेंगलुरु में 60 करोड़ रुपये से अधिक के ड्रग्स जब्त, आठ गिरफ्तार

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। इस मामले में पांच विदेशी नागरिकों समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अनुमानित मूल्य 60.86 करोड़ रुपये है। आरोपितों के पास से 29 किलोग्राम एमडीएमए, 20 ग्राम कोकेन और एक हजार नशीली गोलियां जब्त की गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान हेब्बल थाना, सीसीबी मादक पदार्थ रोधी शाखा और गिरिनगर थाना पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज अलग–अलग मामलों में चलाया। पुलिस दल ने उनके पास से 17.282 किलोग्राम एमडीएमए जब्त किया, जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 34.56 करोड़ रुपये है।

वंदे भारत में परोसा फटा दूध , शताब्दी में यात्रियों को दी एक्सपायर ब्रेड

ग्वालियर, एजेंसी। रेलवे की प्रीमियम ट्रेनों में बेहतर खानपान और विश्वस्तरीय यात्रा सुविधा के दावों पर लगातार सवाल उठ रहे हैं। इन लग्जरी ट्रेनों में महंगा किराया और कैटरिंग चार्ज लेने के बावजूद यात्रियों को निम्न गुणवत्ता के खाद्य पदार्थ परोसे जा रहे हैं।

शनिवार को इसके दो मामले सामने आए, जब हजरत निजामुद्दीन-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों को फटा हुआ दूध परोसने की शिकायत मिली, तो वहीं नई दिल्ली-रानी कमलापति शताब्दी एक्सप्रेस में एक्सपायर डेट की ब्रेड परोस दी गई।

यात्रियों का कहना है कि जब प्रीमियम किराया वसूला जा रहा है तो भोजन की गुणवत्ता से समझौता किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता।

निजामुद्दीन-खजुराहो वंदे भारत एक्सप्रेस में यह मामला उस समय सामने आया, जब उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी एडवोकेट राजेंद्र पाल गौतम एग्जीक्यूटिव क्लास कोच में निजामुद्दीन से झांसी की यात्रा कर रहे थे। नाश्ते के दौरान जैसे ही उन्होंने कार्न फ्लेक्स में दूध डाला, वह फट गया। उन्होंने इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया। करीब चार मिनट के वीडियो में उन्होंने दूध को घटिया बताते हुए कहा कि यह पीने योग्य नहीं है। उन्होंने रेल मंत्री से पूरे मामले की जांच कराने और केवल दूध ही नहीं, बल्कि ट्रेन में परोसे जाने वाले सभी खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच कर दोषी एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं शनिवार सुबह नई दिल्ली से रानी कमलापति स्टेशन (भोपाल) जा रही शताब्दी एक्सप्रेस में भी खानपान व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए। ट्रेन के सी-4 कोच में सफर कर रहे करीब 74 यात्रियों को नाश्ते में ऐसी ब्रेड परोस दी गई, जिसकी उपयोग अवधि 10 जुलाई को ही समाप्त हो चुकी थी।

एक यात्री की नजर जब ब्रेड के पैकेट पर अंकित यूज बाइ तारीख पर पड़ी तो अन्य यात्रियों ने भी अपने पैकेट जांचे। अधिकांश यात्री तब तक ब्रेड खा चुके थे।

पुणे इमारत हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 9

वेस्ट प्लांट ऑपरेटर प्रमुख ने भारी बारिश को ठहराया जिम्मेदार

पुणे, एजेंसी। पुणे के पास मोशी में कचरा प्रोसेसिंग यूनिट की इमारत के गिरने से मरने वालों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है, जबकि अंदर फंसे लगभग 23 लोगों में से 14 को बचा लिया गया है।

पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम के कमिश्नर विजय सूर्यवंशी ने बताया कि घटना के तीन दिन बाद भी एक व्यक्ति लापता है। तलाशी अभियान जारी है।

बुधवार को पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट की तीन मंजिला प्रशासनिक इमारत तब गिर गई थी, जब पास में जमा कचरे का ढेर इस इमारत पर आ गिरा।

अधिकारियों ने बताया कि एनडीआरएफ और सेना सहित अन्य एजेंसियों द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान में विशेष मशीनें लगाई गई थी। महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने घटनास्थल का दौरा किया और बचाव अभियान का जायजा लिया।

उन्होंने कहा कि भारी बारिश और कचरे के ढेर से निकलने वाली जहरीली गैसों ने बचाव अभियान को चुनौतीपूर्ण बना दिया। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच चल रही है। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

मानसून का तांडव: कई राज्यों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट

हिमाचल-उत्तराखंड में भूस्खलन और कश्मीर में फटा बादल

चंडीगढ़/देहरादून, एजेंसी। देश के कई हिस्सों में शनिवार को भारी बारिश हुई। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश सबसे अधिक भावित हुए हैं। वहां भूस्खलन के चलते सड़कें बंद हो गईं और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और मेघालय में जमकर बारिश हुई।

बंगाल, ओडिशा, झारखंड, बिहार, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, मिजोरम, तमिलनाडु और केरल में भारी बारिश दर्ज की गई। उत्तराखंड में भारी बारिश से भूस्खलन में तीन राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 120 सड़कें बंद हो गईं।

यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग का एक हिस्सा बह जाने और रास्ता दो दिन तक बंद रहने के बाद लगभग 100 तीर्थयात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

एसडीआरएफ के अनुसार, उत्तरकाशी के स्यानाचट्टी में मलबे के कारण सड़क पूरी तरह अवरुद्ध हो गई। वैकल्पिक मार्ग पर सुरक्षित तरीके से रस्सी बांधी गई। इसके बाद जवानों ने सावधानी से लगभग 100 यात्रियों को एक-एक कर सुरक्षित रास्ता पार कराया।

हिमाचल प्रदेश में शनिवार को मध्यम से भारी बारिश के कारण शिमला में भूस्खलन हुआ। सांगला में पिछले साल निर्मित एक अस्थायी पुल ढह गया और किन्नौर जिले में बाढ़ का पानी एक मंजिला मकान में घुस गया।

शनिवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान बढ़ गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों तक आसमान में बादल छाए रहने और कोई बारिश न होने का अनुमान लगाया है। सफदरजंग में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री

सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.2 डिग्री ज़्यादा था, लेकिन शुक्रवार के मुकाबले 2.4 डिग्री ज्यादा था।

पहलगाम में बादल फटने से अचानक बाढ़, कई होटल और घर प्रभावित: अनंतनाग जिले के पहलगाम और आसपास के ऊपरी क्षेत्रों में शनिवार शाम बादल फटने के बाद अचानक आई बाढ़ से जनजीवन प्रभावित हो गया। बाढ़ के कारण क्षेत्र के कम से कम आधा दर्जन होटल व घर प्रभावित हुए। एहतियात के तौर पर होटलों में ठहरे पर्यटकों को सुरक्षित स्थानों पर स्थित अन्य होटलों में स्थानांतरित किया गया। प्रशासन के अनुसार, अब तक किसी जनहानि की सूचना नहीं है, जबकि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं निगरानी अभियान जारी है। हालांकि इससे श्रीअमरनाथ यात्रा पर कोई असर नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार, पहलगाम के आवूरा और देहवाथू के वन क्षेत्र में शाम अचानक मूसलाधार बारिश हुई, जिसे स्थानीय स्तर पर बादल फटने की घटना माना जा रहा है। इसके चलते आवूरा नाले में अचानक बाढ़ आ गई। यह नाला आगे चलकर बटकूट में लिद्दर नाले से मिलता है।

बच्चों को स्कूल से छुट्टी करवा घूमने ले गई मां, सरकार ने ठोक दिया 60 हजार रुपए जुर्माना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एक मां को अपने बच्चों को स्कूल से छुट्टी दिलाकर परिवार के साथ विदेश घूमने जाना महंगा पड़ गया। डेवोन की रहने वाली 36 वर्षीय शार्लोट क्राउच पर स्थानीय प्रशासन ने 480 पाउंड (करीब 60 हजार रुपए) का जुर्माना लगाया, क्योंकि उन्होंने अपने बच्चों को बिना आधिकारिक अनुमति के स्कूल से पांच दिन की छुट्टी दिलाई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, शार्लोट अपने पति और चार बच्चों के साथ 1 जून को स्पेन के ग्रैन कैनारिया गई थीं। यह यात्रा उनके पिता और सौतेली मां की शादी की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए थी। ब्रिटेन के नियमों के अनुसार, यदि कोई छात्र बिना स्कूल की अनुमति के छुट्टी लेकर घूमने जाता है, तो उसके माता-पिता पर प्रति बच्चे 80 पाउंड का जुर्माना लगाया जा सकता है। समय पर भुगतान नहीं करने पर यह राशि दोगुनी हो सकती है और मामला अदालत तक भी पहुंच सकता है। हालांकि शार्लोट ने बच्चों की अनुपस्थिति की जानकारी पहले ही स्कूल को दे दी थी और यह नहीं छिपाया कि वे परिवार के साथ छुट्टियां मनाने जा रहे हैं। लेकिन लौटने के करीब एक महीने बाद उन्हें तीन बच्चों की गैर-हाजिरी के लिए कुल 480 पाउंड का जुर्माना भरने का नोटिस मिला। शार्लोट का कहना है कि यदि वे स्कूल की आधिकारिक छुट्टियों में यात्रा करते, तो पूरे परिवार की छुट्टियों का खर्च करीब 2,500 पाउंड (लगभग 2.9 लाख रुपये) अधिक आता। ऐसे में जुर्माना भरने के बाद भी उन्हें अच्छी-खासी बचत हुई। शार्लोट का मानना है कि बच्चों की शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान बच्चों ने तैराकी सीखी, डॉल्फ़िन को प्राकृतिक वातावरण में देखा, हवाई यात्रा का अनुभव लिया और नई संस्कृति को समझा। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर बच्चों की महत्वपूर्ण परीक्षाएं होतीं, तो वह कभी उन्हें स्कूल से छुट्टी नहीं दिलातीं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कुछ लोगों ने नियमित स्कूल उपस्थिति को जरूरी बताया, जबकि कई यूजर्स ने कहा कि परिवार के साथ बिताया गया। समय भी बच्चों के विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पीओके के बढ़ते विरोध ने पाकिस्तान के कश्मीर दावे पर उठाए सवाल: रिपोर्ट में दावा- लोग अब खुलकर उठा रहे हैं आवाज

न्यूयॉर्क, एजेंसी। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में जारी विरोध प्रदर्शनों ने पाकिस्तान के उस दावे पर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसमें वह खुद को कश्मीरी मुसलमानों का प्रतिनिधि बताता रहा है। न्यूयॉर्क स्थित थिंक टैंक गेटस्टोन इंस्टीट्यूट की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पीओके में लोग अब पाकिस्तान के खिलाफ खुलकर आवाज उठा रहे हैं और इससे पाकिस्तान की कश्मीर संबंधी कहानी कमजोर पड़ती दिख रही है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शन के दौरान लोगों ने फोर्सेज आउट' (पाकिस्तानी सेना बाहर जाओ) जैसे नारे लगाए। इससे साफ संकेत मिलता है कि वहां के लोगों में पाकिस्तान की नीतियों को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। रिपोर्ट में बताया गया है कि यह आंदोलन मई 2023 में बिजली की बढ़ती कीमतों और आटे की कमी के विरोध से शुरू हुआ था। इस आंदोलन का नेतृत्व जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ने किया, जिसमें व्यापारी, वकील, ट्रांसपोर्टर, छात्र और सामाजिक संगठनों के लोग शामिल थे। कमेटी ने सरकार के सामने 38 सूत्रीय मांगपत्र रखा था। इसमें सस्ती बिजली, सस्ता आटा, जरूरी सामान पर सब्सिडी और स्थानीय चुनाव व्यवस्था में सुधार जैसी मांगें शामिल थीं। रिपोर्ट के मुताबिक, लोगों का कहना है कि पीओके में बड़ी मात्रा में जलविद्युत उत्पादन होता है, लेकिन इसके बावजूद उन्हें महंगी बिजली दी जा रही है। वहीं खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और जरूरी सामान की कमी भी बनी हुई है। इन समस्याओं के कारण लोगों में लंबे समय से नाराजगी थी, जो अब बड़े आंदोलन का रूप ले चुकी है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जून 2026 में मुजफ्फराबाद और रावलाकोट जैसे प्रमुख शहरों में पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई। इसमें कई लोगों की मौत और कई अन्य घायल हुए। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने 5 जून को अवामी एक्शन कमेटी पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया। इसके नेताओं पर देशद्रोह के मामले दर्ज किए गए। साथ ही इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गईं तथा अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीओके में मुस्लिम समुदाय द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन यह दिखाते हैं कि वहां के लोग अब पाकिस्तान को अपना रक्षक नहीं मानते। कई लोग मानते हैं कि पाकिस्तान के बिना उनका भविष्य बेहतर हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लोगों को राजनीतिक अधिकार, आर्थिक अवसर और विकास के मामले में पीओके के लोगों की तुलना में बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं।

उमर अब्दुल्ला ने भाजपा पर लगाए आरोप, बोले- 20-30 करोड़ और मंत्री पद का ऑफर!

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भारतीय जनता पार्टी पर उनकी सरकार गिराने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों को पार्टी छोड़ने के बदले करोड़ों रुपये और मंत्री पद का लालच दिया जा रहा है। हजरतबल में अपनी दादी अकबर जहान की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी पार्टी को तोड़ने की कोशिशें लगातार की जा रही हैं। उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों ने उनके जम्मू क्षेत्र के एक विधायक को बंद कमरे में मुलाकात कर पार्टी छोड़ने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा, 'पहले पैसों का लालच दिया गया, फिर मंत्रालय का ऑफर दिया गया। जब इससे भी बात नहीं बनी तो मेरे विधायकों से कहा गया कि हमारे साथ आओ, हम आपको राज्य का दर्जा भी दिलाएंगे। एक विधायक ने मुझे बताया कि सुप्रीम कोर्ट से जुड़े भाजपा के एक वकील ने 20 से 30 करोड़ रुपये और मंत्री पद का ऑफर दिया।' उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता बिकाऊ नहीं हैं और कोई भी करोड़ों रुपये के बदले अपना ईमान नहीं बेचेगा। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के वादे को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद उन्होंने केंद्र को पर्याप्त समय दिया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

उमर अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि उनकी निर्वाचित सरकार को प्रभावी ढंग से काम नहीं करने दिया जा रहा और प्रशासनिक फैसलों में उपराज्यपाल के जरिए दखल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर सरकार को काम ही नहीं करने देना था तो चुनाव कराने का क्या मतलब था? फिर चुनाव ही नहीं कराने चाहिए थे।'

उचित समय आखिर कब आएगा?

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से सवाल किया कि राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए जिस 'उचित समय' की बात की जाती है, वह आखिर कब आएगा। उन्होंने कहा, 'हमें बताया जाए कि उस उचित समय तक पहुंचने के लिए हमें और क्या करना होगा? क्या राज्य का दर्जा तभी मिलेगा जब भाजपा जम्मू-कश्मीर में सत्ता में आएगी?' उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया है और अब जनता राज्य का दर्जा बहाल होने की उम्मीद कर रही है।

किराए के लिए खाली है

1- 3600 वर्ग फुट कमर्शियल 4 हॉल सेमी फर्निश्ड सेक्टर 10 टी सी सी काम्पलेक्स फरीदाबाद में।
2- 1620 वर्ग फुट ऑफिस सेमी फर्निश्ड मेन रोड सेक्टर 10 टी सी सी काम्पलेक्स फरीदाबाद में।
3- टू बैड रूम सेट ग्राउंड फ्लोर वेल फर्निश्ड सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
4- वन रूम सेट वेल फर्निश्ड सेकंड फ्लोर सेक्टर 7 डी ब्लॉक फरीदाबाद में।
इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9999446252, 9811157562 पर संपर्क करें।

- सूचना -

फरीदाबाद जिला में भेदीनजर समाचार में अपने समाचार, विज्ञापन देने और अखबार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें-
1- [illegible]
मोबाइल नम्बर- 9811477204
2- [illegible]
मोबाइल - 9810229192
3- [illegible]
मोबाइल- 9811159238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं-काल करें
0120-4152063,
9811157562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु, 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रुपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम

एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम

एक सोनी एलसीडी 32 इंच व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम
बीस मोबाईल फोन
- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मेंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2026 से 31 दिसम्बर 2026 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2026 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते हैं।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को छूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं.
HAR/HIN/2011/43680
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
प्लाट न. 3/1 टी.सी.सी. कॉम्पलेक्स सेक्टर - 10 फरीदाबाद से प्रकाशित एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा